Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Saturday, 28 December 2024 ● Year : 02 ● Issue : 335 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

आदमी को आदत होती है, उसे जो मिल जाता है, वही निरर्थक लगने लगता है। बाकी सब कुछ सार्थक।

-कमलेश्वर

Hina Khan Makes a Comeback...

SHARE

सेंसेक्स	:	78,472.48
निफ्टी	:	23,750.20

SARAFA

सोना	:	7,305
चांदी	:	100.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

जर्मनी के राष्ट्रपति ने भंग की संसद

NEW DELHI : जर्मनी के राष्ट्रपति फ्रैंक-वाल्टर स्टीनमीयर ने चांसलर ओलाफ शोल्ज की गठबंधन सरकार के विश्वासमत हारने के मद्देनजर शुक्रवार को संसद को भंग करने और 23 फरवरी को चुनाव कराने का आदेश दिया। शोल्ज 16 दिसंबर को विश्वास मत हार गए थे और अब अल्पमत सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। शोल्ज की तीन परियों वालु गठबंधन सरकार छह नवंबर को तब संकट में घिर गई, जब उन्होंने जर्मनी की स्थिर अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित करने के तरीके पर विवाद के कारण अपने वित्त मंत्री को बर्खास्त कर दिया था। इसके बाद कई प्रमुख दलों के नेता इस बात पर सहमत हुए कि संसदीय चुनाव मूल योजना से सात महीने पहले, 23 फरवरी को कराए जाने चाहिए।

शाही जामा मस्जिद के सामने बनेगी पुलिस चौकी

SHAMVAL : उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर को हुई हिंसा के बाद पुलिस प्रशासन ने कड़े कदम उठाते हुए कोट पूर्वी मोहल्ले में स्थित शाही जामा मस्जिद के सामने नयी चौकी बनाने का फैसला लिया है, जिसके तहत जमीन की नपाई काम काम शुरू हो गया है। अपर पुलिस अधीक्षक श्रीश चंद्र ने यह जानकारी दी। हालांकि चौकी का नाम क्या होगा इसे लेकर उन्होंने अभी कुछ भी बताने से इनकार कर दिया। संभल में सुरक्षा की दृष्टि से नयी पुलिस चौकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है।

एलजेपी नेता के कई ठिकानों पर ईडी की रेड

NEW DELHI : शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता हुलास पांडे के पटना, नई दिल्ली और बेंगलुरु स्थित ठिकानों पर छापा मारा। हुलास पांडे को एलजेपी-आर के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान का करीबी माना जाता है। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने आय से अधिक संपत्ति मामले में यह कार्रवाई की है। ईडी ने सुबह पटना, नई दिल्ली और बेंगलुरु में हुलास पांडे के ठिकानों पर छापा मारा। जांच एजेंसी ने पटना में गोला रोड स्थित आवास के साथ-साथ दानापुर में भी उनके ठिकानों पर छापा मारा। ईडी की टीम ने नई दिल्ली और बेंगलुरु में भी हुलास पांडे के ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी को हुलास पांडे की संपत्ति से जुड़ी कई नई जानकारियां मिली हैं।

अकासा एयर के दो निदेशक हुए निलंबित

MUMBAI : शुक्रवार को विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने पायलटों के प्रशिक्षण में कथित चूक के लिए अकासा एयर के संचालन निदेशक और प्रशिक्षण निदेशक को छह महीने के लिए निलंबित करने का आदेश दिया। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने आदेश में कहा कि राकेश झुनझुनवाला परिवार की हिस्सेदारी वाली एयरलाइन के दो वरिष्ठ अधिकारी नागरिक विमानन जरुरतों के अनुपालन को सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं।

केंद्रीय कैबिनेट ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर जताई संवेदना

देश में 7 दिनों के लिए राजकीय शोक

NEW DELHI @ PTI

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह की स्मृति में शोक प्रस्ताव पारित किया। मंत्रिमंडल ने दो मिनट का मौन रखकर डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि दी। मंत्रिमंडल की बैठक में रखे शोक प्रस्ताव के अनुसार देश में 1 जनवरी 2025 तक सात दिनों के लिए राजकीय शोक घोषित किया गया है। इस शोक अवधि के दौरान, पूरे भारत में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। सात दिनों के लिए विदेश में सभी भारतीय मिशनों/उच्चायोगों में भी राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। डॉ.मनमोहन सिंह का राजकीय सम्मान के साथ शनिवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा। राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार के दिन, सभी केंद्रीय सरकारी कार्यालयों और सीपीएसयू में आधे दिन का अवकाश घोषित किया जाएगा। इसके साथ बैठक में संकल्प भी रखा गया, जिसमें कहा गया कि मंत्रिमंडल भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के 26 दिसंबर 2024 को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली में हुए दुखद निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है।

प्रस्ताव में कहा गया कि मनमोहन सिंह ने हमारे राष्ट्रीय जीवन पर अपनी अमिट छाप छोड़ी है। उनके निधन से राष्ट्र ने एक प्रख्यात राजनेता, प्रख्यात अर्थशास्त्री और एक प्रतिष्ठित नेता खो दिया है। मंत्रिमंडल सरकार और पूरे देश की ओर से शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है।

1 जनवरी 2025 तक पूरे भारत में आधा झुका रहेगा तिरंगा, आज होगा अंतिम संस्कार

- श्रद्धांजलि देने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पीएम मोदी पहुंचे
- कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया व राहुल गांधी ने दी श्रद्धांजलि
- भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी पहुंचे
- दिल्ली पहुंचे सीएम हेमंत सोरेन दिवंगत पूर्व पीएम मनमोहन सिंह को दी श्रद्धांजलि

सैन्य सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज में लपेटा गया पार्थिव शरीर

NEW DELHI : लुटियंस दिल्ली के मोतीलाल नेहरू मार्ग के बंगला नंबर-तीन पर शुक्रवार को सुबहसे ही पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह को श्रद्धांजलि देने के लिए लोगों का तांता लगा हुआ है। इस बीच उनके पार्थिव शरीर को सैन्य सम्मान के साथ राष्ट्रीय ध्वज यानी तिरंगे से लपेटा गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी, सोनिया गांधी और केरल के वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी वॉड्रा दिवंगत नेता को श्रद्धांजलि देने उनके सरकारी आवास 3, मोतीलाल नेहरू मार्ग पहुंचे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा पूर्व प्रधानमंत्री सिंह के अंतिम दर्शन करने पहुंचे और श्रद्धांजलि दी। डॉ.सिंह का अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में गुरुवारकी रात निधन हो गया था। पार्थिव शरीर को उनके सरकारी आवास 3, मोतीलाल नेहरू मार्ग पर अंतिम दर्शनों के लिए रखा गया है। तीन मोतीलाल नेहरू मार्ग के बाहर पुलिस ने सुरक्षा का कड़ा इंतजाम किया है। सिंह के परिवार में उनकी पत्नी गुरशरण कौर और तीन बेटियां- उपिंदर सिंह, दमन सिंह और अमृत सिंह हैं। उपिंदर इतिहासकार, दमन लेखिका और अमृत मानवाधिकार वकील हैं। अमृत अमेरिका में रहती हैं।

मनमोहन का निधन व्यक्तिगत क्षति, वह मेरे मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे : सोनिया

NEW DELHI @ PTI

कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन को शुक्रवार को अपने लिए बड़ी व्यक्तिगत क्षति करार दिया और कहा कि वह उनके लिए मित्र, दार्शनिक और मार्गदर्शक थे। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी के लोग और भारत के लोग हमेशा इस बात पर गर्व करेंगे तथा आभारी रहेंगे कि मनमोहन सिंह ऐसे नेता थे, जिनका भारत की प्रगति और विकास में योगदान अतुलनीय है। बता दें कि वर्ष 2004 से 2014 के दौरान जब सिंह प्रधानमंत्री थे, तो

उस समय सोनिया गांधी कांग्रेस और संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) की प्रमुख थीं। सोनिया गांधी ने शोक संदेश में कहा, डॉ. मनमोहन सिंह के निधन से हमने एक ऐसा नेता खो दिया है, जो ज्ञान, बड़प्पन और विनम्रता के प्रतीक थे, जिन्होंने पूरे दिल और दिमाग से हमारे देश की सेवा की। वह कांग्रेस पार्टी के लिए मार्गदर्शन करने वाले प्रकाशपुंज थे। उनकी करुणा और दूरदर्शिता ने लाखों भारतीय नागरिकों के जीवन को बदल दिया और सशक्त बनाया।

आज सुबह 9.30 बजे कांग्रेस मुख्यालय से शुरू होगी अंतिम यात्रा

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का पार्थिव शरीर शनिवार को सुबह 8 बजे एआईसीसी मुख्यालय ले जाया जाएगा, जहां आम लोग और कांग्रेस कार्यकर्ता सुबह 8.30 से 9.30 बजे के बीच श्रद्धांजलि अर्पित कर सकेंगे। उनकी अंतिम यात्रा सुबह 9.30 बजे एआईसीसी मुख्यालय से शुरू होगी। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी दी है।

विश्व भर के बड़े नेताओं ने जताया शोक

NEW DELHI : पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर अमेरिका, फ्रांस, कनाडा और श्रीलंका समेत दुनियाभर के नेताओं ने शोक व्यक्त किया है और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में उनके योगदान को याद किया है। अफगानिस्तान, मालदीव, मॉरीशस और नेपाल के नेताओं ने भी सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा, डॉ. सिंह अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी के सबसे बड़े समर्थकों में एक थे और पिछले दो दशकों में हमारे देशों द्वारा मिलकर हासिल की गई अधिकतर उपलब्धियों की उन्होंने नींव रखी थी। सिंह के निधन पर भारत के लोगों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए ब्लिंकन ने कहा कि अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु सहयोग समझौते को आगे बढ़ाने में पूर्व प्रधानमंत्री का नेतृत्व अमेरिका-भारत संबंधों की क्षमता में एक बड़े निवेश का प्रतीक है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने एक महान व्यक्ति खो दिया है।

हमेशा याद रखा जाएगा भारत के लिए मनमोहन सिंह का योगदान : आरएसएस

NEW DELHI : शुक्रवार को आरएसएस ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के लिए उनके योगदान को हमेशा याद रखा जाएगा। सरसंघचालक मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने एक संयुक्त बयान में कहा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री तथा देश के वरिष्ठ नेता डॉ. सरदार मनमोहन सिंह के निधन से समूचा देश अत्यंत दुःख का अनुभव कर रहा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उनके परिवार तथा असंख्य प्रियजनों को गहरी संवेदना व्यक्त करता है। बयान में कहा गया कि मनमोहन सिंह ने सामान्य पृष्ठभूमि से आकर भी देश के सर्वोच्च पद को सुशोभित किया। आरएएस ने कहा, सुप्रसिद्ध अर्थशास्त्री डॉ. सिंह का भारत के प्रति योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा।

नाले में जहरीली गैस के कारण दम घुटने से हुई ज्यादातर यात्रियों की मौत

पंजाब में बेकाबू बस नाले में गिरी, चालक समेत आठ की गई जान, 15 लोग घायल

AGENCY CHANDIGARH :

- नाले पर बने पुल से निकलते समय अनियंत्रित हो गई बस
- एनडीआरएफ की टीम ने नाले में गिरे यात्रियों को रेस्क्यू कर निकाला बाहर

शुक्रवार को पंजाब के बठिंडा में यात्रियों से भरी एक बस बेकाबू होकर नाले में गिर गई। इस हादसे में चालक समेत आठ यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। पुलिस, एनडीआरएफ की टीमों ने क्षेत्रीय लोगों की मदद से नाले में गिरे यात्रियों को रेस्क्यू कर बाहर निकाला। हादसे के वक्त बस में 45 यात्री सवार थे। ज्यादातर यात्रियों की मौत नाले में जहरीली गैस के कारण दम घुटने से हुई है। जानकारी के अनुसार, एक निजी कंपनी की यात्रियों से भरी बस सरदूलगढ़ से बठिंडा की तरफ जा रही थी। गांव जीवन सिंह वाला के पास एक नाले पर बने पुल से निकलते समय बस अनियंत्रित होकर गंदे पानी में जा गिरी। बस के नाले में गिरते ही लोगों की चीख पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण व राहगीर दौड़कर मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों के साथ सीढ़ियां लगाकर नाले के पानी में फंसी बस से यात्रियों को बाहर निकाला। इस बीच नाले में जहरीली गैस के कारण यात्रियों का दम घुटने लगा। ग्रामीणों के अनुसार इस बरसाती नाले में आसपास के इलाके से सीवरेज का पानी गिरने और कई सालों से सफाई नहीं हुई है। हदसे की सूचना पर एसएसपी अमनीत कौंडल ने बताया कि गुरु काशी ट्रांसपोर्ट की बस लोगों को लेकर बठिंडा की तरफ जा रही थी। जीवन सिंह वाला गांव के पास बस अचानक अनियंत्रित होकर नाले में पलट गई।

भारतीय नौसेना ने 60 आर हेलीकॉप्टरों को किया ऑपरेशनल

NEW DELHI : भारतीय नौसेना ने अमेरिका से खरीदे जा रहे 'खूंखार शिकारी' 24 एमएच 60आर हेलीकॉप्टरों में से पहले नौ को बेड़े के जहाजों पर ऑपरेशनल कर दिया है। इन बहु भूमिका वाले हेलीकॉप्टरों ने भारतीय नौसेना की पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को काफी हद तक मजबूत किया है। भविष्य में भारतीय नौसेना की आंख, कान बनकर यह रोमियो हेलीकॉप्टर लंबी दूरी तक अपने दुश्मन का सफाया करने में सक्षम होंगे। साथ ही इससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत की समुद्री युद्धक क्षमता और मजबूत होगी। भारतीय नौसेना ने इसी साल 06 मार्च को पारंपरिक वॉटर कैनन सलामी के साथ कोच्चि के आईएनएस गरुड़ पर अमेरिकी एमएच-60आर सीहॉक बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर की पहली स्क्वाड्रन को औपचारिक रूप से हवाई बेड़े में शामिल किया था। इस सीहॉक्स स्क्वाड्रन को आईएनएस 334 के रूप में भारतीय नौसेना में शामिल किया गया है। एमएच 60आर हेलीकॉप्टर दुनिया का शक्तिशाली बहुउद्देश्यीय हेलीकॉप्टर है, जो देश की समुद्री क्षमताओं को बढ़ाने के साथ ही राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करेगा। अत्याधुनिक सेंसरों और मल्टी-मिशन क्षमताओं के साथ एमएच 60आर हमारी समुद्री निगरानी और पनडुब्बी रोधी युद्ध क्षमताओं को बढ़ाएगा।

जिला प्रशासन की ओर से इस संबंध में जारी की गई अधिसूचना

आज मंईयां सम्मान की राशि महिलाओं के खातों में ट्रांसफर नहीं करेंगे सीएम हेमंत

PHOTON NEWS RANCHI :

- जल्द ही कार्यक्रम की अगली तारीख की होगी घोषणा
- पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन के कारण कार्यक्रम स्थगित

शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन मंईयां सम्मान के लाभुकों को 25 सौ रुपये की राशि उनके बैंक खातों में ट्रांसफर नहीं कर पाएंगे। इसकी बड़ी वजह पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन हो जाना है। जल्द ही इसे लेकर अगली तारीख की घोषणा कर दी जाएगी। जिला प्रशासन की तरफ से इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी गई है। बता दें कि मुख्यमंत्री मंइयां सम्मान योजना का कार्यक्रम नामकुम के खोजा टोली में शनिवार को होने वाला था। तकरीबन 56 लाख महिलाओं के खाते में बढ़ी हुई राशि का ट्रांसफर होना है। बता दें कि केंद्र सरकार ने 26 दिसंबर से 1 जनवरी तक राष्ट्रीय शोक की घोषणा कर दी है। ज्ञात हो कि 26 दिसंबर की रात प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन होने के बाद केंद्र सरकार द्वारा राजकीय शोक के एलान के साथ यह लागू हो गया है। इस दौरान किसी भी प्रकार के सरकारी कार्यक्रम का आयोजन नहीं हो पाएगा। सभी सरकारी भवनों और कार्यालयों में लगा राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका हुआ रहेगा।

कई लाभुकों के खाते में जा चुकी है बढ़ी हुई राशि

इस बीच बताई जा रहा है कि मंईयां सम्मान योजना के कई लाभुकों के खाते में बढ़ी हुई राशि जा चुकी है। समाज कल्याण विभाग ने योजना के तहत लाभुकों को राशि वितरण के लिए 5,225 करोड़ रुपये विभिन्न जिलों को आवंटित कर चुका है। राज्य सरकार ने 28 दिसंबर तक योजना के 55.60 लाख लाभुकों के बैंक खातों में राशि हस्तांतरण पूरा करने का निर्देश दिया था। वित्तीय वर्ष 2024-25 के अनुपूरक बजट में मंईयां सम्मान योजना के लिए समाज कल्याण विभाग को 6,390.55 करोड़ का प्रावधान किया गया है।

न्यू स्टडी : गर्मी और आर्द्रता के कारण भी परिलक्षित होती है यह स्थिति

कम आयु में शादी महिलाओं को बना रही उम्रदराज

AGENCY NEW DELHI :

सामाजिक और पारिवारिक रूप से देखा जाए तो कई परिस्थितियों का असर पुरुषों की अपेक्षा महिलाओं पर अधिक पड़ता है। विशेषज्ञों के विशेष अध्ययन से यह जानकारी मिली है कि कम उम्र में शादी की चाहे जो वजह हो, महिलाएं समय के पहले उम्रदराज दिखने लगती हैं। एक कारण यह बताया गया है कि चरम मौसम की घटनाओं की वजह से आजीविका बर्बाद हो जाती है और निर्धनता विकराल रूप धारण कर लेती है। इन हालात में परिवार भोजन की किल्लत के कारण अक्सर युवा बेटियों की जल्द शादी कराने का विकल्प चुनते हैं। चाहे यह जिस वजह से भी हो कम उम्र में शादियों में वृद्धि उन देशों में दिखाई दी हैं, जो जलवायु आपदाओं से प्रभावित हुए हैं। इनमें मलावी, भारत, फिलिपींस, इंडोनेशिया और मोजांबिक जैसे कई अन्य देश हैं। कम उम्र में विवाह की वजह से लड़कियां समय से पहले बुढ़ापे की ओर बढ़ने लगती हैं।

त्वचा के पिगमेंटेशन स्पॉट व झुर्रियों के स्कोरिंग सिस्टम का किया गया अध्ययन

पराबैंगनी विकिरण व वायु प्रदूषण के प्रभाव के आंकड़ों में सामने आई सच्चाई

- भारत, इंडोनेशिया मलावी व मोजांबिक जैसे देशों में दिख रहा अधिक असर
- भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बॉम्बे से जुड़े शोधकर्ताओं ने दी है विस्तृत जानकारी
- प्राकृतिक आपदाओं में पुरुषों की तुलना में महिलाओं की अधिक होती है मृत्यु

आपदा में कम होती है जीवन प्रत्याशा

दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र महिला शांति एवं मानवीय कोष के अनुसार, जब सूखा या बेमौसम बारिश कृषि उत्पादन को खतरे में डालती है, तो भोजन की कमी के समय में महिलाएं अक्सर अपने पतियों और बच्चों को अधिक प्राथमिकता देती हैं। उनकी पोषण संबंधी जरूरतें उनकी जरूरतों से पहले पूरी की जाती हैं।

त्वचा पर दिखता है अधिक प्रभाव

यह भी पाया गया है कि गर्मी और आर्द्रता की वजह से महिलाओं की त्वचा प्रभावित होती है, जिसकी वजह से वे अधिक उम्र की दिखने लगती हैं। अध्ययन में अलग-अलग शहरों की 1510 भारतीय महिलाओं को शामिल किया गया है। इनकी त्वचा की बढ़ती उम्र के लक्षणों जैसे कि पिगमेंटेशन स्पॉट और झुर्रियों की स्कोरिंग सिस्टम की मदद से जांच की गई है। साथ ही उन क्षेत्रों में जहां यह

महिलाएं रहती हैं, वहां के पिछले पांच वर्षों के तापमान, आर्द्रता (हीट इंडेक्स), पराबैंगनी विकिरण और वायु प्रदूषण के आंकड़ों को भी एकत्र किया गया है। वायु प्रदूषण के यह आंकड़े पार्टिकुलेट मैटर (पीएम 2.5) और नाइट्रोजन डाइऑक्साइड के थे।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरा वनडे पांच विकेट से जीता

VARODARA : भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने तीसरे और आखिरी वनडे में वेस्टइंडीज को 5 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ टीम ने सीरीज पर 3-0 से कब्जा जमाया। भारतीय टीम ने पहला मैच 211 और दूसरा 115 रन से जीता था। 3 वनडे में 10 विकेट लेने वालीं रेणुका सिंह ठाकुर प्लेयर ऑफ द सीरीज रहीं। वडोदरा के कोटाम्बी स्टेडियम में खेले गए मैच में वेस्टइंडीज की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 38.5 ओवर में 162 रन पर ही सिमट गई। जवाब में भारत ने 28.2 ओवर में 5 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। दीप्ति शर्मा ने ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने नाबाद 39 रन बनाए और 6 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए 38.5 ओवर में 162 रन बनाए। मैच के पहले ओवर में ही रेणुका सिंह ने दोनों ओपनर्स को आउट कर दिया। कीयाना जोसेफ और हेली मैथ्यूज बिना खाता खोले ही आउट हुईं।

कानूनी पहलुओं पर किया जा रहा विचार

जल्द खत्म हो सकता है पूजा सिंघल का सस्पेंशन

PHOTON NEWS RANCHI :

करीब 28 माह बाद जेल की सलाखों से छूटकर आयी राज्य की वरीय आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल का निलंबन जल्द खत्म हो सकता है। इसके लिए कानूनी पहलुओं पर विचार किया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, पूजा सिंघल का निलंबन खत्म करने के लिए कानूनी जानकारों से राय ली जा रही है। कानूनी बिंदुओ पर राय मिलने के बाद उनका निलंबन खत्म हो जायेगा। जिसके बाद उन्हें बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। बता दें कि पूजा सिंघल को इसी महीने की सात तारीख को बीएनएस कानून के तहत जेल से रिहा किया गया है। हालांकि वह अभी भी मनी लॉन्ड्रिंग केस में अभियुक्त हैं। लेकिन कानूनी प्रावधानों के अनुसार, जेल से बाहर रहने के दौरान उनका सस्पेंशन खत्म किया जा सकता है। बता दें कि मनरेगा घोटाला की अभियुक्त आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को ईडी ने 11 मई को गिरफ्तार किया था।

प्रिंस खान गिरोह के छह शूटर हथियार के साथ हुए गिरफ्तार

हाल ही में जेल से जमानत पर निकला गणेश गुप्ता कर रहा था गैंग को ऑपरेट

पुलिस गिरफ्त में पकड़े गए आरोपी व मामले की जानकारी देते एसएसपी हृदीप पी जनार्दनन ● फोटोन न्यूज

AGENCY DHANBAD :
मोस्टवांटेड क्रिमिनल प्रिंस खान के छह शूटरों को धनबाद पुलिस गिरफ्तार करने में सफल रही है। इन शूटरों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोली और अन्य सामान भी बरामद हुआ है। गिरफ्तार अपराधियों में कतरास निवासी गणेश कुमार (28), कतरास निवासी राजेश बधावन उर्फ बब्लू (27), कतरास निवासी अजय कुमार सिंह (35), मधुबन निवासी करण सिंह राजपूत (21), निचितपुर निवासी बिट्टू उर्फ सागर मल्लाह (20) और पलामू निवासी देव उर्फ भीम उर्फ प्रियेश कुमार सिंह उर्फ राहुल (25) शामिल हैं। वही इनके पास से एक स्विफ्ट कार, एक पल्सर बाइक, तीन पिस्तौल, 16 जिंदा कारतूस और विभिन्न कंपनियों के सात मोबाइल फोन बरामद हुआ है। शुक्रवार को इस संबंध में जानकारी देते हुए धनबाद के वरीय पुलिस अधीक्षक हृदीप पी जनार्दनन ने बताया कि 26 दिसंबर को गुप्त सूचना मिली थी कि प्रिंस खान गिरोह के कुछ अपराधी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के फिराक में है। इसके बाद जिले की नाकाबंदी कर चेकिंग शुरू की गई। इसी क्रम में केंदुआडीह थाना के तहत शिमलाबहाल ब्रिज के समीप स्विफ्ट कार पर सवार राजेश कुमार बधावन, अजय कुमार सिंह और सागर कुमार मल्लाह उर्फ बिट्टू को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही कतरास थाना क्षेत्र के निचितपुर रेलवे साइडिंग के पास से गणेश गुप्ता एवं करण सिंह को मोटरसाइकिल से भागते वक्त पीछा कर के गिरफ्तार किया। इनके पास से भी पुलिस को हथियार मिले। वहीं अन्य सूचना पर इनके एक अन्य साथी प्रियेश कुमार सिंह को धनबाद बस स्टैंड के पास से गिरफ्तार किया गया है। एसएसपी ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों ने पूछताछ के क्रम में खुद को प्रिंस खान गिरोह का सदस्य बताते हुए बीते दिनों बरवाअड्डा स्थित कुमीर्डीह निवासी सीमेंट व्यपारी चेतन महतो पर गोलीबारी करने, बीते दो दिसंबर को तेतुलमारी थाना अंतर्गत रेलवे साइडिंग पर फायरिंग करने तथा 19 दिसम्बर को प्रिंस खान के इशारे पर बलियापुर मार्शलिंग यार्ड कर्मी को गोली मारने की बात स्वीकार किया है। उन्होंने बताया कि गिरफ्त में आए गणेश गुप्ता जो हाल ही में 26 सितंबर को जेल से जमानत पर छूटा था, वहीं इन सभी शूटरों को ऑपरेट कर रहा था। उन्होंने बताया कि सभी पूर्व में भी आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे चुके है।

घटनास्थल पर जुटे महिला व पुरुष ● फोटोन न्यूज

लेवी के लिए वार्ड सदस्य की हत्या

AGENCY LATEHAR :
सदर थाना क्षेत्र के उलगाड़ा गांव निवासी वार्ड सदस्य बाल गोविंद साहू की हत्या झारखंड संघर्ष जनमुक्ति मोर्चा के नक्सलियों ने गुरुवार रात धारदार हथियार से मारकर कर दी। बाल गोविंद साहू उलगाड़ा गांव में औरंगा नदी पर बना रहे पुल निर्माण कार्य में मुंशी का काम भी करते थे। मिली जानकारी के अनुसार बीती रात बाल गोविंद साहू पुल निर्माण कार्य के साइडिंग पर ही रुके हुए थे। इसी दौरान रात में लगभग 8 से 10 की संख्या में हथियारबंद नक्सली वहां पहुंचे और बाल गोविंद साहू को कब्जे में लेकर नदी के किनारे ले गए। वहां बाल गोविंद की पिटाई के बाद धारदार हथियार से मार कर उसकी हत्या कर दी। बाद में नक्सलियों ने एक पर्चा फेंक कर घटना की जिम्मेवारी भी ली।इधर घटना के संबंध में सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंची। परंतु आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस को मृतक का शव घटनास्थल से उठाने नहीं दिया। ग्रामीणों का कहना था कि मृतक के परिजनों को तत्काल सरकारी नौकरी और आर्थिक मदद दी जाए उसके बाद ही शव को उठने दिया जाएगा। इधर मृतक के पुत्र ने बताया कि उनके पिता गांव के वार्ड सदस्य भी थे। पिछले कुछ महीने से पुल निर्माण कार्य में मुंशी का काम भी कर रहे थे। नक्सलियों के द्वारा रंगदारी के लिए कई बार ठेकेदार को धमकी दी गई थी। इसी बीच बीती रात उनके पिता की हत्या कर दी गई। वहीं इस मामले में पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई है और पूरे मामले की छानबीन कर रही है। उन्होंने कहा कि जल्द ही अपराधियों की गिरफ्तारी होगी।

दिनदहाड़े स्वर्ण व्यवसायी से नौ लाख के आभूषण की लूट, कारोबारी आक्रोशित

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस व स्थानीय लोग ● फोटोन न्यूज

AGENCY PALAMU :
पलामू जिले के किशुनपुर-तरहसी मुख्य मार्ग पर पाटन थाना क्षेत्र के काला पहाड़ मोड़ के समीप शुक्रवार बाइक सवार दो बदमाशों ने एक अधेड़ स्वर्ण व्यवसायी से सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। स्वर्ण व्यवसायी काला पहाड़ एवं लोइंगा में अपने ग्राहकों के यहां बकाया पैसे लेने जा रहे थे। तीन केजी चांदी और 100 ग्राम के लगभग सोने के आभूषण की लूट की जानकारी दी गयी है। इसकी अनुमानित कीमत नौ लाख रूपए है। घटना की सूचना मिलते ही किशुनपुर ओपी के एएसआई प्रभात किरण दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे एवं जांच में जुट गए हैं। जानकारी के अनुसार पाटन निवासी स्वर्ण व्यवसायी कामेश्वर सोनी बाइक से काला पहाड़ और लोइंगा में अपने ग्राहकों के यहां बकाया पैसे लेने जा रहे थे। इसी क्रम में बाइक से आए दो बदमाशों ने काला पहाड़ मोड़ के समीप पीछे से स्वर्ण व्यवसायी की बाइक में धक्का मार दिया, जिससे वे गिर गए। गिरने के बाद बदमाशों ने गाड़ी की चाबी लूट ली और डिक्की में रखें तीन किलो चांदी एवं 100 ग्राम के लगभग सोने के आभूषण लूट लिए। स्वर्णकार संघ के पाटन प्रखंड अध्यक्ष अजय सोनी ने घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि सोनार व्यवसायियों को इस तरह से दिनदहाड़े बदमाशों के जरिये लूटपाट की घटना को अंजाम देना बहुत ही चिंताजनक है। लगातार सोनार व्यवसायियों के साथ लूटपाट की घटना हो रही है, जिस पर पलामू पुलिस को संज्ञान में लेने की आवश्यकता है। पीड़ित कामेश्वर सोनी ने पाटन थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है।

चोरी की एक बाइक के साथ दो गिरफ्तार

GIRIDIH : गिरिडीह शहर और इससे सटे थाना क्षेत्रों में बढ़ते बाइक चोरी के मामलो के बीच शुक्रवार को चोरी की एक बाइक के साथ दो चोरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसआई प्रमोद कुमार को मिली गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गयी है। बरामद बाइक झारखंड के नाम से रजिस्टर्ड हैं। गिरफ्तार आरोपितों में बिहार के पटना के शास्त्री नगर थाना के फ्रेजर रोड निवासी सुनील कुमार और पूर्णिया जिले के मरंगा थाना के गोवासी निवासी सागर सिन्हा शामिल है। इस दौरान नगर थाना पुलिस ने दोनों के पास से स्मार्ट फोन भी जब्त किया। दोनों आरोपी फर्जी सीम कार्ड का इस्तेमाल कर बाइक चोरी की घटना को अंजाम दे रहे थे। गिरफ्तारी के बाद पूछताछ में सागर सिन्हा और सुनील कुमार ने बताया कि उन दोनों का संबंध इंटर स्टेट बाइक चोर गिरोह से है। इसमें कुछ अपराधी गिरिडीह के भी लोग हैं जो अलग अलग जिले से जुड़े हैं। पूछताछ में दोनों खुलासा किया कि दोनों शहर के अलग अलग हिस्से से बाइक चोरी कर बिहार और झारखंड के कई जिलों में बेचा करते हैं। इसके लिए सिर्फ नंबर प्लेट बदला जाता था।

रिकॉर्ड रूम के बड़ा बाबू सहकर्मी के साथ घूस लेते हुए गिरफ्तार

गिरफ्तार कर ले जाती पुलिस ● फोटोन न्यूज

AGENCY DHANBAD :
धनबाद के पुराने पुराने समाहरणालय में संचालित जिला अभिलेखागार यानि रिकॉर्ड रूम में प्रधान सहायक (बड़ा बाबू) के पद पर पदस्थापित संजय कुमार और उनके सहकर्मी सोमनाथ चटर्जी को शुक्रवार को एसीबी की टीम ने साढ़े छह हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। इस गिरफ्तारी के बाद एसीबी टीम ने भिस्तीपाड़ा स्थित देवालय अपार्टमेंट में आरोपी संजय कुमार के फ्लैट में भी दबिश दी। हालांकि टीम को उनके घर से कुछ हाथ नहीं लगा।
एसीबी डीएसपी जीतेन्द्र कुमार ने बताया कि दस्तावेज निकालने के नामपर रिश्वत मांगी जा रही थी। इस संबंध में शिकायतकर्ता धैया निवासी मनोहर महतो ने पिछले 20 तारीख को एसीबी में शिकायत की थी। उन्होंने बताया कि टुंडी क्षेत्र में उनकी एक जमीन है जिसके सिलसिले में दस्तावेज निकालने को लेकर मनोहर से रिश्वत की मांग की जा रही थी। वहीं शिकायत का सत्यापन कर टीम ने कार्यालय में दबिश देकर उन्हें रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि इसी साल धनबाद रिकॉर्ड रूम से ही एक लिपिक शुवेंन्दु को भी रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि इस साल का यह एसीबी का 11 वां ट्रेप है।

चरही के 15 माइल में हो रही थी नकली शराब की पैकिंग, छह गिरफ्तार

RAMGARH : रामगढ़ और हजारीबाग के बॉर्डर पर चरही थाना क्षेत्र अंतर्गत 15 माईल में नकली शराब की पूरी फैक्ट्री संचालित हो रही थी। यहां स्प्रिट से नकली शराब बनाया जा रहा था। इसका खुलासा तब हुआ जब चरही पुलिस ने 15 माईल के गोदाम में शुक्रवार को छापेमारी की। छापेमारी के दौरान यहां स्प्रिट का एक बड़ा खेप बरामद हुआ है। साथ ही छह शराब तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। वहां लोडर, पिकअप वैन और हाईवा जैसी गाड़ियां जब्त की गई है। इन सभी गाड़ियों में स्प्रिट भरकर गोदाम में लाया जाता था और नकली शराब की खेप उन्हीं गाड़ियों से झारखंड और बिहार राज्य के विभिन्न जिलों में खपाया जाता था। छापेमारी के दौरान गोदाम में एक हाईवा गाड़ी (बीआर 06 जीबी 9028) जब्त किया गया। पुलिस ने उसकी तलाशी ली, तो वहां 150 गैलन में भरा हुआ स्पीरिट पाया गया। इसके अलावा वहां गोदाम में 650 प्लास्टिक के जार भी स्पीरिट से भरे मिले हैं। प्रत्येक जार में 40 लीटर स्पीरिट भरा हुआ था।

गजराजों ने कर्रा क्षेत्र में बढाई मुसीबत, प्रशासन ने लागू की निषेधाज्ञा

KHUNTI : आम तौर पर प्रशासन के जरिये निषेधाज्ञा उस परिस्थिति में लागू की जाती है, जब शांति भंग होने का खतरा हो, लेकिन जंगली हाथियों ने खूंटी जिले में ऐसी स्थिति उत्पन्न कर दी है कि हाथियों के कारण धारा 163 के तहत जिले के कुछ क्षेत्रों में प्रशासन को निषेधाज्ञा लागू करनी पड़ी। जरियागढ़ थाना क्षेत्र के चांपी और गोविंदपुर इलाके में 27 गजराजों का झुंड विचरण कर रहा है। हाथियों को देखने और उन्हें खदेड़ने के लिए हजारों की भीड़ जुट रही है। इससे गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। हाथियों के आसपास भी न जुटे, इसको लेकर अनुमडल दंडाधिकारी दीपेश कुमारी ने कर्रा प्रखंड के ग्राम चांपी, गाड़ाटोली, मिटकोरा और उकड़ीमाड़ी इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। यह निषेधाज्ञा 27 दिसंबर 2024 से एक जनवरी 2025 के अपराह्न छह बजे तक प्रभावी रहेगी। इस दौरान उपरोक्त वर्णित ग्राम के समीप वैसे सभी स्थल, जहां जंगली हाथियों का झुंड उपस्थित हो, पांच या उससे अधिक व्यक्यिों का किसी प्रकार से एकत्रित होने और आम रास्ता को अवरूद्ध करने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। यह निषेधाज्ञा कर्त्तव्य पर प्रतिनियुक्त सरकारी कर्मियों, बाजार हाट या मेला में एकत्रित आम लोगों, मंदिर, मस्जिद, गिरजाघर में पूजा-अर्चना, शादी-विवाह के लिए आमंत्रित लोगों और शव यात्रा पर यह लागू नहीं होगी। अनुमंडल दंडाधिकारी ने जनता से अपील की है कि वे इस आदेश का पालन करें और जंगली हाथियों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें।

हजारीबाग का मौसम पर्यटकों के लिए बेहद अनुकूल : उपायुक्त

पर्यटन स्थलों को आकर्षक बनाने के लिए जल्द बहाल होंगी सुविधाएं

उपायुक्त नैन्सी सहाय

PHOTON NEWS HAZARIBAG :
उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के जिला मुख्यालय हजारीबाग में पर्यटन की असीम संभावनाएं हैं। बावजूद इसके पर्यटन के मानचित्र पर इसकी उपस्थिति अत्यंत कम है। वर्ष 2019 की बात की जाए तो झारखंड राज्य पर्यटक स्थल-प्रक्षेत्र के रूप में घोषित केवल सात स्थल ही थे। असमें (ए) श्रेणी के अंतरराष्ट्रीय स्तर में हजारीबाग नेशनल पार्क, सूरजकुंड बरकट्ठा था। वहीं राष्ट्रीय महत्व को दशार्ती हुई (बी) श्रेणी के मेगालिथ साइट, बड़कागांव एवं (सी) श्रेणी में राज्य स्तरीय महत्व के चार स्थल में इस्को गुफा, कनहरी हिल, पद्मा का किला एवं बुढ़वा महादेव मंदिर बड़कागांव पर्यटक स्थलों के रूप में अधिसूचित थे। उपायुक्त नैन्सी सहाय के कुशल मार्गदर्शन, प्रयासों तथा पर्यटन के क्षेत्र में जिला के महत्वपूर्ण रमणीक स्थलों को पर्यटन के लिहाज से अग्रणी सूची में शामिल करने के लिए कई उल्लेखनीय पहल की गई है। उपायुक्त के प्रयासों का ही परिणाम है कि वर्ष 2024 में 13 नए पर्यटक स्थलों के रूप अधिसूचित करने में सफलता मिली है। इस प्रकार अब कोनार डैम, नरसिंह स्थान, छडवा डैम, जगन्नाथ धाम मंदिर सिलवार, हजारीबाग झील, बुढ़वा महादेव मंदिर सदर, बरसोपानी बड़कागांव एवं माता चम्पेश्वरी मंदिर इचाक, पुनाई मंदिर इचाक, शिव मंदिर ताजपुर चौपारण, बुढ़िया माता मंदिर इचाक, जवाहर घाटी बरही को पर्यटक स्थलों के रूप अधिसूचित किया गया है। उपायुक्त ने बताया कि इन सभी पर्यटक स्थलों में विकास की संभावनाओं को देखते हुए इन जगहों को विकसित करने की योजनाओं का प्रारूप तैयार किया जा रहा है।

मुरहू के पांडू घाट से होगा बालू का उठाव डीसी ने किया उद्घाटन

KHUNTI : बालू की वैध उपलब्धता सुनिश्चित करने और अवैध खनन पर रोक लगाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन जरिये झारखंड राज्य खनिज विकास निगम अंतर्गत संचालित मुरहू प्रखंड स्थित पांडू बालू घाट का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने कहा कि बालू की वैध उपलब्धता सुनिश्चित कराने को लेकर जिला प्रशासन लगातार प्रयासशील है। इसी दिशा में मुरहू के पांडू घाट का शुभारंभ किया गया है, जिससे आमजनों को आसानी से बालू उपलब्ध हो सके और बालू की कालाबाजारी पर पूर्ण विराम लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि यह कदम जिले में निर्माण कार्यों को सुगम बनाने और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में सहायक होगा। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अधिकृत घाटों से ही बालू खरीदें।

ग्रामीणों ने चंदा करके टूटी और जाम नहर की कराई मरम्मत

नहर की मरम्मत में जुटे ग्रामीण ● फोटोन न्यूज

AGENCY PALAMU :
विभागीय पहल नहीं होने से ग्रामीणों ने शुक्रवार को चंदा से टूटे और जाम मलय नहर की मरम्मत करायी। जेसीबी लगाकर कार्य किया गया। अब ग्रामीणों को उम्मीद है कि मलय डैम से पानी छोड़े जाने पर नहर के माध्यम से पानी उनके खेतों तक पहुंच जाएगा। मलय नहर के पक्कीकरण कार्य जहां हुए भी है, वहां कूड़ा कचरा से पाइप जाम है। वही कई जगह टूट गयी है। इस कारण पानी नहर में छोड़ने पर पोलपोल तक पानी नहीं आ सकता है। बीच में ही पानी बहकर बर्बाद हो जाता है। ग्रामीणों ने नहर जाम और टूटे हुए जगह पर मिट्टी भरवाने की मांग सिंचाई विभाग के अभियंता से की थी, परन्तु विभाग के जरिये आज तक इस दिशा में कोई पहल नहीं की गयी। ग्रामीणों का कहना है कि रबी फसल की बुआई कर दिए हैं। ऐसे में गेहूं के पटवन के लिए खेत में पानी की जरूरत पड़ेगी, परन्तु कई जगह पर नहर टूटने और पाइप जाम रहने के कारण खेत तक पानी नहीं पहुंच सकता। ग्रामीण सुशील सिंह सहित अन्य लोगों ने गांव से चंदा इक्टठा कर शुक्रवार को टूटे नहर की मरम्मत जेसीबी के द्वारा करायी। वही नहर की पाइप को भी साफ सफाई करायी। सुशील सिंह ने बताया कि विभाग के जरिये इस दिशा में कोई पहल नहीं की गयी तो थक हार कर नावाडीह, पोलपोल आदि गांव के ग्रामीण चन्दा कर नहर मरम्मत कराने में मदद की, ताकि कृषक के खेतों तक नहर खुलने पर पानी पहुंच सके। मौके पर सुधीर सिंह, जवाहर चन्द्रवंशी, शिव नारायण सिंह आदि लोग मरम्मत कराते दिखे।

भ्रष्टाचार के आरोप में लंबित था पलामू की 11 सड़कों का नवनिर्माण

एसीबी ने जांच कर 10 वर्ष बाद जारी की एनओसी

वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर

इन सड़कों की हो रही थी जांच
गोदरमा से नवगढ़, ब्रहमोरिया से नवडीहा भुड़वा, पीडब्लूडी पथ से पाटन-पड़वा सड़क, कांकेकला से सूठा, बरांव से ओडनार, रामगढ से दीनाबार भाया काचन, मायापुर से नावाडीह, बिरजा से जमडीहा भाया जोगा, सरइडीह से डगरा, मुख्य पथ से गम्हरियाडीह, मुख्य पथ से कउवल शामिल है।

AGENCY PALAMU :
पलामू जिले में भ्रष्टाचार के कारण जांच से एक दशक से लंबित पड़ी 11 सड़कों के पुर्ननिर्माण का रास्ता साफ हो गया है।
भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) के पुलिस उप महानिरीक्षक ने मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग के उपसचिव शंकर एक्का को 26 दिसंबर को पत्र जारी कर सभी 11 सड़कों की जांच पूरी हो जाने के संबंध में जानकारी दी है। यह भी कहा है कि उक्त सड़क पर मरम्मत एवं नव निर्माण का कार्य किया जा सकता है। एसीबी को कोई आपति नहीं है। इस मामले में शुक्रवार को मेदिनीनगर में पत्रकारों को जानकारी देते हुए राज्य के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि छतरपुर-पाटन विधानसभा क्षेत्र की पांच समेत कुल 11 सड़कों के निर्माण पर एसीबी ने जांच करके एनओसी दे दी है। ऐसे में इन पर दोबारा निर्माण कार्य अब शुरू हो जायेगा। एसीबी से जांच पूरी कराकर एनओसी दिलाने में पलामू के सांसद वीडी राम और उनका प्रयास रहा। इन सड़कों के निर्माण शुरू होने से ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को परिवहन में काफी सहुलियत होगी। खासकर बरसात के दिनों में आवागमन बेहतर हो पायेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि सभी सड़क के निर्माण कार्य में वर्ष 2014 में लागत से अधिक भुगतान किया गया था, जिसके बाद मामले में कार्रवाई शुरू हुई थी। 10 वर्षों तक निर्माण कार्य पर रोक लगने के कारण सड़कें बिल्कुल जर्जर हो गयी थी। इस संबंध में झारखंड राज्य ग्रामीण पथ विकास प्राधिकरण के मुख्य अभियंता सिंगराय टूटी ने गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रधान सचिव को गत आठ जून को पत्र लिखकर सभी पथों के पुर्ननिर्माण के लिए एनओसी निर्गत करने का आग्रह किया था। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) से पलामू जिले की कुल 11 सड़कों के निर्माण कार्य में गड़बड़ी पाये जाने पर वर्ष 2013-14 में ग्रामीण विकास विभाग ने एफआइआर करवाई थी। इसमें हुए घोटाले की जांच एसीबी से करायी जा रही थी। एक दशक से जांच होने के कारण निर्माण कार्य नहीं हो पा रहा था।
लोकसभा चुनाव के समय पाटन प्रखंड क्षेत्र के ग्रामीणों ने सड़क निर्माण को लेकर काफी हंगामा किया था और सांसद और विधायक को रोके रखा था। मामले में पलामू के सांसद विष्णुदयाल राम के जरिये 10 दिसंबर को राज्य की मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सड़कों के निर्माण में हुई गड़बड़ी-अनियमितता के कारण निर्माण कार्य नहीं होने और वर्तमान में जर्जर स्थिति से अवगत कराया गया था। एसीबी जांच पूरी कराकर जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने का आग्रह किया था।
वित्त मंत्री ने कहा कि विभागीय कार्यपालक अभियंता रिवाइज एस्टीमेट तैयार करने का निर्देश अपने अधिनस्थ अभियंताओं को दिया है।
31 दिसंबर तक पुर्नरक्षित प्राक्कलन तैयार कर विभाग को समर्पित करने का निर्देश दिया है। सबकुछ ठीकठाक रहा तो जल्द इस पर निर्माण कार्य भी शुरू हो जायेगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपस्थित रहें चिकित्सक : डीसी

समाहरणालय सभागार में बैठक करते उपायुक्त लोकेश मिश्र ● फोटोन न्यूज

KHUNTI : जिले के उपायुक्त लोकेश मिश्र ने चिकित्सकों को सख्त निर्देश दिया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में उपस्थित रहें। उपायुक्त ने अस्पतालों में साफ-सफाई को प्राथमिकता देने का भी निर्देश अस्पताल प्रबंधन को दिया। उपायुक्त शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य रूप से अस्पतालों में साफ-सफाई, चिकित्सक और नर्सों की उपस्थिति, मरीजों की जांच, मशीनों का शत प्रतिशत इस्तेमाल, रोगी कल्याण समिति की नियमित बैठक, एमटीसी बेड की शत प्रतिशत ऑक्यूपेंसी, ओपीडी-आइपीडी का संचालन, एएनसी रजिस्ट्रेशन, सिकल सेल, लक्ष्य के अनुरूप आयुष्मान कार्ड निर्माण और मरीजों को इसका लाभ देने सहित अन्य विषयों की समीक्षा की गयी। उपायुक्त ने प्राथमिकता के आधार पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में व्यवस्थाओं को दुरुसत करने का निर्देश दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि नियमानुसार प्रतिदिन के रोस्टर का निर्धारण किया जाए। ताकि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में आनेवाले मरीजों को इलाज कराने में समस्या न हो।

BRIEF NEWS

जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार-2024 के पोस्टर का किया गया विमोचन

RANCHI : शुक्रवार को उम्मीद फाउंडेशन के तत्वावधान में राज्य के प्रतिष्ठित जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार-2024 का आयोजन पांच जनवरी को ऑड्रे हाउस किया जाएगा। इसके मद्देनजर मोरहाबादी स्थित निजी रेस्टोरेंट में पोस्टर का विमोचन किया गया। पोस्टर का विमोचन उम्मीद फाउंडेशन के संस्थापक रितेश उरांव, संस्थापक सचिव निरंजन भारती, केंद्रीय अध्यक्ष खेल प्रकोष्ठ प्रदीप मिर्धा, प्रदेश अध्यक्ष सोनू खलको, मुख्य संरक्षक शंकर दुबे, झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के शैलेंद्र दुबे और संगीता तिर्की केंद्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा के हाथों हुआ। कार्यक्रम में रितेश उरांव ने कहा कि इस वर्ष जयपाल सिंह मुंडा खेल पुरस्कार के तहत पांच कैटेगरी में पुरस्कार दिए जाएंगे। इनमें जयपाल सिंह मुंडा खेल रत्न पुरस्कार, जयपाल सिंह मुंडा पुरस्कार, गुरु सिलवानुस डुंगडुंग पुरस्कार, गुरु द्रोणाचार्य पुरस्कार (जीवंत पर्यंत) और झारखंड खेल प्रोत्साहन पुरस्कार शामिल हैं।

अवकाश तालिका में जल्द करें सुधार, नहीं तो होगा राज्यव्यापी आंदोलन

RANCHI : झारखंड राज्य उर्दू शिक्षक संघ केंद्रीय कमेटी की बैठक केंद्रीय महासचिव अमीन अहमद की अध्यक्षता में हुई। बैठक में संघ के सभी राज्य प्रतिनिधियों द्वारा एकीकृत वार्षिक अवकाश तालिका का जोरदार विरोध किया गया। उन्होंने कहा कि यदि इसमें जल्द विभाग द्वारा सुधार नहीं किया गया, तो राज्यव्यापी आंदोलन की योजना बनाई जाएगी। बैठक के बाद एक मेमोरंडम राज्य परियोजना निदेशक सह निदेशक जेसीईआरटी रांची को सौंपा गया, जिसमें कहा गया कि एकीकृत वार्षिक अवकाश तालिका 2025 में व्याप्त त्रुटियों में सुधार किया जाए और उर्दू तथा सामान्य विद्यालयों के लिए पृथक अवकाश तालिका जारी की जाए। यदि ऐसा नहीं होता है, तो वर्तमान अवकाश तालिका को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

मोरहाबादी का निगम पार्क है सबसे सस्ता, बच्चों के लिए है झूलों की भरमार

RANCHI : मोरहाबादी स्थित निगम पार्क का उद्घाटन 20 जून 2013 में पूर्व राज्यपाल डॉ सैयद अहमद ने किया था। इस पार्क को विकसित करने की दिशा में एक बार फिर से 3 मार्च 2021 में पूर्व महापौर आशा लकड़ा एवं पूर्व डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय ने उद्घाटन किया। इस निगम पार्क में प्रवेश शुल्क 10 रुपये है। साथ ही इसके अंदर लगे बच्चों के मनोरंजन के लिये कई प्रकार के लगे झूले भी केवल 10 रुपये टिकट की दर से लिये जाते हैं। शहर के मुख्य हिस्सा राजभवन से कुछ ही दूर पर होने की वजह से इस पार्क बड़ी संख्या में परिवार के लोग अपने बच्चों संग यहां घूमने आते हैं। पार्क में घूम रहे लोगों ने कहा कि राजधानी का यह पार्क बहुत अच्छा है।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने पहली बार किया अस्पताल का निरीक्षण

रिम्स में मरीजों को हर स्तर पर उपलब्ध कराएं बेहतर सुविधाएं

रोगियों की संख्या के आधार पर बेड बढ़ाने व समुचित इलाज का दिया निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने राज्य के सबसे बड़े अस्पताल रिम्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्था की समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों को मरीजों को किसी प्रकार की परेशानी से बचाने के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया। उन्होंने अस्पताल की मूलभूत सुविधाओं को व्यवस्थित करने पर जोर दिया। यह सुनिश्चित करने की बात कही कि अस्पताल में आने वाले मरीजों को बेहतर उपचार मिले। साथ ही उन्होंने बेड की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया। बता दें कि सीएम हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद रिम्स और अन्य सरकारी अस्पतालों में सुधार की दिशा में काम शुरू कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को ही स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर अस्पतालों को बेहतर बनाने की योजना बनाई है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे रिम्स और राज्य के अन्य स्वास्थ्य संस्थानों की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए तुरंत कदम उठाएं, ताकि आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकें।

रिम्स में अधिकारियों को निर्देश देते स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी। ● फोटोन न्यूज

रांची में जल्द बनाया जाएगा एक और मेडिकल कॉलेज

स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार ने भी इस मामले पर कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद राज्य सरकार राज्य के सभी सरकारी अस्पतालों को सुधारने में जुट गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि रिम्स आने वाले समय में बेहतर सुविधाओं से लैस होगा। इसके अलावा स्वास्थ्य सचिव ने यह भी बताया कि जल्द ही रांची में एक और मेडिकल कॉलेज अस्पताल स्थापित किया जाएगा। इस अस्पताल के लिए जगह चिह्नित कर ली गई है और इस दिशा में जल्द ही काम शुरू हो जाएगा। ऐसा माना जा रहा है कि राज्य सरकार की यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और लोगों को उच्च गुणवत्ता की चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

15 तक करें आवेदन, सफल विद्यालयों को मिलेगी मान्यता

बैठक करते जिला शिक्षा अधीक्षक बादल राज। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री के निदेर्शानुसार झारखंड शिक्षा परियोजना रांची के कार्यालय में जिला शिक्षा अधीक्षक रांची सह नोडल पदाधिकारी बादल राज के द्वारा जिले में संचालित गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संबंध में बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में अतिरिक्त जिला कार्यक्रम पदाधिकारी एवं प्रभाग प्रभारी उपस्थित थे। बैठक के दौरान जिला शिक्षा अधीक्षक के द्वारा रांची जिला में कुल 766 गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित हैं। उसपर विचार किया गया और प्रभाग प्रभारी को निर्देश दिया गया कि अगले दो दिनों के अंदर गैर मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों को मान्यता से संबंधित ऑनलाइन आवेदन सरकार के वेबसाइट पर, वैसे सभी गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय, जहां किसी भी स्तर पर वर्ग 1 से 8 की पढ़ाई होती है, को शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधान के अनुरूप अनिवार्य रूप से मान्यता प्राप्त किया जाना है। बता दें कि 15 जनवरी 2025 तक ऑनलाइन आवेदन प्राप्त करना है। प्राप्त आवेदन को ऑनलाइन स्क्रूटनी जिला स्तर पर 20 जनवरी तक किया जाएगा।

झारखंड में आज से छाएंगे बादल, फिर गिरेगा तापमान

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में एक बार फिर मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। 28 और 29 दिसंबर को बादल छाने से न्यूनतम तापमान एक से दो डिग्री बढ़ेगा। वहीं, बादल छटने के बाद न्यूनतम तापमान में गिरवाट दर्ज की जाएगी, जिससे ठंड में वृद्धि होगी। मौसम विभाग के अनुसार, पाकिस्तान के रास्ते एक पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है। इसका असर झारखंड के कुछ हिस्सों में हो सकता है। राज्य के पश्चिमी व निकटवर्ती उत्तरी भाग पलामू, गढ़वा, चतरा, कोडरमा, लातेहार व लोहरदगा जिले में कहीं-कहीं पर हल्की बारिश हो सकती है। वहीं, 29 दिसंबर को भी राज्य में आंशिक बादल छाए रहेंगे और हल्की बारिश होने की संभावना है। राज्य भर में 26, 27, 30 व 31 दिसंबर को सुबह में कोहरा व धुंध छाया रहेगा, हालांकि आसमान पूरी तरह से साफ रहेगा। पिछले 24 घंटे में राज्य में कहीं-कहीं पर बहुत हल्के दर्जे की बारिश हुई। जबकि कहीं-कहीं पर हल्के दर्जे का कोहरा भी छाया। सबसे अधिक बारिश 0.2 एमएम पूर्वी सिंहभूम में दर्ज किया गया। वहीं, सबसे अधिक अधिकतम तापमान 28.4 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में जबकि सबसे कम न्यूनतम तापमान 11.2 डिग्री सेल्सियस गुमला में दर्ज किया गया।

विधिक जागरूकता शिविर में समाज की कुप्रथाओं की दी गई जानकारी

RANCHI : शुक्रवार को झालसा के निर्देश पर रांची जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के मार्गदर्शन में डालसा रांची के तत्वावधान में रातु प्रखंड के तिगड़ा पंचायत में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में मौजूद महिला, पुरुष और बच्चों के बीच डालसा की दस योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, डीएलएसए रांची द्वारा गरीबों, महिलाओं और पात्र व्यक्तियों को निःशुल्क कानूनी सहायता प्रदान करने के बारे में बताया गया। शिविर में बाल विवाह, बाल श्रम और अन्य कुप्रथाओं की रोकथाम एवं उन्मूलन के बारे में जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त, श्रम कार्ड बनवाने, विकलांग पेंशन, विधवा पेंशन, आयुष्मान कार्ड, बालिकाओं को शिक्षित करने, बच्चों के टीकाकरण जैसे विषयों पर भी जानकारी दी गई।

झारखंड में शिक्षकों को एमएसीपी का लाभ मिलेगा या नहीं, इस पर 9 जनवरी को होगी अंतिम सुनवाई

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड में भी शिक्षकों के एमएसीपी का लाभ मिलना चाहिए इस पर झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई जारी है। सहायक शिक्षकों को संशोधित सुनिश्चित वृत्ति उन्नयन योजना (एमएसीपी) के लाभ को लेकर दायर याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट में 9 जनवरी 2025 को फाइनल सुनवाई होगी। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता अमृतांश वत्स ने वेतन के लिए समान अधिकारों से संबंधित संविधान की आर्टिकल 14,16 का हवाला देते हुए कहा कि जब झारखंड सरकार के तृतीय वर्ग के कर्मियों को एमएसीपी का लाभ मिल रहा है, तो स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड के शिक्षकों को एमएसीपी का लाभ क्यों नहीं मिल रहा है? जबकि झारखंड के कल्याण व आदिवासी विभाग के अधीन संचालित आवासीय एवं अल्पसंख्यक विद्यालयों में भी शिक्षकों को इसका लाभ दिया रहा है। उनकी ओर से यह भी कहा गया कि बिहार सरकार के वर्ष 1993 की नियमावली से तृतीय वर्ग के कर्मियों का वेतन निर्धारित होता है, नियुक्ति-प्रोन्नति होती है, उसे बिहार सरकार संशोधित करते हुए अपने राज्य के शिक्षकों को भी अन्य राज्यकर्मियों तरह एमएसीपी का लाभ दे रही है। लेकिन झारखंड में स्कूली साक्षरता विभाग के शिक्षकों के लिए एमएसीपी लाभ देने की पॉलिसी निर्धारित नहीं की गई है। वहीं झारखंड सरकार की शपथ पत्र दाखिल कर कोर्ट को बताया गया कि नियमावली 1993 के तहत एमएसीपी का लाभ इन शिक्षकों को नहीं दिया जा सकता है।

रेप और मर्डर केस में हाईकोर्ट ने रद्द की सजा

झारखंड हाईकोर्ट ने रेप और हत्या मामले में एकमात्र गवाह के बयानों में विरोधाभास को देखते हुए निचली अदालत द्वारा दी गई सजा को रद्द करते हुए मिथिलेश कुमार सिंह और सुनील चौबे को बरी कर दिया। हाईकोर्ट रेप और हत्या के एक कथित मामले में दोषसिद्धि के एक ही निर्णय से उत्पन्न दो आपराधिक अपीलों पर सुनवाई कर रहा था, जहां सूचक पीड़ित महिला की पुत्री थी। उसने अपने प्रारंभिक बयान और विरोध याचिका में जिन व्यक्तियों का नाम लिया था, उनके बीच विसंगति थी। अपने फैसले में हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की बेंच ने कहा कि ऐसे मामले में जहां अकेले गवाह की गवाही विश्वास पैदा करती है और यह पूरी तरह से विश्वसनीय है, यह दोषसिद्धि और सजा का फैसला सुनाने का आधार हो सकता है।

पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का निधन देश के लिए अपूरणीय क्षति : केशव महतो

PHOTON NEWS RANCHI : पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है।उन्होंने कहा कि मनमोहन सिंह के निधन से देश को अपूरणीय क्षति हुई है और इसकी भरपाई नहीं हो सकती। कमलेश ने कहा कि मनमोहन ने वित्त मंत्री पद पर रहते हुए आर्थिक सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने भारत को विश्व के विकसित देशों की श्रेणी में खड़ा करने का प्रयास किया, जिसमें काफी हद तक सफल रहे। आर्थिक सुधारों की दिशा में उनके कार्यों को जनमानस हमेशा याद रखेगा। कमलेश ने कहा कि जब देश आर्थिक पतन के कगार पर था तब विदेशी निवेश को प्रोत्साहित कर देश की अर्थव्यवस्था को बदलने और आर्थिक मजबूती प्रदान करने के लिए उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। मनमोहन सिंह के निधन पर रविंद्र सिंह, जयशंकर पाठक, राजीव रंजन प्रसाद, राकेश सिन्हा सतीश पॉल मुजनी, संजय पांडे सोनाल शांति, अमूल्य नीरज खलको, कमल ठाकुर और ऋषिकेश सिंह सहित अन्य नेताओं ने भी शोक व्यक्त किया है।

केशव महतो। ● फोटोन न्यूज

पूर्व पीएम के निधन पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल ने जताया शोक

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर शोक जताया है। मरांडी ने सोशल मीडिया एक्स पर गुरुवार देर रात ट्वीट कर कहा है कि महान अर्थशास्त्री, सहज, सरल एवं सौम्य व्यक्तित्व के धनी पूर्व प्रधानमंत्री डॉ। मनमोहन सिंह के निधन की दुखद सूचना से मन व्यथित है। देश के आर्थिक सुधारों में उनका योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने कहा कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोक संतप्त परिजनों को यह अपार दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

रोटरी क्लब ने एयरपोर्ट पर लगाई ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर मशीन

RANCHI : शुक्रवार को रोटरी क्लब ने बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर एक अत्याधुनिक ऑटोमेटेड एक्सटर्नल डिफिब्रिलेटर मशीन लगाई है जो सामुदायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पहल आपातकालीन चिकित्सा सहायता प्रदान करने और जीवन रक्षा में मदद करेगी। एईडी मशीन कार्डियक अरेस्ट जैसी स्थितियों में तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए डिजाइन की गई है। यह उपकरण बिना मेडिकल बैकग्राउंड वाले व्यक्ति द्वारा भी आसानी से उपयोग किया जा सकता है। वहीं हार्ट अटैक की स्थिति में इलेक्ट्रिक झटके के माध्यम से हार्ट को पुनः सक्रिय करता है। जिससे आपातकालीन स्थिति में मरीज को इलाज के लिए समय मिल सके। एयरपोर्ट जैसे सार्वजनिक स्थलों पर ऐसी मशीन का होना बेहद महत्वपूर्ण है।

31 दिसंबर तक जवाब देने का समय, नहीं तो रद्द होगा रजिस्ट्रेशन

1109 लापरवाह संस्थाओं का निबंधन स्थगित चल-अचल संपत्ति के ट्रांसफर पर भी लगी रोक

PHOTON NEWS RANCHI : सरकार ने नियमों का अनुपालन नहीं करनेवाले संस्थानों पर कार्रवाई की है। राजस्व, निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग झारखंड ने दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल, रांची अंतर्गत 1109 संस्थाओं के निबंधन को निबंधन नियमावली के तहत स्थगित करने का आदेश दिया है और इन संस्थाओं के सारे गतिविधियों पर रोक लगा दिया है। इस संबंध में उप निबंधन महानिरीक्षक के हस्ताक्षर से आदेश जारी किया गया है। सभी संस्थाओं को अंतिम मौका देते हुए 31 दिसंबर 2024 तक हर हाल में अपना जवाब समर्पित करने का समय दिया है, उक्त तिथि तक जवाब नहीं देने पर एकतरफा कार्रवाई करते हुए उनका निबंधन रद्द करने की चेतावनी भी दी गयी है। दरअसल, सरकार ने विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त शिकायतों, दस्तावेज की जांच और विभाग में समर्पित दस्तावेज की समीक्षा करायी थी, जिसमें बड़ी संख्या में यह बात सामने आयी कि झारखंड राज्य में निबंधित अधिकांश संस्थाएं संस्था निबंधन अधिनियम 1860 के तहत निबंधित के द्वारा अधिनियम के प्रावधानों का पालन नहीं किया गया है। पूरे मामले में हजारों संस्थाओं को चिंहित किया गया था और उन्हें नोटिस भी भेज कर अधिनियम का अनुपालन करने को कहा। लेकिन इसके बावजूद इन संस्थाओं ने ध्यान नहीं दिया जिसके बाद उनका निबंधन फिलहाल स्थगित कर दिया गया है, और न ही कोई गतिविधी की जायेगी। निबंधन विभाग ने यह स्पष्ट किया है की ये संस्थाएं किसी प्रकार का चल-अचल संपत्ति का हस्तांतरण नहीं करेंगे।

एक्शन की तैयारी : पुलिस मुख्यालय की ओर से जारी किया गया है सख्त निर्देश

झारखंड में स्प्लिंटर्स ग्रुप के सदस्यों पर कसी जाएगी नकेल

कुर्की व संपत्ति जब्ती में शिथिलता बरतने वाले पुलिस अधिकारियों पर होगी कार्रवाई

आगजनी और फायरिंग कर जगह-जगह दहशत फैलाते हैं इस ग्रुप के अपराधी

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड के विभिन्न जिलों में आगजनी और फायरिंग कर दहशत फैलाने वाले स्प्रिंटर्स ग्रुप के सदस्यों के खिलाफ अब कड़ी कार्रवाई की पुलिस ने तैयारी कर ली है। इनकी संपत्ति जब्त कर और कुर्की कर उन पर कड़ी नकेल कसी जाएगी। इस संबंध में पुलिस मुख्यालय की तरफ से बेहद कड़े निर्देश जारी किए गए हैं। वैसे पुलिस अफसरों को भी चेतावनी भी दी गई है, जो कुर्की जब्ती की कार्रवाई में शिथिलता बरत रहे हैं। जानकारी के अनुसार, नक्सलियों के खिलाफ जोरदार अभियान चलाकर उन पर एक हद तक लगाम लगाने वाली झारखंड पुलिस के निशाने पर अब स्प्लिंटर्स ग्रुप है। इस ग्रुप के अपराधियों पर आर्थिक चोट देकर उन पर नकल कसने की है। पुलिस स्प्लिंटर्स ग्रुप को उन्हीं के अंदाज में जवाब देगी। पुलिस अब आगजनी कर पब्लिक की संपत्ति को नष्ट करने वाले स्प्लिंटर्स ग्रुप और अपराधियों की संपत्ति जब्त करेगी।

डीजीपी अनुराग गुप्ता का रुख कड़ा

रंगदारी की वसूली नहीं होने पर आगजनी की घटना को अंजाम देने वाले स्प्लिंटर्स ग्रुप के सदस्यों को अब पुलिस न सिर्फ गिरफ्तार करेगी, बल्कि उनके द्वारा अर्जित की गई संपत्ति को भी जब्त करेगी। डीजीपी अनुराग गुप्ता ने रांची समेत उग्रवाद प्रभावित जिलों के एसएसपी को इससे संबंधित आदेश दिया है। सभी पुलिस अफसरों से कहा गया है कि राजधानी के आसपास के ग्रामीण इलाके समेत अन्य उग्रवाद प्रभावित जिलों में ट्रैक्टर, हाइवा समेत अन्य चीजों को स्प्लिंटर्स ग्रुप हमला कर आग लगा देते हैं। ऐसे में संपत्ति नष्ट होती है। उन घटनाओं को रोकने के लिए उनकी संपत्ति को जब्त करें, ताकि न सिर्फ ऐसी वारदात पर अंकुश लगे, बल्कि नुकसान की भरपाई भी हो सके।

निशाने पर सभी प्रकार के आपराधिक गिरोह

गौरतलब है कि राजधानी रांची के ग्रामीण इलाकों- खूंटी, चतरा, लातेहार और हजारीबाग जैसे जिलों में उग्रवादी संगठन टीपीसी, पीएलएफआई, जेजेएमपी के साथ साथ कुछ आपराधिक गुट दहशत फैलाने में लगे हुए हैं। नक्सलियों के खात्मे में लगी झारखंड पुलिस के लिए स्प्लिंटर ग्रुप परेशानी का सबक बने हुए हैं। न सिर्फ स्प्लिंटर ग्रुप, बल्कि अमन साव, अमन श्रीवास्तव और सुजीत श्रीवास्तव गिरोह भी उग्रवादियों की तर्ज पर फायरिंग और आगजनी कर रहे हैं।

संपत्ति का पता लगाने में जुटी पुलिस

रांची समेत उग्रवाद प्रभावित जिलों की ओर से आगजनी करने वाले स्प्लिंटर्स ग्रुप के मुखिया सहित उनके सहयोगी और मददगार के नामों का पता लगाया जा रहा है। इसके बाद सभी स्प्लिंटर्स ग्रुप द्वारा अर्जित मकान, दुकान समेत अन्य चीजों का भी पता पुलिस लगाएगी। इसके बाद यूटीए कानून के तहत कार्रवाई करेगी। डीजीपी के आदेश के बाद सभी प्रभावित जिलों के एसपी ने सभी थानेदारों से उनके क्षेत्र में हुई आगजनी की घटना में शामिल जेल में बंद और फरार उग्रवादियों की सूची मांगी है। सभी थानेदारों को निर्देश दिया गया है कि सूची में फरार उग्रवादियों और अपराधियोंके घर का पता लगाकर उनके खिलाफ कुर्की की कार्रवाई करें, ताकि उनके खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा सके। झारखंड पुलिस के आईजी अभियान अमोल वी होमकर ने बताया कि जो ऐसे गिरोह हैं, उनकी चल-अचल संपति का पता लगा कर उसे जब्त करने की कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश सभी जिलों को दिया गया है। जितने भी स्प्लिंटर्स ग्रुप हैं, उनको चिह्नित कर उनकी सभी चल-अचल संपति की जानकारी जुटा कर संपति जब्त करना है। मामले में कार्रवाई का पूरा ब्योरा यानी एक एक्शन टेकन रिपोर्ट भी डीजीपी को देनी है।

एबीवीपी की झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बनीं मौसमी पॉल

PHOTON NEWS RANCHI : अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश मंत्री के पदों की निर्वाचन प्रक्रिया शुक्रवार को रांची स्थित प्रदेश कार्यालय में सम्पन्न हुई। परिषद के प्रदेश अध्यक्ष के पद पर प्रो. (डॉ.) मौसमी पॉल और प्रदेश मंत्री के पद पर मनोज सोरेन निर्वाचित हुए। एबीवीपी के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश मंत्री के निर्वाचन प्रक्रिया के चुनाव अधिकारी प्रो. पुष्कर बाला ने निर्वाचन परिणामों की घोषणा करते हुए कहा कि दोनों नवनिर्वाचित पदाधिकारी धनबाद में 03, 04 और 05 जनवरी को आयोजित होने वाले 25वें प्रदेश अधिवेशन में कार्यभार संभालेंगे। प्रदेश मंत्री सुभम पुरोहित ने कहा कि जमशेदपुर महानगर की निवासी डॉ. मौसमी पॉल वर्तमान में लालबहादुर शास्त्री मेमोरियल महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग की विभागाध्यक्ष के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि अब तक तक इनके 20 से अधिक शोध पत्र विभिन्न पत्रिकाओं एवं सेमिनारों में प्रस्तुत किए जा चुके हैं। महिला सशक्तिकरण के विभिन्न कार्यक्रमों में उन्होंने सफलतापूर्वक संचालन करने के साथ कोल्हान विभाग में संगठन कार्य को सुदृढ़ करने में उनकी महती भूमिका रही है।

समाचार सार

जयंती पर याद किए गए सीताराम रुंगटा

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के प्रसिद्ध उद्योगपति सह समाजसेवी सीताराम रूंगटा की 105वीं जयंती शुक्रवार को रूंगटा हाउस में मनाई गई। सबसे पहले उद्योगपति सह समाजसेवी मुकुंद रूंगटा ने सीताराम रूंगटा की तस्वीर पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसी क्रम में चाईबासा बार एसोसिएशन, मारवाड़ी हिंदी मध्य विद्यालय चाईबासा, मांगीलाल रूंगटा प्लस टू उच्च विद्यालय आदि जगहों पर सीताराम रुंगटा की जयंती मनाई गई। उनके बताए हुए मार्ग पर दोनों पुत्र नंदलाल रूंगटा व मुकुंद रूंगटा और पोते सिद्धार्थ रूंगटा भी समाजसेवा कर रहे हैं।

महुलिया का गोदाम धान से भरा, खरीदारी बंद

GHATSILA : गालूडीह महुलिया लैंपस का गोदाम धान की खरीदारी से भर गया है। इससे लैंपस के अधिकारी ने अब धान की खरीदारी बंद कर दी है। खरीदारी बंद होने के बाद किसान धान लेकर लैंपस से लौट रहे हैं। बता दें कि 15 दिसंबर से धान की खरीद शुरू हुई थी। इस 12 दिनों में लगभग 25 रजिस्टर्ड किसानों ने लगभग 1520 क्विंटल धान लैंपस में बेचा था। लैंपस के सचिव शिवशंकर साह ने बताया कि जब तक गणेश राइस मिल, धालभूमगढ़ द्वारा धान का उठाव नहीं करता, तब तक धान लेना मुश्किल है। इस बार सरकार 2400 रुपये प्रति क्विंटल दे रही है।

टाटा स्टील में कर्मचारी पुत्रों की सीधी बहाली हो : संघ

JAMSHEDPUR : टाटा स्टील निबंधित कर्मचारी पुत्र संघ ने शुक्रवार को उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें निबंधित कर्मचारी पुत्रों की सीधी बहाली की मांग की गई। संघ ने कहा है कि वर्षों पुरानी यह मांग अब तक पूरी नहीं की गई है। यदि हमारी मांग पूरी नहीं की जाती है तो जिला प्रशासन टाटा स्टील का लीज नवीनीकरण रोक दे। इस मुद्दे पर संघ ने 30 दिसंबर को आमरण अनशन शुरू करने की बात कही है। ज्ञापन देने वालों में अध्यक्ष चेतन चौसा मुखी, उपाध्यक्ष सत्यवान मुखी, महासचिव उमेश मुखी, सचिव सोना मुखी, कुंदन मुखी, शेखर मुखी आदि शामिल थे।

चाईबासा में हुआ सीताराम रुंगटा चेस लीग

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिला शतरंज संघ एवं रुंगटा माइंस लिमिटेड द्वारा आयोजित द्वितीय स्व. सीताराम रुंगटा चेस लीग शुक्रवार को हुआ। रूंगटा गार्डेन, चाईबासा में प्रतियोगिता का उद्घाटन उपायुक्त कुलदीप चौधरी व उपविकास आयुक्त संदीप कुमार मीणा ने किया। पहले दिन प्रतियोगिता 6 टीमों के बीच खेली गई, जिसमें रुंगटा स्टील, पश्चिमी सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स, बियोंड टेंपटेशन, गृहलक्ष्मी सेल्स एंड मार्केटिंग, मूंदड़ा हॉस्पिटल व डीपीएस ग्रुप ऑफ एजुकेशन शामिल थे।

एमसीसी को पराजित कर लारसन क्लब बना चैंपियन

CHAIBASA : जन्मजय सिंह यादव (76 रन) की शानदार बल्लेबाजी एवं फैजानुल रहमान (26/3) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत लारसन क्लब चाईबासा ने मिडिलसेक्स क्रिकेट क्लब चाईबासा को 55 रनों से पराजित कर 32वीं एसआर रुंगटा ए-डिवीजन लीग का विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम मैदान पर खेले गए फाइनल मैच में टॉस एमसीसी के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया।

मद्रासी सम्मेलनी में 31 को होगा लय-विन्यास

JAMSHEDPUR : वर्षांत पर 31 दिसंबर को बिष्टुपुर स्थित मद्रासी सम्मेलनी में संध्या 6. 30 बजे से सामूहिक वाद्ययंत्र कार्यक्रम लय-विन्यास कार्यक्रम होगा। इसमें कोलकाता के प्रसिद्ध मृदंगम विद्वान शंकर नारायणस्वामी व उनके सदस्य कलाकारों की प्रस्तुति होगी। कार्यक्रम में शंकर नारायणस्वामी (मृदंगम), सोमनाथ रॉय (घटम व मोर्सिंग), सोहन घोष (तबला), मंडोला जॉय (श्री -तार), जयदीप सिन्हा (गायन) व रिक मुखर्जी (बांसुरी) की प्रस्तुति देंगे।

50 हजार के लोभ में गंवा दिए नौ हजार रुपये

JAMSHEDPUR : मजदूरी करने वाले सुरेश सोनी ने 50 हजार रुपये लोन के लोभ में नौ हजार रुपये गंवा दिया। सुरेश मूल रूप से मध्य प्रदेश के ग्वालियर का रहने वाला है। शुक्रवार को उसके मोबाइल पर मैसेज आया, जिसमे 50 हजार रुपये लोन अप्रूवल की बात कही गई थी। उसे पैसों की जरुरत थी, इसलिए दिए गए लिंक पर क्लिक कर दिया। लिंक पर क्लिक करते ही एक नंबर से फोन आया। सामने से एक लड़की ने खाते में रुपये भेजने की बात कही और एक हजार रुपये रजिस्ट्रेशन के रुप में डालने के लिए कहा। इसके लिए एक क्यूआर कोड दिया गया, जिस पर सुरेश ने एक हजार रुपये भेज दिए। इसके बाद प्रोसेसिंग फीस के रूप में 4200 और मांगे गए। थोड़ी देर बाद कहा गया कि 4250 रुपये डालने थे। इसके बाद 4250 रुपये और ट्रांस्फर कराए गए।

टाटा स्टील आयरन ओर माइंस के कर्मचारियों की हड़ताल हुई समाप्त

सहायक श्रमायुक्त की अध्यक्षता में 10 घंटे तक चली कंपनी प्रबंधन व झामयू के बीच वार्ता

PHOTON NEWS CHAIBASA: टाटा स्टील की विजय-टू नामक आयरन ओर माइंस में चल रही हड़ताल पांचवें दिन समाप्त हो गई। खदान प्रबंधन व झारखंड मजदूर यूनियन के बीच बीते 23 दिसंबर से जारी 14 सूत्री मांगों को लेकर विवाद और आर्थिक नाकेबंदी सर्वेश कुमार, सहायक श्रमायुक्त (केंद्रीय), चाईबासा के कार्यालय में 26 दिसंबर की सुबह लगभग 10 बजे से रात्रि लगभग 9 बजे तक चली। लगभग 10 घंटों तक वार्ता के बाद आंदोलन समाप्त हो गया। झारखंड मजदूर यूनियन के कोल्हान प्रमंडल उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद मोहंती, जिलाध्यक्ष आशीष कुमार कुदादा, महासचिव राजेंद्र चाम्पिया, बराईबुरु इकाई के अध्यक्ष दीनबंधु पात्रो, उपाध्यक्ष परमेश्वर

वार्ता कर निकले मजदूर यूनियन के नेता ● फोटोन न्यूज

बुरुमा, महासचिव दुलाल चाम्पिया, सचिव कामेश्वर माझी, बहदा मुंडा रोया सिधु, साधो देवगम, लखन चाम्पिया, मधु सिधु आदि ने संयुक्त रूप से बताया कि वार्ता के बाद हम सभी अपना आंदोलन वापस लेते हैं। 27 दिसंबर से खदान में आम दिनों की तरह उत्पादन व माल ढुलाई का कार्य प्रारंभ होगा। आंदोलन में शामिल सभी मजदूर अपने-अपने काम पर लौट जाएंगे।

दीनबंधु पात्रो ने कहा कि बैठक में जिस बात पर कंपनी प्रबंधन के साथ जो सहमति बनी है, उसमें मजदूरों का बकाया ग्रेच्युटी का पैसा, 20 फीसदी बोनस में से 8.33 फीसदी बोनस मिलने के बाद बकाया बाकी बोनस का पैसा, धूल-कण भत्ता का पैसा, 50 रुपये कैंटीन भत्ता का पैसा, समान्य रुप से अनफिट मजदूरों को मेडिकल फिट करने आदि मांगों को 14 जनवरी से पहले कंपनी प्रबंधन को पूरा करने का निर्देश एएलसी ने दिया है। कंपनी प्रबंधन ने भी अपने अधीन कार्यरत तमाम वेंडरों को इससे संबंधित निर्देश देने का भरोसा दिया है। मजदूरों के स्थायीकरण मामले पर अभी कोई नतीजा नहीं निकल पाया है। सहायक श्रमायुक्त ने 13 जनवरी को पुनः इन मांगों को लेकर रिव्यू मीटिंग रखा है। अगर हमारी मांगों को उस तिथि तक पूरा नहीं किया गया तो हम पुनः 23 जनवरी से आर्थिक नाकेबंदी को बाध्य होंगे। सहायक श्रमायुक्त सर्वेश कुमार ने बताया कि आज की बैठक काफी सकारात्मक रही। उन्होंने कहा कि बातचीत का सिलसिला अभी खत्म नहीं हुआ है, बल्कि आगे और भी चलेगी। जहां तक 20 फीसद बोनस की बात है तो कंपनी का रिकार्ड रजिस्टर लाभ से संबंधित जांच किया जाएगा, क्योंकि अधिकतम बोनस उनके लाभ के आधार पर दिया जाता है।

हमने प्रबंधन को कहा है कि जो मेडिकली अनफिट हैं, उन्हें फिट कर काम पर लगाएं। यह वार्ता आगे भी जारी रहेगी। इस वार्ता में टाटा स्टील प्रबंधन से हिमांशु बेहरा (एचआर, नोवामुंडी), अमूल्य रतन (एचआर, विजय-टू) व विवेक अग्रवाल (खान प्रबंधक) शामिल थे।

लग्जरी कार से बकरी चोरी करते हुए सीसीटीवी में कैद

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी सिंहभूम जिला के चक्रधरपुर में पशु चोर गिरोह सक्रिय है। दिनदहाड़े चोर वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। इनका चोरी का तरीका भी गजब का है। ये लग्जरी गाड़ी से चोरी करते सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए हैं। जानकारी के अनुसार, पशु चोर दोपहर में ओडिशा नंबर वाली कार से रेलवे के आरई कॉलोनी क्षेत्र में आए थे। गाड़ी को पशु के सामने रोक कर चारा फेंक कर पास बुलाते हैं। जैसे ही गाड़ी की ड्राइविंग सीट के पास बकरी पहुंचती है, वैसे ही तुरंत उसे पड़कर अंदर घुसा लेते हैं। इसी तरह एक और बकरी को चोरी की गई। बता दें कि इससे पहले भी चोरों ने चक्रधरपुर में लग्जरी गाड़ी से गाय चोरी की थी। उस समय भी चोर सीसीटीवी में कैद हो गए थे। लेकिन इस बार गाड़ी का नंबर भी सीसीटीवी में कैद हुआ है। चोर का चेहरा भी साफ नजर आ रहा है।

बुरुडीह डैम में लकड़ी की नौका से ग्रामसभा करा रही है बोटिंग

बोट खराब करने वाले पर प्रशासन करेगा कार्रवाई : एसडीओ

GHATSILA : बुरुडीह डैम में ग्रामसभा के माध्यम से नौका परिचालन शुरू कर दिया गया है। शुक्रवार को एक लकड़ी की नाव से ही सही, दर्जनों पर्यटकों ने नौका विहार का आनंद लिया। ग्राम सभा की मानें तो एक दो दिनों के अंदर एक दो और नाव लाकर यहां पर संचालित किया जाएगा। वहीं, दूसरी ओर जब अनुमंडलाधिकारी सुनील चंद से इस संबंध में जानकारी ली गई तो उन्होंने कहा कि बुरुडीह डैम में कोई भी बोट नही चला रहा है। वैकल्पिक व्यवस्था के तहत एक लकड़ी की नाव वे लोग कहीं से लाकर सुरक्षा मानक को ध्यान में रखकर चला रहे हैं। उसे बोट का दर्जा नहीं दिया जा सकता है।

नौका विहार करते सैलानी

जहां तक प्रशासन की ओर से नौका परिचालन का सवाल है तो जो बुरुडीह डैम से खराब नौका उठाकर लाया गया था, उसे नीलामी लेने वाले ने खराब कर दिया है। प्रशासन नौका खराब करने वालों पर विधि सम्मत कार्रवाई करेगा। जब तक प्रशासन द्वारा बुरुडीह को नया बोट नहीं दिया जाता है, तब तक लकड़ी की नाव चलाने में कोई हर्ज नहीं है। बशर्ते सुरक्षा मानक का ध्यान रखा जाए। अब सवाल यह उठता है कि बुरुडीह में नौका परिचालन को लेकर जो नीलामी 8 लाख 27 हजार रुपये में हुई थी और नीलामी कर्ता को अक्टूबर से मार्च तक नौका परिचालन का जिम्मा दिया गया था। इसके एवज में नीलामी लेने वाले रामबिलास सिंह के अनुसार 75 फीसद राशि भी प्रशासन को जमा कर दिया था। उसे प्रशासन रिटर्न करेगा या फिर नए बोट आने पर उसे जिम्मा दिया जाएगा या फिर उस बोट का संचालन भी ग्रामसभा करेगी।

टांगी से महिला की हत्या पुलिस जांच में जुटी

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव थाना क्षेत्र में जमीन विवाद में मालीपोखर निवासी रायमुनी बुडीउली की टांगी से हत्या कर दी गई। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए चाईबासा सदर अस्पताल भेज दिया है। जानकारी के अनुसार, महिला गुरुवार को अपने घर में थी। उसी समय दो लोग उसके घर में घुस गए और टांगी से लगातार हमला कर हत्या कर दी। देर रात में परिजनों द्वारा पुलिस को घटना की सूचना दी गई। हत्या के संबंध में महिला के पति धनेश्वर बुडीउली ने पुलिस को बताया कि उसके भाई पूरन चंद्र बिरूली के साथ वर्षों से जमीन विवाद चल रहा है। वर्ष 2008 में धनेश्वर की पूरन चंद्र बिरूली के साथ मारपीट भी हुई थी। उस समय गांव में बैठक की गई थी, जिसमें धनेश्वर पर 10 हजार रुपये जुर्माना लगाया गया था। इसके बाद पुरान चंद्र बिरूली ने धनेश्वर को देख लेने की बात कही थी। धनेश्वर ने बताया कि जमीन विवाद में ही पूरन चंद्र बिरूली और उसके तीनो बेटों ने घटना का अंजाम दिया है। पुलिस पुरन चंद्र बिरूली के बेटे कृष्ण बिरूली, करपा बिरूली और विश्वास बिरूली को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

एटीएम कार्ड चुराकर खाते से निकाल लिए 55 हजार

JAMSHEDPUR : सीतारामडेरा थाना अंतर्गत बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम मशीन से कार्ड चुराकर रुपयों की अवैध निकासी करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में मानगो सुभाष कॉलोनी निवासी निवासी सुभेंदू चक्रवर्ती ने अज्ञात के खिलाफ सीतारामडेरा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। सुभेंदू ने शिकायत मे बताया है कि 25 दिसंबर की दोपहर वे बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम मशीन से रुपयों की निकासी करने के लिए गए थे। इस दौरान एटीएम मशीन में उनका एटीएम कार्ड फंस गया। उन्होंने काफी प्रयास किया पर कार्ड नहीं निकला। इसी दौरान एटीएम के बाहर खड़े व्यक्ति ने कहा कि पास ही दूसरे एटीएम में गार्ड खड़ा है उनसे मदद ले ले। वे गार्ड को बुलाने गए थे। वापस आकर देखा तो मशीन से एटीएम कार्ड गायब था। थोड़ी देर बाद खाते से कई बार में कुल 55 हजार रुपये की निकासी कर ली गई थी। फिलहाल पुलिस एटीएम में लगे सीसीटीवी की मदद से आरोपी की तलाश में जुटी हुई है।

गलत लेन में आ रही मोपेड को कार ने मारी टक्कर, दो घायल

DHALBHUMGARH : एनएच-18 पर जोडशोल कटिंग के पास गलत दिशा से आ रही एक मोपेड को कार ने टक्कर मार दी, जिससे मोपेड सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सेवा ही धर्म ग्रुप की सूचना पर हाईवे पेट्रोलिंग ने दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। बताया जाता है कि धालभूमगढ़ से बहरागोड़ा की ओर गलत लेन से एक मोपेड पर सवार दामपाड़ा क्षेत्र के लेदा गांव निवासी बहादुर मांडी व रायमुनि मांडी बिना हेलमेट पहने आ रहे थे।

कोयला चोरी करते ट्रैक्शन पावर की चपेट में आया 13 साल का बच्चा, मौत

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल में शुक्रवार को ट्रेन के ट्रैक्शन पावर की चपेट में आकर 13 साल के एक बच्चे की मौत हो गई। घटना बड़ाबांबो व राजखरसावां स्टेशन के बीच सुबह करीब 8.30 बजे की है। जानकारी मिली कि कोयला लदी मालगाड़ी बड़ाबांबो से खुलकर राजखरसावां की ओर जा रही थी। इसी दौरान किलोमीटर संख्या 296/28 में रेड सिग्नल मिलने पर ट्रेन रुक गई। ट्रेन रुकते ही मालगाड़ी के वैगन पर कुछ लोग चढ़ गए और कोयला उतार कर नीचे फेंकने लगे। इसी दौरान एक 13 साल का बच्चा ट्रैक्शन पावर की चपेट में आ गया और हजारों वोल्ट का झटका खाकर वैगन में गिर गया। उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। लाश को वैगन के कोयले के ऊपर झूलता हुआ देखा जा सकता था। इसी दौरान बगल

वैगन पर लटका बच्चा

से गुजर रही एक ट्रेन के कर्मी द्वारा मालगाड़ी के स्टाफ को इसकी सूचना दी। यह घटना आमदा ओपी क्षेत्र में हुई है। राजखरसावां जीआरपी का कहना है कि बच्चे की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। इसलिए वह ट्रेन में चढ़ गया था. बच्चे के शव का पोस्टमार्टम कराकर उसके माता-पिता को शव सौंप दिया गया है।

चक्रधरपुर के नए डीआरएम बने तरुण हुरिया

CHAKRADHARPUR : चक्रधरपुर रेल मंडल के डीआरएम अरुण जातोह राठौड़ का तबादला हो गया है। उनकी जगह अब तरुण हुरिया नए डीआरएम होंगे। रेलवे बोर्ड ने इसको लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। डीआरएम अरुण जे. राठौड़ को फिलहाल कहीं पदस्थापित नहीं किया गया। चक्रधरपुर में उनका कार्यकाल 2 साल 2 माह रहा।

आज से 1 जनवरी तक बंद रहेगी टाटा मोटर्स

JAMSHEDPUR : टाटा मोटर्स जमशेदपुर प्लांट ने 28, 30 और 31 को ब्लॉक क्लोजर लिया है। 28 को ब्लॉक क्लोजर के बाद 29 दिसंबर को रविवारीय अवकाश रहेगा। इसके बाद 30 और 31 दिसंबर को ब्लॉक क्लोजर लिया गया है। ऐसे में टाटा मोटर्स के कर्मचारियों को 5 दिन लगातार छुट्टी मिलेगी। इसके साथ ही 1 जनवरी को भी कंपनी में ब्लॉक क्लोजर रहेगा।

अवैध पार्किंग में खड़ी गाड़ियों की हवा निकाल रहा प्रशासन

बिष्टुपुर में कार के टायर की हवा निकालता कर्मचारी व देखतीं एसडीओ

JAMSHEDPUR : उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर शहर को जाम मुक्त बनाने के उद्देश्य से लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी, धालभूम शताब्दी मजूमदार ने साकची क्षेत्र में कलेक्ट्रेट गोलचक्कर व आसपास तथा बिष्टुपुर में मेन रोड, गोपाल मैदान के आसपास नो पार्किंग जोन में वाहन खड़ी करने वालों के खिलाफ अभियान चलाया। इस दौरान अवैध रूप से पार्क किए गए कई वाहनों के टायर की हवा निकाली गई तथा वाहन चालकों से जुर्माना भी वसूला गया। एसडीओ, धालभूम ने कहा कि शहरवासी अपनी नैतिक जिम्मेदारी समझते हुए इस अभियान में जिला प्रशासन का सहयोग करें। कार्रवाई की डर से नहीं, बल्कि समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को भी समझें, सड़क जाम से सभी वर्गों को परेशानी होती है। एंबुलेंस का आवागमन हो या अन्य आकस्मिक सेवाओं के दौरान आवागमन में आपके कृत्य से समस्या उत्पन्न होती है। शहर को जाम मुक्त रखने में प्रत्येक शहरवासी से सहयोग की अपेक्षा है। उन्होंने अपील की कि शहरवासी नो पार्किंग जोन में वाहनों की पार्किंग नहीं करें।

निजी स्कूलों में रिजर्व कोटे की सीटों पर नामांकन 10 से

JAMSHEDPUR : शहर के जिनी स्कूलों में राइट टू एजुकेशन के तहत गरीब व अभिर्वंचित वर्ग के बच्चों के लिए निर्धारित 25 प्रतिशत सीटों पर नामांकन के लिए आवेदन की प्रक्रिया 10 जनवरी से शुरू होगी। इससे संबंधित नोटिफिकेशन विभाग की ओर से जल्द जारी किया जाएगा। विभाग से मिली जानकारी के तहत 31 जनवरी तक अभिभावक विभाग की वेबसाइट https://rteeasts-inghbhum.com पर जाकर निःशुल्क ऑनलाइन फॉर्म भर सकेंगे। इस बार यह प्रक्रिया 15 दिन की देरी से शुरू हो रही है। पिछले वर्ष यह 25 दिसंबर से शुरू हो गई थी। मालूम हो कि शहर के निजी स्कूलों में आरक्षित कोटे की कुल 1575 सीटें हैं। इन सीटों पर जिन छात्रों का नामांकन होगा, वे 8वीं कक्षा तक निःशुल्क पढ़ सकेंगे।

राजकपूर को समर्पित रही 'सृजन संवाद' की 144वीं संगोष्ठी, डॉ. विमल बोले -

शो-मैन ने पूरी दुनिया में जलाई हिंदी सिनेमा की अलख

PHOTON NEWS JSR : शहर की साहित्य, सिनेमा एवं कला की संस्था 'सृजन संवाद' की 144वीं संगोष्ठी का आयोजन स्ट्रीमयार्ड के माध्यम से फेसबुक लाइव पर किया गया। शो-मैन राजकपूर के सौ बरस विषयक यह संगोष्ठी शाम सात बजे शुरू हुई। इस दौरान चर्चित फिल्म निर्देशक एवं साहित्यकार डॉ. विमल चंद्र पांडेय, दिल्ली यूनिवर्सिटी के सत्यवती कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मुन्ना कुमार पांडेय मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। संगोष्ठी का मॉडरेशन 'यायावरी वाया भोजपुरी' फेम वैभव मणि त्रिपाठी ने किया। इस दौरान कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. विजय शर्मा ने शो-मैन को याद करते हुए संगोष्ठी को शुरूआती विस्तार प्रदान किया। उन्होंने राजकपूर की

नायिका प्रधान फिल्मों की ओर दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। महान शो-मैन राजकपूर को याद करते हुए डॉ. विमल चंद्र पांडेय ने कहा कि हिंदी सिनेमा को उसका रूप देने में पहली छेनी-हथौड़ी उन्होंने ही चलाई। उनका सामाजिक नजरिया, नायिकाओं को खुले रूप में परदे पर दिखाना उनकी प्रगतिशील सोच को दशार्ता है। इससे उन्हें सिनेमा को आम-जनता तक पहुंचाने में भी मदद मिला। राजकपूर की फिल्म बॉबी को लेकर उन्होंने कहा कि सिनेमा

के प्रति उनका लगाव और समर्पण ही था कि मेरा नाम जोकर जैसे विशाल फिल्म के फ्लॉप हो जाने के बाद भी वे बॉक्स ऑफिस के दबाव को झेल पाए। स्टूडियो गिरवी हो जाने के बाद के डर का दबाव झेल अच्छा कर जाना ही उनके महान शो-मैन होने का प्रमाण है।

विमल ने यह भी कहा कि राजकपूर के दौर की फिल्में सिर्फ कांस जैसी अवॉर्ड्स समारोह में सबका ध्यान आकर्षित करती थीं। आज के दौर की फिल्में दो अलग-अलग मानसिकता को ध्यान में रखकर बनाई जाने लगी हैं। कुछ फिल्में अवाड्र्स को ध्यान में रखकर बनने लगी हैं, वहीं अधिकतर फिल्में दर्शकों को ध्यान में रखकर बन रही हैं। आज के सिनेमा को एक ऐसी छन्नी की आवश्यकता है, जिससे सिर्फ बेहतरीन फिल्में छनकर आ सके। डॉ. मुन्ना कुमार पांडेय ने शो-मैन को उनकी फिल्म श्री-420 के माध्यम से याद करते हुए इसे उनकी पहले की फिल्मों से अधिक मैच्योर और आगे की कहानी कहती फिल्म बताया। उन्होंने फिल्म के तमाम पात्रों एवं डायलॉग्स के माध्यम से फिल्म की पटकथा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत व्याख्या की। उन्होंने राजकपूर को सपनों का सौदागर बताते हुए कहा कि आजादी के बाद के समय में उनकी फिल्मों ने लोगों को बेहतर जीवनयापन के सपने देखने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में सृजन संवाद फेसबुक लाइव के माध्यम में देहरादून से सिने-समीक्षक मनमोहन चड्ढा, जमशेदपुर से करीम सिटी कॉलेज के मास कम्यूनिकेशन विभाग की प्रमुख डॉ. नेहा तिवारी, डॉ. क्षमा त्रिपाठी, गोरखपुर से पत्रकार अनुराग रंजन, गौरव मणि त्रिपाठी, कवयित्री आकृति विज्ञ अर्पण आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

कर्मचारी हित में अग्रणी रहेगी रेलवे मेंस यूनियन : एमके सिंह

कार्यक्रम को संबोधित करते एमके सिंह ● फोटोन न्यूज

CHAKRADHARPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे मेंस यूनियन ने चुनाव में जीत के बाद शुक्रवार को रेलनगरी बंडामुंडा की क्रू लॉबी के निकट धन्यवाद समारोह का आयोजन किया। इसमें चक्रधरपुर रेल मंडल के संयोजक एमके सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष शिवजी शर्मा,आयोजक सचिव एसएन शिव सहित अन्य पदाधिकारियों का स्वागत किया गया। इस दौरान मंडल संयोजक एमके सिंह ने कहा कि आप सभी रेल कर्मचारियों की मेहनत की वजह से ही यूनियन ने मान्यता प्राप्ति का चुनाव जीता है। अब रेल कर्मचारियों को किसी भी समस्या के लिए इधर-उधर की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। यूनियन उनकी समस्याओं का निदान कराने का कार्य निरंतर रूप से करेगी। कार्यक्रम के दौरान रनिंग विभाग के कर्मचारियों ने एक-दूसरे को जीत की बधाई दी। इस दौरान बंधु मिलन में संगठन के एआर राय, एलएन सिखा, टीजी कुमार, एन राउत, के गौतम, दीपक नोनिया आदि भी मौजूद थे।

THE PHOTON NEWS
05 www.thephotonnews.com
Saturday, 28 December 2024

गुलाब की खेती

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैद्ध फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महारास्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैद्ध इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैद्ध गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैद्ध गुलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैद्ध गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैद्ध गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैद्ध

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्राय~ सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्तीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार है~ हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं ~ डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्बदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्त्गंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म की विशेषता है कि इन के पौधे कम जगह में ही उगा कर पर्याप्त

फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैंग्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्त्लाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तींरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैद्ध दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैद्ध गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएद्ध जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैद्ध दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिद्ध तीसरे प्रकार कि फ लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिद्ध चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिद्ध पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फलस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैद्ध दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएद्ध क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएद्ध क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेद्ध लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैद्ध इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएद्ध खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएद्ध मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएद्ध आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएद्ध पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैद्ध यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएद्ध कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैद्ध

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैद्ध माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएद्ध दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएद्ध फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेद्ध फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेद्ध बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैद्ध फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएद्ध यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैद्ध जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैद्ध नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैद्ध जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैद्ध ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैद्ध जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएद्ध रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएद्ध पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

महान अर्थशास्त्री असरदार सरदार डॉ मनमोहन सिंह

दिलीप कुमार पाठक

दुनिया के सबसे बड़े मुल्क अमेरिका के प्रभावशाली राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा था कि डॉक्टर मनमोहन सिंह जी जब बोलते हैं तो पूरी दुनिया सुनती है' हालांकि बहुत कम बोलते हैं लेकिन जितना भी बोलते हैं, कमाल बोलते हैं' पूरी दुनिया उनकी अर्थशास्त्र की जानकारी और उनके ज्ञान से प्रभावित रही है कैंब्रिज, ऑक्सफोर्ड, जैसे बड़े-बड़े विश्वविद्यालय में डॉक्टर मनमोहन सिंह के व्याख्यान भविष्य में विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का काम करेंगे' ये मुकाम डॉक्टर मनमोहन सिंह की विद्वता को दशार्ता है, शायद इस मुल्कों को दोबारा ऐसा विद्वान प्रधानमंत्री मिले'

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह का निधन हो गया है, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, सहित पूरे देश सहित पूरी दुनिया के उनके शुभचिंतकों ने शोक व्यक्त किया है' डॉ मनमोहन सिंह का जाना भारतीय राजनीति में एक बड़ा नुकसान है' डॉ साहब जब आप पीएम थे तब मुल्क आपके साथ न्याय नहीं कर सका, आपको वो इज्जत नहीं दे सका जिसके आप हकदार थे' 2014 में एक इंटरव्यू में आपने कहा था, मेरा पूरा विश्वास है कि मौजूदा मीडिया और संसद में मौजूद विपक्षी पार्टियों की तुलना में इतिहास मेरे प्रति ज्यादा दयालु होगा मुझे लगता है इतिहास आपके साथ न्याय करेगा' अलविदा डॉ साहब ये मुल्क आपको डिजर्व नहीं करता था' डॉ मनमोहन सिंह दो बार प्रधानमंत्री जरूर बने लेकिन वे कभी भी खुद को राजनेता नहीं मानते थे, पार्टी के आदेश पर जीवन में सिर्फ. एक बार लोकसभा का चुनाव लड़े, लेकिन हार गए' मनमोहन सिंह को बहुत अच्छी तरह से पता था कि उनका राजनीतिक जनाधार नहीं है' उन्होंने कहा था, राजनेता बनना अच्छी बात है, लेकिन लोकतंत्र में राजनेता बनने के लिए आपको पहले चुनाव जीतना पड़ता है, और मैं चुनाव नहीं जीत सकता इसलिए मैं खुद को नेता नहीं मानता' फि र उन्होंने चुनाव से तौबा कर ली'

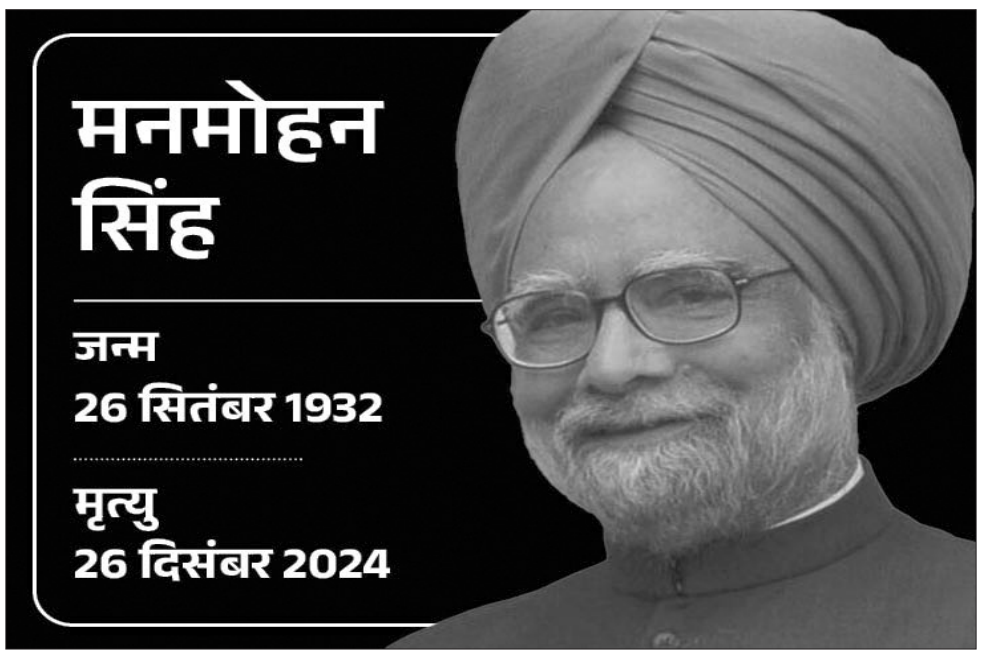

डॉ मनमोहन सिंह ने एक दशक अधिक समय तक अभूतपूर्व बढ़ोतरी और विकास का नेतृत्व किया। डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व में, भारत ने अपने इतिहास में सबसे अधिक बढ़ोतरी दर देखी, जो औसतन 7.7% रही और लगभग दो ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनी, 1971 में डॉ. मनमोहन सिंह वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में शामिल हुए। 1972 में उनकी नियुक्ति वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में हुई। उन्होंने वित्त मंत्रालय के सचिव; योजना आयोग के उपाध्यक्ष; भारतीय रिजर्व बैंक के अध्यक्ष; प्रधानमंत्री के सलाहकार; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह 1982 से 1985 तक भारतीय रिजर्व बैंक के गर्वनर थे। उनके कार्यकाल के दौरान बैंकिंग क्षेत्र से संबंधित व्यापक कानूनी सुधार किए गए और भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम में एक नया अध्याय जोड़ा गया और शहरी बैंक विभाग की स्थापना की गई। आरबीआई में अपने कार्यकाल के बाद, उन्होंने वित्त मंत्री नियुक्त होने से पहले कई पदों पर काम किया। वित्त मंत्री के रूप में उनका कार्यकाल इस तथ्य के लिए उल्लेखनीय था कि उन्होंने भारत में उदारीकरण और व्यापक सुधारों की शुरूआत की।

डॉ. मनमोहन सिंह ने 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया जो स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में एक निर्णायक समय था। आर्थिक सुधारों के लिए व्यापक नीति के निर्धारण में उनकी भूमिका को सभी ने सराहा है। भारत में इन वर्षों को उनके व्यक्तित्व के अभिन्न अंग के रूप में जाना जाता है। अर्थशास्त्र के जानकार कहते हैं कि डॉ मनमोहन सिंह अगर 1991 में वित्तमंत्री नहीं बने होते तो शायद भारत कभी भी आर्थिक आपातकाल से बाहर नहीं आता' बतौर वित्तमंत्री मनमोहन सिंह ने आर्थिक दर को जो आयाम दिया जिसके कारण आज भी भारत को फायदा होता है' वित्तमंत्री, प्रधानमंत्री आएंगे, जाएंगे लेकिन मनमोहन सिंह जी जैसा अर्थशास्त्र का जानकार उनके जैसा विद्वान शायद ही इस मुल्क को मिले इसलिए ही डॉक्टर मनमोहन सिंह को अर्थशास्त्र का आर्किटेक्ट कहा जाता है' डॉ मनमोहन सिंह जी को अब तक के भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबसे बेहतर वित्तमंत्री के रूप में याद रखा जाएगा' वहीं प्रधानमंत्री के रूप में उनके पहले कार्यकाल को स्वर्णिम अक्षरों में लिखा जाएगा' आरटीआई, मनरेगा, फूड सिक्योरिटी बिल, परमाणु समझौता जैसे महान सुधारों के लिए याद किया जाएगा'

दुनिया के सबसे बड़े मुल्क अमेरिका के प्रभावशाली राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कहा था कि डॉक्टर मनमोहन सिंह जी जब बोलते हैं तो पूरी दुनिया सुनती है' हालांकि बहुत कम बोलते हैं लेकिन जितना भी बोलते हैं, कमाल बोलते हैं' पूरी दुनिया उनकी अर्थशास्त्र की जानकारी और उनके ज्ञान से प्रभावित रही है कैंब्रिज, ऑक्सफोर्ड, जैसे बड़े-बड़े विश्वविद्यालय में डॉक्टर मनमोहन सिंह के व्याख्यान भविष्य में विद्यार्थियों के लिए मार्गदर्शन का काम करेंगे' ये मुकाम डॉक्टर मनमोहन सिंह की विद्वता को दशार्ता है, शायद इस मुल्कों को दोबारा ऐसा विद्वान प्रधानमंत्री मिले'

देश का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण, भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार

वर्ष के वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी अवार्ड और वित्तमंत्री के लिए यूरो मनी अवार्ड , कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय का एडम स्मिथ पुरस्कार; कैम्ब्रिज के सेंट जॉन्स कॉलेज में विशिष्ट प्रदर्शन के लिए राइट पुरस्कार.. उनको जापानी निहोन किजई शिम्बुन एवं अन्य संघो की तरफ से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. मनमोहन सिंह को कैंब्रिज एवं ऑक्सफोर्ड और अन्य कई विश्वविद्यालयों की तरफ से मानद उपाधियां प्रदान की गई हैं। डॉ. मनमोहन सिंह ने कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों और सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 1993 में साइप्रस में राष्ट्रमंडल प्रमुखों की बैठक में और वियना में मानवाधिकार पर हुए विश्व सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया है। अपने राजनीतिक जीवन में उन्होंने 1991 से भारतीय संसद के उच्च सदन (राज्य सभा) के सदस्य रहे जहां वे 1998 से 2004 तक विपक्ष के नेता थे। वहीं डॉ. मनमोहन सिंह ने 2004 के आम चुनाव के बाद 22 मई 2004 को प्रधानमंत्री के रूप के शपथ ली और 22 मई 2009 को दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह को न केवल उनके विजन के लिए जाना जाता है, जिसने भारत को एक आर्थिक महाशक्ति बनाया, बल्कि उनकी कड़ी मेहनत और उनके विनम्र, मृदुभाषी व्यवहार के लिए भी जाना जाता है। वह एक ऐसे प्रधानमंत्री रहे हैं जिन्हें न केवल उन छलांगों और सीमाओं के लिए याद किया जाएगा, जिनसे उन्होंने भारत को आगे बढ़ाया, बल्कि एक विचारशील और ईमानदार व्यक्ति के रूप में भी याद किया जाएगा।

संपादकीय

दिल्ली की नौटंकी

राजधानी दिल्ली की राजनीति निंदा, आलोचना, समीक्षा, प्रशंसा आदि की हदों से पार हो गईहै। जब आपके सामने हो रहा नाटक आपकी कल्पनाओं को भी पीछे छोड़.दे तो आप कोई टिप्पणी करने की बजाय हैरत से सिर्फ तमाशा देखते हैं। दिल्ली में इस समय ऐसा ही तमाशा चल रहा है। आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल, जो हमेशा अपनी वाणी-व्यवहार के कारण सुर्खियों में बने रहने के मनोरोग की हद तक आदी हो गए हैं, इस समय दिल्ली में उन भावी योजनाओं को लेकर जो तब लागू की जाएंगी जब वह एक बार फिर चुनाव जीतकर मुख्यमंत्री पद पर आसीन हो जाएंगे। उनकी एक योजना है महिला सम्मान योजना जिसके तहत दिल्ली की प्रत्येक वयस्क मतदाता महिला को प्रति माह 2100 रुपये दिए जाएंगे और दूसरी संजीवनी योजना है जिसके अंतर्गत 60 साल से ऊपर के प्रत्येक बुजुर्ग का निशुल्क इलाज उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिएवे अपनी पार्टी के साथ पंजीकरण अभियान चला रहे हैं। इसमें केजरीवाल को कुछभी अटपटा नहीं दिखाई देता कि जो पंजीकरण किसी भी तर्क के अनुसार मुख्यमंत्री पद पर आसीन हो जाने के बाद कराया जाना था, वह मुख्यमंत्री बनने के लिए कराया जा रहा है। जाहिर है विरोधी दल इस योजना को अनैतिक और फ्रॉड़ बता रहे हैं लेकिन असल तमाशा यह है कि दिल्ली सरकार के जिन दो विभागों से ये योजनाएं संबंधित हैं, उन दोनों ने अधिसूचना जारी करके दिल्ली की जनता को सचेत किया है कि ये योजनाएं उनके विभागों में अधिसूचित नहीं हैं। इसलिए दिल्ली की जनता इनसे सावधान रहे। दूसरी ओर, भाजपा के नेता प्रवेश वर्मा अपने घर पर निर्धन महिलाओं, जो उनके क्षेत्रकी मतदाता हैं, को 1100 रुपये की नकद सहायता राशि उपलब्ध करा रहे हैं। उनका कहना है कि यह यह राशि अपने स्वयंसेवी संगठन के माध्यम से प्रदान कर रहे हैं। कोई कानून गरीब महिलाओं की मदद करने पर रोक नहीं लगाता। इस पर मुख्यमंत्री आतिशी का कहना है कि वर्मा के घर करोड़ों की नकदी मौजूद है और ईड़ी, सीबीआई को कार्रवाई करनी चाहिए। पूरा देश इस नौटंकी को देखरहा है, कोईहंस रहा है, कोई क्षुब्ध हो रहा है, लेकिन इस नौटंकी के किसी भी पात्र को अपने गिरेबां में झांकने की फुर्सत नहीं है। यह बेहद दुखद स्थिति है जिससे निकलने के उपाय खोजे जाने चाहिए।

चिंतन-मनन

प्रोध पर काबू पाना सीखों

यदि आपको कोई कुत्ता कहता है तो आप उसे भौंकें नहीं बल्कि मुस्कुराएँ। गालियाँ देने वाला स्वयं ही शर्मिन्दा हो जाएगा। अन्यथा सचमुच कुत्ता बन जाओगे। यह बात राष्ट्रसंत मुनिश्री तरुण सागर जी महाराज ने प्रवचन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि यदि कोई आपको गालियाँ देता है और आप उसे स्वीकार नहीं करते तो वह गालियाँ उसी के पास रह जाती हैं। भगवान महावीर को भी लोगों ने गालियाँ दीं। उन्होंने कहा कि जीवन में शांति पाने के लिए प्रोध पर काबू पाना सीख लो। जिसने जीवन से समझौता करना सीख लिया वह संत हो गया। वर्तमान में जीने के लिए सजग और सावधान रहने की आवश्यकता है।

तथाकथित आधुनिक सभ्यता एवं पाश्चात्य संस्कृति का अनुकरण कर रही नई पीढ़ी को समझाइश देते हुए मुनिश्री ने कहा कि शादी करना है तो जागते हुए करो। परिजनों की मर्जी को दरकिनार कर घर से भागने की प्रवृत्ति आपके जीवन को अंधकारमय बना सकती है। उन्होंने युवतियों से कहा कि कभी भी घर से भागकर शादी मत करना। विधर्मी से शादी करने पर आपको वह सब भी करना पड़ सकता है जिसकी कल्पना आपने कभी न की होगी। उन्होंने कहा कि फिल्म के तीन घन्टे तथा जीवन में काफी अंतर होता है। वास्तु शास्त्र, ज्योतिष व धर्म के नाम पर पाखण्ड एवं ग्लैमर की चकाचौंध को लेकर श्रद्धालुओं को खबरदार करते हुए मुनिश्री ने कहा कि जिसके भाग्य में जो लिखा है वही मिलेगा और परेशान होने से कुछ अतिरिक्त प्राप्त नहीं होने वाला। उन्होंने कहा कि सर्वोच्च सत्ता ईश्वर ही होता है और वह यदि आपसे नाराज है तो दुनिया की कोई ताकत या वास्तु शास्त्र आदि आपकी मदद नहीं कर सकता।

चुनावी पारदर्शिता का अभाव लोकतंत्र बनाम राजतंत्र

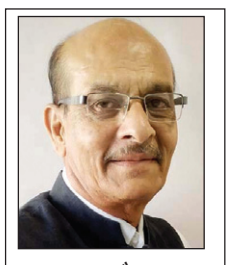

सनत जैन

भारत का लोकतंत्र, अपनी विविधता और पारदर्शिता के लिए जाना जाता है। संविधान के अंतर्गत संवैधानिक संस्थाओं का गठन हुआ था न्यायपालिका संवैधानिक संस्थाओं विधायिका और कार्यपालिका के सभी कार्यों की संवैधानिक एवं कानूनी समीक्षा कर निर्णय देती थी लेकिन पिछले 10 वर्षों में धीरे-धीरे संवैधानिक संस्थाएं और न्यायपालिका सरकार के ऊपर निर्भर होती चली जा रही हैं, जिसके कारण वर्तमान में संविधान संवैधानिक संस्थाओं और लोकतंत्र को बचाए रखना बड़ा मुश्किल नजर आ रहा है। चुनाव आयोग आज सबसे ज्यादा सवालों के घेरे में है न्यायपालिका ने पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से सरकार के पक्ष में निर्णय दिए हैं उसके कारण न्यायपालिका की विश्वसनीय और साख भी कमजोर हुई है अब तो लोकसभा और राज्यसभा की आसंदी भी विवादों के घेरे में है। ऐसी स्थिति में चुनाव प्रक्रिया, जो लोकतंत्र की रीड़ की हड्डी की तरह है, उसमें गड़बड़ी, पारदर्शिता की कमी और चुनाव आयोग को लेकर अविश्वास से लगातार चिंताएं बढ़ने लगी हैं। हाल ही में चुनाव आयोग और कानून मंत्रालय द्वारा जो नए संशोधन किए गए हैं। इन संशोधनों ने चुनाव आयोग की स्थिति को और अविश्वसनीय बना दिया है। विशेष रूप से हाल ही में कानून मंत्रालय द्वारा रूल 93/2 में किए गए संशोधन के बाद चुनावी दस्तावेजों को सार्वजनिक निरीक्षण से दूर कर दिया गया है। जिससे चुनावों की निष्पक्षता को लेकर जो गंभीर प्रश्न उठ रहे हैं उसके बाद इसमें नया विवाद पैदा हो गया है। हाल ही में हरियाणा और मुंबई हाईकोर्ट द्वारा चुनाव आयोग को लेकर कुछ आदेश जारी किए गए थे। उनसे बचने के लिए यह संशोधन लाए गए हैं। जिसके कारण देश में एक बार फिर चुनाव आयोग और केंद्र सरकार की विश्वसनीयता और निष्पक्षता पर सवाल उठ खड़े हुए हैं। ईवीएम और वीवीपैट जैसे मुद्दे पर पहले से ही विपक्ष और नागरिक, समाज द्वारा न्यायपालिका में लड़ाई लड़ी जा रही है। लेकिन न्यायपालिका द्वारा सरकार और चुनाव आयोग के पक्ष में निर्णय किए जा रहे हैं। यहां तक कि चुनाव आयोग की पुरानी परंपरा और नियमों को दरकिनार करते हुए इस तरह के आदेश न्यायपालिका से जारी हो रहे हैं, जिसके कारण नागरिकों और राजनीतिक दलों में चिंता बढती ही जा रही है। अब केंद्र सरकार द्वारा चुनाव आयोग को अपार अधिकार देकर, उसे किसी भी प्रश्न से अछूता रखने तथा संवैधानिक जवाबदेही से बचाने का प्रयास किया गया है। इससे न केवल चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता एवं निष्पक्षता पर खतरा पैदा हो गया है, बल्कि जनता के विश्वास पर भी कुठाराघात हुआ है। कानून मंत्रालय ने यह संशोधन ऐसे समय पर किया है, जब चुनाव आयोग कटघरे में खड़ा हुआ है। चुनाव आयोग को लेकर कई याचिकाएं विभिन्न हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। चुनावों में गड़बड़ी की संभावना और उसके खिलाफ सबूत जुटाने में विपक्ष और लोकतांत्रिक संस्थाओं की भूमिका को सीमित कर दिया गया है। हरियाणा और महाराष्ट्र के जो चुनाव परिणाम आए हैं, चुनाव आयोग द्वारा मतदान के रिकॉर्ड और मतगणना के रिकॉर्ड में लगातार परिवर्तन किए गए हैं। चुनावों में बीजेपी के बढ़ते प्रभुत्व और चुनाव आयोग की भूमिका से इस मुद्दे को और गंभीर बना दिया है। विपक्षी दलों की अपील और अदालतों में दाखिल याचिकाएं भी, संशोधनों के चलते बेअसर हो जाएंगी। एक तरह से यह नागरिक अधिकारों को खत्म करने जैसा माना जा रहा है। चुनाव आयोग को जिस तरह से किसी भी तरह की जवाबदेही से दूर करते हुए उसे अधिकार दिए जा रहे हैं। सरकार द्वारा चुनाव आयोग को दिए गए अधिकार, आपातकाल के दौरान नागरिकों के मौलिक अधिकार को कम करने और न्यायपालिका की शक्ति को कम करने जैसा ही माना जा रहा है। वर्तमान स्थिति मे आवश्यक है, चुनाव आयोग अपनी विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पारदर्शिता को प्राथमिकता दे। केंद्र सरकार की जिम्मेदारी थी कि ऐसे समय पर वह इस तरीके के परिवर्तन ना करे जिससे लोगों के बीच में गलत संदेश जाए लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने तक सीमित नहीं है बल्कि यह लोकतंत्र में नागरिक अधिकार, जनता के विश्वास और संविधान की भावना के अनुरूप होना चाहिए। यदि जनता को चुनाव आयोग पर विश्वास नहीं रहेगा, कि उसके मत का सही उपयोग हो रहा है। ऐसी स्थिति में लोकतंत्र खतरे में पड़ जाएगा। बांग्लादेश में चुनाव आयोग और सरकार ने मिलकर जरूर चुनाव जीत लिया था लेकिन जनता ने उस पर विश्वास नहीं किया और देखते ही देखते बांग्लादेश की प्रधानमंत्री को देश छोड़कर भागना पड़ा अन्य देशों में भी इसी तरीके की स्थितियां देखने को मिल रही हैं। वर्तमान में भारत में जिस तरह की परिस्थितियों बनी हुई है उसमें सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका को अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन इस तरह से करना होगा जिससे नागरिकों का विश्वास न्यायपालिका विधायिका और कार्यपाल का के साथ-साथ संवैधानिक संस्थाओं पर भी बना रहे अभी जिस तरह की स्थितियां दिख रही हैं। उसके बाद यह कहा जाने लगा है कि यह अघोषित आपातकाल है जो लोकतंत्र को राजतंत्र की ओर ले जा रहा है राजतंत्र और तानाशाह दोनों के स्वरूप एक से ही माने जाते हैं राजा जो चाहता है वह करता है। तानाशाह भी जो चाहता है, वह करता है। भारत में महंगाई बेरोजगारी आर्थिक मंदी तथा अर्थव्यवस्था में जिस तरीके के बदलाव देखने को मिल रहे हैं ऐसे समय पर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग ने जिस तरह की परिवर्तन किए हैं उसको स्वीकार कर पाना आम जनता के लिए शायद संभव नहीं होगा ऐसी स्थिति में यदि न्यायपालिका ने भी अपनी जिम्मेदारी ठीक तरह से नहीं निभाई तो भारत में भी वही सबको देखने को मिल सकता है जो बांग्लादेश और श्रीलंका जैसे देशों में हुआ है।

बोरवेलः अटकतीं मासूम सांसें

कुमार समीर

बोरवेल में अनजाने में कई बार ऐसी अप्रिय घटनाएं घट जाती हैं, जो किसी परिवार, समाज को जिंदगी भर का असहनीय दर्द दे जाती हैं। ऐसा ही कुछ राजस्थान में हुआ है, जहां फिर से एक मासूम बच्ची बोरवेल में गिर गई। कोटपूतली में 700 फीट गहरे बोरवेल में फंसी तीन साल की चेतना की सलामती के लिए दुआएं मांगी जा रही हैं। ऐसा ही 9 दिसम्बर को राजस्थान के ही दौसा जिले के कालीखाड़ गांव में पांच साल के आर्यन के साथ हुआ था। वह भी खुले बोरवेल में गिर गया था लेकिन 56 घंटे से अधिक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद भी उसे बचाया नहीं जा सका।

ये दो घटनाएं दिसम्बर महीने में घटीं और राजस्थान की हैं, लेकिन हकीकत में देश के विभिन्न हिस्सों में खुले बोरवेल मासूम बच्चों के लिए काल बन रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में ही सैकड़ों बच्चे बोरवेल में फंस कर दम तोड़ चुके हैं, लेकिन ऐसे हादसों पर लगाम कसने में सफलता नहीं मिल पा रही। न तो लोग ऐसे हादसों से चेतने को तैयार हैं, न प्रशासन की नींद टूट रही है। विडंबना है कि ऐसे हादसों को रोकने के लिए समाज में कोई जागरूकता नजर नहीं आती। ऐसे हादसों में बहुत कम बच्चों या लोगों को बचाने में सफलता मिलती है। एनडीआरएफ की एक रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में कई बच्चे बोरवेल में गिर चुके हैं, लेकिन उन्हें बचाने में 70 प्रतिशत रेस्क्यू ऑपरेशन नाकाम रहे। ऐसे हादसों को लेकर बड़ा प्रश्न है कि मासूम बच्चों की समाधि बनते बोरवेल हादसों को लेकर समाज से लेकर पूरा सिस्टम आखिर, कब गंभीर होगा? एनडीआरएफ के मुताबिक बोरवेल उपयोग के मामले में भारत पूरी दुनिया में नंबर-1 पर है, और बोरवेल से जुड़े अधिसंख्य हादसों में छोटे बच्चे ही शिकार बनते हैं, जिनमें से 30 प्रतिशत के ही सुरक्षित बाहर निकाले जाने की संभावना होती है। बोरवेल में गिरने के करीब 92 प्रतिशत मामलों में 10 वर्ष से कम आयु के बच्चे होते हैं। एनडीआरएफ की एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार बोरवेल के पानी से शहरी और औद्योगिक जरूरतों की करीब 50 फीसद पूर्ति होती है। इससे कृषि संबंधी करीब 55 फीसद जरूरतें पूरी होती हैं। ग्रामीण क्षेत्र तो पानी की अपनी जरूरतों के लिए 80 फीसद से भी ज्यादा बोरवेल पर निर्भर हैं। आंकड़े देखें तो भूगर्भ जल विभाग के अनुमान के अनुसार देश भर में करीब 2.7 करोड़ बोरवेल हैं, लेकिन सक्रिय बोरवेल की संख्या, अनुपयोगी बोरवेल की संख्या और उनके मालिक का राष्ट्रीय स्तर पर डाटाबेस नहीं है।

चिंता यह भी है कि सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणियों के बावजूद सिस्टम ऐसे हादसों को लेकर गंभीर नहीं है। सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, कानूनी संशोधनों और तमाम सख्ती के बावजूद ऐसे हादसे रु क नहीं रहे। बोरवेल खुदाई को लेकर अलग-अलग राज्यों के हाई कोर्ट के भी कई निर्देश हैं, और इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट भी कह चुका है कि नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी कलेक्टर की होगी, जो सुनिश्चित करेंगे कि केंद्रीय या राज्य की एजेंसी द्वारा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी मार्गदर्शिका का सही तरीके से पालन हो। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एसएच कपाडिक्श्या, जस्टिस राधाकृष्णन और जस्टिस स्वतंत्र कुमार की खंडपीठ ने बच्चों को गंभीर बोरवेल हादसों से बचाने के लिए एक रिट पिटीशन पर सुनवाई कर 6 अगस्त, 2010 को आदेश पारित किया था और उसी समय से यह फैसला देश भर में लागू है, लेकिन इसका सही तरीके से पालन कराया जाना आज तक सुनिश्चित नहीं किया गया है।

विडंबना है कि सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निदेर्शों के बावजूद ऐसे प्रयास होते नहीं दिखे, जिनसे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। दिशा-निदेर्शों के अनुसार बोरवेल की खुदाई से पहले कलेक्टर अथवा ग्राम पंचायत को लिखित सूचना देनी होगी। खुदाई करने वाली सरकारी, अर्धसरकारी संस्था या ठेकेदार का पंजीयन होना चाहिए। बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डीएम, ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। खुदाई वाले स्थान पर साइन बोर्ड लगाया जाना चाहिए। खुदाई के दौरान आसपास कंटीले तारों की फेंसिंग की जानी चाहिए। फेंसिंग पाइप के चारों ओर सीमेंट या कंक्रीट का 0.3 मीटर ऊंचा प्लेटफार्म बनाना चाहिए। बोरवेल के मुहाने पर स्टील की प्लेट वेल्ड की जाएगी या उसे नट-बोल्ट से अच्छी तरह कसना होगा। बोरवेल की खुदाई पूरी होने के बाद खोदे गए गड्ढे और पानी वाले मार्ग को समतल किया जाएगा। खुदाई अधूरी छोड़ने पर मिट्टी, रेत, बजरी, बोल्डर से बोरवेल को जमीन की सतह तक भरा जाना चाहिए। इन दिशा-निदेर्शों का पालन होता कहीं नहीं दिख रहा। न ही नियमों का पालन नहीं करने वालों पर सख्त कार्रवाई होती दिखती है। हालांकि बोरवेल हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला छोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चला कर सख्ती की बातें हर बार दोहराई जाती हैं, लेकिन सख्ती की बातें अप्रिय घटना सामने आने पर लोगों में उपजे आक्रोश के शांत होने तक ही बरकरार रहती हैं।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Unparalleled doyen of parallel cinema

TO understand the filmmaking feat Shyam Benegal pulled off, just imagine that you were a regular cinegoer of 1974 vintage. Cinema was the only means of mass entertainment in those days.

Would you rather buy tickets for 'Roti, Kapada Aur Makaan' (starring Manoj Kumar, Zeenat Aman), 'Chor Machaye Shor' (Shashi Kapoor, Mumtaz), 'Majboor' (Amitabh Bachchan, Parveen Babi), 'Roti' (Rajesh Khanna, Mumtaz), 'Dost' (Dharmendra, Hema Malini) or 'Ankur', featuring Anant Nag and Shabana Azmi and directed by Shyam Benegal — two actors and a director, whom you had never heard of? Worse, would you willingly subject yourself to a film with no songs and no dhishoom dhishoom?And yet, somehow, enough people didthat. The rest is history. For, 'Ankur' (The Seedling) truly sowed the seeds of what is often referred to as the Indian new-wave parallel cinema period — a decade in which realistic, thought-provoking films found an audience and produced a bumper crop of pathbreaking celluloid gems that are still talked about.Benegal received numerous accolades, awards and honours; his craft and films have been analysed threadbare. But what is surprisingly under-appreciated is that unlike many stalwarts of parallel cinema, both before and after him, Benegal successfully managed to escape becoming a prisoner of a certain style or school of filmmaking. It astonishes one to realise that there is no Benegal brand or genre of direction, treatment and storytelling — such was his versatility. If anything, his style was straightforward, unpretentious and audience-engaging.Moreover, he is not identified with a recurring motif or choice of subject. Look at his repertoire: while he started his career with three films — 'Ankur' (1974), 'Nishant' (1975) and 'Manthan' (1976) — that were set in rural India, dealing with the ills of feudalism, oppression and caste conflicts, he quickly shifted to the urban milieu with a period film, 'Bhumika' (1977), shot partly in black and white, based on the turbulent life of Marathi actress Hansa Wadkar in the 1930s, 1940s and 1950s.His next film, 'Junoon', (1979), produced by film star Shashi Kapoor, harked back to the 1857 mutiny, unspooling a poignant, cross-cultural love story between a Pathan chieftain and a young Anglo-Indian woman during a time of rebellion and bloodshed. Based on Ruskin Bond's novella 'A Flight of Pigeons', 'Junoon' is actually one of those rare films which is better than the book.'Kalyug' (1981) was even more unusual for those times, creating a contemporary version of the Mahabharata through the narrative of an internecine warfare between two branches of a wealthy business family. Produced again by Shashi Kapoor, the plush settings, urbane characters and central conflict in this corporate feud were worlds away from the universes depicted in Benegal's previous films. It was, perhaps, the veteran director's background in advertising and insights into Mumbai's elite that enabled him to craft this work of sophisticated dramatisation featuring modern-day Pandavas and Kauravas.All through his career, Benegal displayed this bold trait of refusing to be strait-jacketed and selecting stories that were cinematically and thematically different from what he had done earlier. But probably his most valuable piece of work was 'Bharat Ek Khoj' — a brilliant adaptation of Jawaharlal Nehru's tome, 'The Discovery of India', into a 53-episode TV series telecast by Doordarshan in 1988-89. Benegal commenced work on the series in 1986 and brought alive on the small screen 5,000 years of India's history. Not just that, the series added a wealth of impeccably researched material and chapters that hadn't been covered by Nehru. Innovatively conceptualised as a docudrama, merging narration, dramatisation and discourse seamlessly, 'Bharat Ek Khoj' would not have had the authenticity, accuracy and depth of content had anyone other than Benegal been at the directorial helm.In the 1990s, Benegal worked on his trilogy featuring Muslim women protagonists — 'Mammo' (1994), 'Sardari Begum' (1996) and 'Zubeidaa' (2001) — tales of feisty and spirited women from different classes.

How economic slowdown can be countered

Post-liberalisation policies must be reassessed and reformed to create faster learning enterprises and more productive employment.

THE Indian economy seems to be on a slow downswing — 2024-25 is heading for 6.4 per cent growth against the earlier estimate of 7 per cent. The following financial year is expected to maintain the same trajectory, say a range of global analysts. The economy is clearly on a downward shift.Even on this lower gear, the economy will be moving at a faster pace than most of the other large countries. So, this slowdown is not worrying the leadership as this will still allow the system to function at a stable state.But finding the reason for the slowdown and its remedy is important as large sections of the people continue to remain very poor. What is worse is that there is a sharp difference in incomes, with only a small section enjoying the fruits of the country's high economy.

n 2022-23, the top one per cent of the population received 22.6 per cent of India's national income. Plus, there is a rural-urban divide. The per capita consumption expenditure in rural India was Rs 3,773 as compared to Rs 6,459 in urban India. Thus, it is the urban consumption that is doing the heavy lifting.The key reason for the slowdown is the inadequate consumption. This is particularly so for the urban middle class, which is the key mover for the overall demand. This will result in slack for consumption-producing businesses. These will cease to go ahead at full steam. As a result, the firms will hire fewer workers. This will slacken demand and heighten the slowdown in overall consumption.In rural India, the situation is, if anything, worse. To make ends meet, women in rural households are going out to work to help feed the families by supplementing the men's inadequate wages. But, critically, the women are working in fields, not in factories. So, they are missing out on the higher wages that factory workers earn.The high growth rate has been enabled by two forces — growing manufacturing and services. But the robust manufacturing is now slacking, as mentioned earlier. Broad-based growth would have taken place if the women in rural areas moved to factories instead of staying in farms.The high growth has also been enabled by a sharp rise in capital investment in more factories and public infrastructure, the latter made possible through higher public investment.Better roads, power and railways caused factories to feel optimistic and grow more. This caused cars, trucks and two-wheelers to face booming markets. Hence, it resulted in consumption expenditure by the middle class, particularly in urban areas.Today, these factories, mostly producing fast-moving consumption goods, are slacking. So, the dream that we have been waiting for — more jobs in factories in urban areas for more women from the rural areas — has paled.Now, let as look at services, which has been highly robust through the period of high growth. The robust consumption has caused more jobs to be created to service cars, two-wheelers, TV sets etc. As manufacturing slackens, the high growth in services is also likely to see a slowdown.

That leaves us the export services, which are made possible by the software engineers who are going up to the higher level of artificial intelligence. Here also, a negative impact is coming to the fore — nearshoring.

Developed economies are becoming stricter with immigration so that there is a growing need for leading Indian software companies to go in for nearshoring. They are seeking to people development centres in the developed countries themselves with more local talent.

The bright sign is that large companies of developed countries are setting up more and more highly sophisticated global development centres in India, which is creating more high-level engineering jobs.

This is good news for highly skilled Indians, but the total numbers are small. The service exports by these companies and the country are real, but the total impact on national growth is minimal.In response to the slackening growth and the exigencies of the elections, the government has decided to pay cash grants to women.This will be positive for the gender economy and demand push for consumption, but this is not a lasting economic solution.The right way to begin is to reform agriculture. This will raise agricultural productivity and raise farm incomes. This will raise rural consumption and do the economy good. But this will lead to fewer farmhands through greater mechanisation and also better seeds and agricultural practices.

The farmhands will have to be found jobs in urban areas through factories, construction and urban services by being used by municipalities to deploy services like handling of urban dry waste. But the key issue is how factories will find the need to grow capacity and set up new factories.So, the great need is to grow demand by persuading the Reserve Bank of India to lower interest rates and increase the money supply. The obvious risk will be a spurt in the inflationary level. Right now, the hope is that the rabi crop will deliver the goods, unlike the kharif crop which has been a partial letdown.

The growing money supply will create higher demand for factories, which will hopefully expand their machineries and set up new plants. This will create higher demand for capital goods. The government, with its fiscal slight opening up, will create more supply for higher demand for capital goods, creating more roads, bridges and a better functioning railways.There is a need to give economic growth a push so that at the end of the day, higher demand will reduce poverty and increase the numbers of the middle class.But there is a catch in this whole scenario. If the climate lets us down, leading to droughts, floods and untimely rain damaging growing crops, it will all come to naught.

Pak ups the ante

Airstrikes on Afghan soil bode ill for the region

THE irony is too obvious to be missed — Pakistan, notorious for sponsoring cross-border terrorism, is itself feeling the terror heat and making desperate moves. Pakistan's airstrikes have killed around 50 people, mostly women and children, in eastern Afghanistan, a couple of days after its security forces gunned down 11 suspected terrorists in the restive Khyber Pakhtunkhwa province. Relations between Islamabad and Kabul have worsened this year as the banned Tehrik-e-Taliban Pakistan (TTP) has stepped up operations against Pakistani military and police forces. Pakistan has repeatedly accused the Taliban of sheltering members of this terror group, but the Afghan government continues to be in the denial mode.

The airstrikes have exposed Pakistan's duplicity. They were carried out hours after its special representative for Afghanistan visited Kabul to discuss ways to improve ties. It is apparent that Islamabad is paying lip service to resolving the dispute through diplomatic means. This strategy can have dangerous consequences for the region, with the Afghan government warning that it would not leave this "cowardly act unanswered".

The Shehbaz Sharif-led government is in no mood to appear vulnerable at a time when it is holding talks with jailed ex-PM Imran Khan's Pakistan Tehreek-e-Insaf (PTI) party. Last month's crackdown on protesting PTI supporters has not endeared the ruling coalition to the masses. The Balakot-style airstrikes might be a ploy of the establishment to rebuild its public image. Another trigger could be the growing closeness between the Taliban and the Indian government that has clearly annoyed Pakistan. In any case, Islamabad needs to brace itself for a fierce retaliation not only from the Taliban but also from the TTP. India, a victim of terrorism for decades, must keep a close eye on the developments.

Hasina's extradition is a non-starter

Developments in artificial intelligence can have far-reaching implications

AS expected, Bangladesh wants its former Prime Minister Sheikh Hasina back. After all, an arrest warrant had been issued in October, and interim leader Muhammad Yunus called for extradition and an Interpol Red Notice in his November speech. That's pretty tough talk, especially since Yunus and student leaders know full well that New Delhi will not extradite a leader who prioritised good relations with India and brought stability to her own country. The per capita income more than doubled from a mere $600-odd when she was first elected to the present $2,646 as the economy grew some 18 times. All that is now forgotten.India's Ministry of External Affairs has acknowledged that a note verbale was received from Dhaka, seeking extradition, but has made no further comment. The two countries have an extradition treaty framed by the need to combat terrorism and other ills. It bars extradition for offences of a political character, in line with international law. Extradition and the right to asylum are determined by the UN Declaration on Territorial Asylum, which is based on Article 16 of the Universal Declaration on Human Rights. The latter states very simply, "Everyone has the right to seek and to enjoy in other countries asylum from persecution". It adds that this right does not include "prosecutions genuinely arising from non-political crimes or from acts contrary to the purposes and principles of the United Nations".Given that some 155 cases are lodged against Hasina, it would seem to be a simple matter — send her back. But international law is not simple, because states are never black and white in their behaviour. The 'political exception' was historically seen as applying to those seeking democracy in totalitarian states. But legally, it applies to all — democratic, nihilist or anarchist. In essence, it is up to the sheltering state to decide on whether or not a particular act is political or not, since the law is vague on exactly what that is.Meanwhile, the bilateral treaty also requires a magistrate's arrest order and presentation of evidence of a crime. Those are yet to be provided.Another aspect worth noting while considering an extradition request is the right to a fair trial, which is codified in international law. Though not directly connected to extradition, the UN Model Law on extradition does make the lack of a proper legal process a basis for refusal of extradition. Consider the recent acts of the Bangladesh judiciary. It has commuted the death sentence of Paresh Baruah, leader of the United Liberation Front of Asom (ULFA) that had once created mayhem in India. He had been caught smuggling 10 truckloads of arms from a state-run jetty in Chittagong in 2004. Also implicated was Lutfozzaman Babar of the Bangladesh Nationalist Party (BNP), besides several others. Babar was also given the death penalty for a grenade attack which killed 24 people and left Hasina injured. He and other BNP leaders indicted in this case were freed earlier this month. Worst of all has been the refusal to grant bail to Hindu priest Chinmoy Krishna Das on the grounds that no lawyer represented him in the court. The state did not provide a defending lawyer, though it is duty-bound to do so.Apart from all this is the situation on the ground. Bangladesh has witnessed a frenzy of hate against not just Hasina but also her supporters and Awami League members. The party has claimed that 400 of its cadres have been killed. A UN report notes that nearly 650 people were killed between July 16 and August 11 this year. It has suggested a thorough, impartial and transparent investigation into reports of extrajudicial killings, arbitrary arrests and detentions. Clearly, there is a great danger to the life of the Awami League leader if she returns.sThen are moral and other aspects too. Hasina was sent to India by the Bangladesh army for her own safety. That trust would be betrayed if India sends her back. Diplomatically, India's image would be hit, especially in the neighbourhood, if it gives in to Yunus' demand. Politicians and others who have stood by us in the past would have second thoughts about their future actions if India is not seen as a sincere friend. The most curious aspect is that Yunus and his band of students are making extradition an issue despite knowing that it would spoil relations with India. This is not an elected government, and accordingly, it has no requirement to score brownie points with its electorate.It seems that Yunus is in no hurry to go; his students have already declared their intention of forming a political party of their own. That's fine, except for a growing anti-India sentiment among the students now at the helm of affairs. That includes a now-deleted Facebook post by the interim government's student adviser Mahfuz Alam that showed a map of Bangladesh claiming Indian territory. Then there is the puzzling objection to a perfectly harmless post by Prime Minister Narendra Modi praising the Indian Army for the victory in the 1971 war, by Bangladesh officials and student advisers. Besides, questions are being raised about a clutch of India-backed projects, most recently the Rooppur trilateral nuclear power project that also includes Russia.New Delhi has to tread carefully. There is clearly more to all this than meets the eye, and possibly more than one outside actor is involved. Meanwhile, Hasina stays. No two ways about that.

Rupee continues to decline for third consecutive session, hits low of 85.26

It can be noted that the rupee's drop to 85 from 84 happened over two months, while the decline to 84 from 83 took nearly 14 months.

MUMBAI. The rupee continued to bleed for the third consecutive day on Thursday, pressured by a firm dollar and importers' month-end dollar demand. At the end of the market hours, the currency lost 6 paise against the dollar at 85.2625 from 85.20 in the previous session and had an all-time low of 85.2825 intra-day.A trader said importers were very active in the market, though trading volume was relatively low as the year-end is nearing. It can be noted that the rupee's drop to 85 from 84 happened over two months, while the decline to 84 from 83 took nearly 14 months.Yet in terms of the real effective exchange rate (REER) at over 108.14 in November, or its value relative to multiple foreign currencies after adjusting for inflation, it is still at record high as its pair currencies have lost much more than the rupee.

Since slipping below 84 in mid-October, the rupee has been falling gradually amid growth slowdown, massive foreign outflows (over $12 billion in a month), worries over US president-elect Donald Trump's trade policies and a hawkish Federal Reserve.However, persistent interventions from the Reserve Bank have kept the rupee's decline in check. According to RBI, it has sold more than $47 billion in October alone to defend the rupee.According to the RBI bulletin for December, the Reserve Bank net sold $9.28 billion in the spot forex market in October while the net outstanding forward sale stood at $49.18 billion compared to the net sale of $14.58 billion in September.The central bank said it purchased $27.5 billion and sold $36.78 billion during October. As against this the central bank has bought a net of $9.64 billion in the spot market in September. It can be noted that October was the most volatile month for the rupee which began with foreign funds starting a selling spree of domestic equities and then Donald Trump winning the US presidential polls only added to the pain for the currency.

Transrail Lighting shares list at 36% premium on Dalal Street debut

New Delhi. Transrail Lighting made its debut on the stock market today, listing at Rs 590 on the NSE, at a premium of 37% over its IPO price of Rs 432 per share. The shares opened at Rs 585.15 per share on the Bombay Stock Exchange (BSE).The market debut aligns with market expectations and reflects robust investor interest during the IPO, which was oversubscribed by 81 times.The engineering and construction company raised Rs 839 crore through its IPO, which closed on December 23. The offering included a fresh issue worth Rs 400 crore and an offer-for-sale amounting to Rs 438.9 crore by promoter Ajanma Holdings. The funds raised from the fresh issue will be used for working capital needs, capital expenditure, and other corporate purposes.Analysts are upbeat about the company's long-term prospects. Narendra Solanki, Head of Fundamental Research at Anand Rathi Shares, recommends holding the stock to benefit from Transrail Lighting's solid order book of Rs 10,213 crore and strong market visibility. He notes that the IPO was reasonably priced and that the company's diversification strategies and global presence provide a solid foundation for growth.

For risk-averse investors, booking partial profits on the listing gains might be prudent. Meanwhile, long-term investors are encouraged to retain their shares to benefit from the company's anticipated growth in the power transmission and distribution sector.

15 income tax changes in 2024: What you need to know for filing ITR in 2025

New Delhi. The year 2024 brought significant changes to income tax laws, altering how taxpayers will approach filing their Income Tax Returns (ITRs) in 2025. With the backdrop of general elections earlier in the year, the government introduced sweeping changes to income tax laws, many of which are already in effect for FY 2024-25.

These reforms—ranging from revamped tax slabs to new rules for capital gains and TDS—promise to impact how you plan, save, and file your Income Tax Return (ITR) in 2025.Confused about how these changes affect you? Here's a concise breakdown of the 15 most significant updates and their implications on your finances. Get ready to plan smarter and save better!

REVISED INCOME TAX SLABS UNDER THE NEW REGIMEThe new tax regime has introduced revised income tax slabs designed to benefit individual taxpayers. Under the updated structure, income up to Rs 3,00,000 is exempt from tax, while earnings between Rs 3,00,001 and Rs 7,00,000 are taxed at 5%. Income from Rs 7,00,001 to Rs 10,00,000 is taxed at 10%, and the next bracket, Rs 10,00,001 to Rs 12,00,000, is taxed at 15%. For earnings between Rs 12,00,001 and Rs 15,00,000, the tax rate is 20%, and any income above Rs 15,00,000 is taxed at 30%.

These changes offer taxpayers opting for the new regime the opportunity to save up to Rs 17,500 annually.

INCREASED STANDARD DEDUCTION LIMIT

For those under the new tax regime, the standard deduction limit has risen to Rs 75,000 from Rs 50,000. Family pensioners, too, see a hike to Rs 25,000 from Rs 15,000. The old tax regime retains the existing Rs 50,000 limit for salaried individuals and Rs 15,000 for family pensioners.

This increase in deductions under the new regime effectively lowers taxable income, enhancing its appeal to a broader range of taxpayers.

ENHANCED NPS DEDUCTION FOR EMPLOYERS' CONTRIBUTION

Under the new tax regime, individuals can now claim deductions of up to 14% of their basic salary for employer contributions to the National Pension System (NPS), up from 10%.

Quick commerce growth in 2024: From gold, groceries to gadget delivery in 10 minutes

BENGALURU: The quick commerce sector in 2024 not only witnessed significant venture funding and growth, but also saw the entry of major players and extraordinary growth in terms of users. Swiggy went public this year and Zomato-backed Blinkit business turned adjusted EBITDA positive in March 2024.

While Flipkart forayed into quick commerce with 'Minutes', Amazon announced Tez and Myntra launched 'M-Now'. All major players are now focusing on the rapidly booming quick commerce market. Thanks to widespread adoption and demand not just in metro cities but also across tier-2 and 3 cities.As per Tracxn report, the quick commerce space in 2024 saw a significant jump in terms of funding as the sector raised $1.37 billion in equity funding from 7 rounds, driven largely by Zepto, which secured $1.355 billion across three $300 million rounds.In the next three years, Redseer predicts a 40-45% GMV CAGR for q-commerce. Not just groceries and food, all players have now expanded their offerings that include toys, gold during Dhanteras, beauty products, fashion and electronics, among others.On Thursday, Swiggy's quick commerce platform Instamart in its 2024 report said the fastest delivery of the year happened in Kochi in 89 seconds and that a single user spent Rs 8.3 lakh on gold during Dhanteras. People in Delhi have spent about Rs 60 crore on noodle snack.The capital topped the charts for maximum orders of potato chips and instant noodles. Vizag went big on playtime, with a user spending Rs 27,742 on toys this year. The cheapest order of the year came in at Rs 3, a pencil sharpener, purchased by a user in Hyderabad at 8:15 pm. A user from Chennai splurged Rs 1,25,454 on electronics, electricals and home appliances this year, picking up nearly 85 items.Instamart is aiming to double its dark store count by March 2025 from 523 in March 2024. In its first-ever results post IPO, Swiggy said its quick commerce arm saw improved performance where its gross order value growth accelerated to 24% sequentially to reach Rs 3,382 crore.

DAM Capital Advisors makes strong market debut: Is it a long-term bet

New Delhi. DAM Capital Advisors shares marked an impressive stock market debut on Friday, December 27, opening at Rs 393 on the NSE, reflecting a premium of 38.87% over the issue price of Rs 283 per share.On the BSE, the shares began trading at Rs 392.90, showcasing a 38.83% premium. The listing matched market predictions, as analysts and the grey market premium (GMP) had anticipated a 40%-50% premium, driven by robust demand and positive sentiment.The DAM Capital Advisors IPO received an overwhelming subscription, closing at 81.88 times oversubscription by December 23. The public issue, valued at Rs 840.25 crore, was entirely an Offer for Sale (OFS) of 2.97 crore shares, ensuring no direct capital inflow for the company.The IPO price band ranged between Rs 269 and Rs 283 per share, with a minimum lot size of 53 shares, requiring a minimum investment of â‚¹14,999 from retail investors.The allotment of shares was finalised on December 24, and investors could check their allotment status via the BSE website or registrar Link Intime India Pvt Ltd. Nuvama Wealth Management Ltd acted as the book-running lead manager for the IPO.

IS IT A LONG-TERM BET?

Analysts have shared mixed perspectives on the stock's long-term potential.

Prashanth Tapse, Senior VP (Research) at Mehta Equities, noted the healthy listing gains were driven by reasonable valuations and strong market sentiment. He advised conservative investors to book profits above expectations, while long-term investors willing to embrace volatility could hold their shares.He highlighted DAM Capital's 12.1% market share in IPOs and QIPs in FY24 as a sign of its strong market positioning.Shivani Nyati, Head of Wealth at Swastika Investmart Ltd, highlighted the company's strong growth in investment banking services, including equity capital markets, mergers and acquisitions, and private equity advisory. While she acknowledged the IPO's fully priced valuation, Nyati recommended investors book partial profits while maintaining a stop loss at Rs 390.With its solid debut, DAM Capital Advisors has positioned itself as a key player in India's equity markets. However, investors are advised to closely monitor the company's performance and broader market trends before making long-term decisions.

Sanathan Textiles shares list at 31% premium over IPO price. Hold or sell

New Delhi Sanathan Textiles made a strong debut on the stock exchanges, listing at Rs 422 per share, a 31% premium over its issue price of Rs 319.

The listing comes after the company's initial public offering (IPO) witnessed robust demand, with subscriptions exceeding 36 times the total shares on offer.The IPO, open between December 19 and December 24, aimed to raise Rs 550 crore, comprising a Rs 400 crore fresh issue and a Rs 150 crore Offer for Sale (OFS).Sanathan Textiles made a strong debut on the stock exchanges, listing at Rs 422 per share, a 31% premium over its issue price of Rs 319.The listing comes after the company's initial public offering (IPO) witnessed robust demand, with subscriptions exceeding 36 times the total shares on offer.he IPO, open between December 19 and December 24, aimed to raise Rs 550 crore, comprising a Rs 400 crore fresh issue and a Rs 150 crore Offer for Sale (OFS).SHOULD YOU HOLD OR SELL?

Analysts remain cautious despite the strong listing. Shivani Nyati, Head of Wealth at Swastika Investmart, noted the company's shrinking margins and declining profitability as concerns.

While the IPO was reasonably priced, Nyati suggests investors consider booking profits given the attractive 31% listing gains.

"Company made a quiet stock market debut, listing at a significant 31% premium over its issue price of Rs. 321. Those who took part in the initial public offering (IPO) may take listing gains profit," Nyati said.

With a focus on reducing debt and expanding its business verticals, Sanathan Textiles aims for steady growth. However, investors must weigh the company's fundamentals against broader market conditions before deciding to hold or sell.

India sees higher oil demand growth than China

NEW DELHI. The year 2024 is going to end with a higher oil demand growth rate as compared to China's. This will position the South Asian country as one of the fastest-growing consumption centres in the global oil market, according to a report by S&P Global Commodity Insights.

This shift is expected to continue into 2025, prompting India's refiners to accelerate expansion efforts and broaden their crude diversification strategies to keep pace with the surge in demand.Despite China's slower demand growth, its market size—more than three times larger than India's—will continue to contribute significantly to global oil demand by volume. However, oil market stakeholders are increasingly turning their focus to India, as its peak demand is expected to occur much later than China's."India will be the leading driver, along with Southeast Asia and other parts of South Asia, of the region's future oil demand growth," said Kang Wu, global head of macro and oil demand research at S&P Global Commodity Insights.

He added that in 2025 India is forecast to deliver a relatively faster growth in oil demand of 3.2% as against China's 1.7%. He emphasised the role of petrochemical feedstock requirements in oil consumption growth in both countries next year. In the first ten months of 2024, India's oil demand rose by 180,000 barrels per day (b/d), or 3.2% year-over-year, significantly outpacing China, which saw a rise of 148,000 b/d, or 0.9%, according to data from S&P Global Commodity Insights. As the global oil market adapts to these shifting dynamics, all eyes will remain on India as it takes centre stage in driving future growth in global oil demand.India is also set to see significant refining capacity growth in 2025. The country is just months away from launching its first greenfield integrated refinery complex in nearly a decade, leading to active negotiations with global oil producers for term crude imports for a project with the potential to generate incremental annual feedstock demand of up to 9 million metric tons.HPCL Rajasthan Refinery Ltd., an integrated refinery and petrochemical complex under construction in Pachpadra, Balotra district of Rajasthan, has already seen certain units enter the pre-commissioning stage. The refinery is designed to process over 83% imported medium-grade crude, with the remainder being domestic crude.

How Indian stock market benefitted under Manmohan Singh

Manmohan Singh's policies, introduced during a time of economic crisis in the early 1990s, reshaped India's economy and transformed the Indian stock markets.

New Delhi No power on earth can stop an idea whose time has come. I suggest to this August House that the emergence of India as a major economic power in the world happens to be one such idea. Let the whole world hear it loud and clear," said Dr Manmohan Singh during his first budget speech on July 24, 1991, as India embarked on its journey of economic liberalisation.And rightly so, since India has not looked back and scaled new heights to emerge as an economic powerhouse and ranks fifth globally in GDP for 2024.The foundation for this growth was laid by Former Finance and Prime Minister Manmohan Singh, known as the architect of India's economic liberalisation, who died in Delhi at the age of 92, leaving behind a lasting legacy.His policies, introduced during a time of economic crisis in the early 1990s, reshaped India's economy and transformed the Indian stock markets.ingh's policies came at a time of deep financial distress for India, with foreign reserves nearly depleted and the country on the brink of economic collapse. The reforms he introduced were historic, dismantling decades of restrictive controls and opening the economy to global markets.

TRANSFORMATIVE ECONOMIC REFORMS

Manmohan Singh's tenure as Finance Minister saw the implementation of bold measures that liberalised India's economy. The most notable among them were the abolition of the Licence Raj, opening the economy to foreign investment, reducing import tariffs, and introducing fiscal discipline.

"Singh also led various institutional reforms, including the formation of the Securities and Exchange Board of India (Sebi) as the regulatory authority, which marked a critical step in ensuring transparency and accountability in the stock market," said Palka Arora Chopra. Director, Master Capital Services.

The reforms introduced back then laid the groundwork for the India we know today. They transformed India's economic structure, making it more competitive and globally integrated. This also created a strong foundation for the Indian stock market to flourish.

A REMARKABLE RISE IN THE STOCK MARKET

The liberalisation measures had a direct and long-lasting impact on the Indian stock market. In 1991, the Sensex was trading at around 1,000 points. Today, it has surged past the 78,000 mark, delivering exponential returns to investors over three decades."As the nation pays homage to Manmohan Singh, the architect of liberalisation in India, investors must be acknowledging with gratitude the wealth created by the Indian stock market after the initiation of liberalisation in 1991. Sensex which was around 1000 in 1991 has multiplied about 780 times since then to trade above 78000 now delivering excellent returns to long-term investors. The market will continue to deliver superior returns to investors in the years to come since the India Growth Story, which liberalisation triggered, is very much intact," said Dr. V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services."Singh also took steps to strengthen Sebi in 1992, enhancing transparency and regulatory oversight, which in turn helped build trust among investors. By opening the market to Foreign Institutional Investors (FIIs) and Foreign Direct Investments (FDIs).

Delhi Wakes Up To Light Rain And Fog Reducing Visibility- Check Weather Here

▸This improvement was attributed to better meteorological conditions, such as increased wind speed, as forecasted by the IMD and the Indian Institute of Tropical Meteorology (IITM).

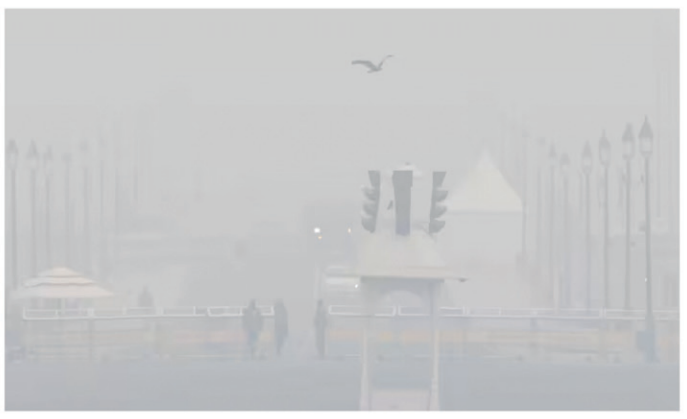

NEW DELHI. Light rain lashed across several parts of Delhi on Friday morning, accompanied by a layer of fog that reduced visibility. According to the India Meteorological Department (IMD), the city recorded a minimum temperature of 12°C and a maximum of 20°C. The IMD has also forecast "thunderstorms with rain" for Friday and Saturday, with more showers expected. Local resident Deepak Pandey shared, "The weather feels like Kashmir now. It's pleasant and great for traveling, though it's cold. The rain has also reduced pollution levels." Similarly, tourist Raman Kushwaha from Madhya Pradesh said, "It's cold, but the light rain makes it enjoyable to explore places, and the pollution has decreased."Drizzle, dense fog, and pleasant weather were seen at Kartavya Path, but despite the rain, Delhi's air quality remained in the 'very poor' category. As of 7 am, the Air Quality Index (AQI) was 371, according to the Central Pollution Control Board (CPCB). Specific AQI levels at various locations included 398 in Anand Vihar, 340 at IGI Airport (T3), 360 at Aya Nagar, 345 at Lodhi Road, 380 at ITO, 315 in Chandni Chowk, and 386 at Punjabi Bagh.

Delhi AQI level

On December 24, the Central government's air quality monitoring panel revoked Stage IV ('Severe+') restrictions under the Graded Response Action Plan (GRAP) due to improving air quality. However, measures under Stages I, II, and III are still in place to prevent worsening conditions, according to the Commission for Air Quality Management (CAQM). This improvement was attributed to better meteorological conditions, such as increased wind speed, as forecasted by the IMD and the Indian Institute of Tropical Meteorology (IITM).

Stage IV measures, which were implemented on December 16 when AQI levels crossed 400, included restrictions on industrial activities, construction, and entry of non-essential trucks into Delhi. These measures aim to combat severe pollution levels. GRAP is a system of emergency actions taken in Delhi-NCR to address air pollution based on AQI severity.Stay informed on all the latest news, real-time breaking news updates, and follow all the important headlines in india news and world News on .

Delhi University plans to introduce PhD in Hindu Studies from 2025-26 session

NEW DELHI. Delhi University is planning to introduce a PhD programme in Hindu Studies from the 2025-26 academic session, according to a proposal by a Standing Committee.

The Governing Body of the Centre for Hindu Studies has recommended that the PhD programme be introduced in 2025-26. The programme was intended to begin earlier in the current academic session but was postponed, as per the proposal.The initiative to introduce a PhD in Hindu Studies is aimed at creating opportunities for students, the Joint Director of the Centre for Hindu Studies, Prerna Malhotra said."Our Governing Board has recommended starting a PhD in Hindu Studies, and the matter will be placed before the Academic Council. Students have been approaching the Centre, enquiring about research opportunities, especially those who have already qualified JRF and NET in Hindu Studies. As a premier institution, Delhi University is committed to providing such opportunities and advancing research in diverse areas of Hindu Studies.

Security beefed up for New Year's Eve in national capital

NEW DELHI. The Delhi Police has intensified security arrangements and increased deployments in the border areas of the national capital for New Year celebrations, officials said on Thursday.

More than 10,000 police personnel, including traffic police are expected to be on the ground to rein in hooliganism and traffic violations, they said.

"After Christmas, we have made a robust plan for the security arrangements for New Year eve. We want everyone to welcome the new year with great zeal but no one will be allowed to breach the law," a senior police officer said.According to police, additional pickets, barricades and personnel -- including paramilitary deployment -- will be made at the borders to tackle nuisance by people from the adjoining states, said the officer.

Delhi shares borders with Haryana and Uttar Pradesh and lies close to Rajasthan.A large number of people from these three states arrive in the national capital for New Year celebrations. The police said they have already deployed police personnel at more than 10 locations for Christmas, but now they have intensified their security and heavy deployment has already been done on more than 15 locations from where vehicles enter the national capital.

"The traffic police has already chalked out a plan to combat motorcycle stunts and drink driving. Additional forces from different police stations will be deployed to help the traffic police," another senior police officer said. According to the police, there will be shift duties and SHOs have been ordered to be on the road with their teams to maintain law and order on New Year Eve.

26-Year-Old Man Sets Himself On Fire Near Parliament, Dies During Treatment

New Delhi. A 26-year-old man who set himself on fire near the Parliament on Dec 25 died during treatment at RML hospital here on Friday, officials said.On Wednesday, Jitendra from Uttar Pradesh's Baghpat tried to immolate himself near the new Parliament building after pouring a petrol-like substance on his body.

The fire was extinguished with the help of security personnel deployed near the parliament.He was then

taken to RML hospital and admitted to the burn wards.According to initial investigations, the man took the extreme step due to a dispute with some people back home in Baghpat.

His family has been facing two cases of assault with another family in their village due to which he was upset, police said.According to the hospital authorities, he suffered 95 per cent of burn injuries and expired at 2.23 am on Friday.

The cause of death was burn shock due to inhalational burns, resulting from 95 per cent of second-degree deep dermal burns, the authorities stated.A police officer said that Jitendra's body had been handed over to his family after the post-mortem.

"He Used To Praise Me A Lot": Lalu Yadav Pays Tribute To Manmohan Singh

New Delhi. In the wake of the passing of former Prime Minister Dr Manmohan Singh, Rashtriya Janata Dal (RJD) chief Lalu Prasad Yadav fondly recalled his close association with the esteemed economist and leader. Speaking to ANI, Lalu Yadav highlighted the strong personal rapport he shared with Manmohan Singh frequently praising his efforts during their time together in government."It is a great loss to the country. Dr Manmohan Singh was an honest leader against whom no allegations were ever made. I was also a minister in his cabinet, and I received immense support from him when I was serving as the Railway Minister. Hearing the news of his passing has come as a deep shock. I pray to God to grant peace to his soul," he said.

"We had a very good relationship, and he used to praise me a lot. It was during his time that significant progress was made in the railway sector, and the country saw advancement. He served as the Prime Minister for 10 years. His passing has deeply saddened me," Lalu Yadav added.

The RJD chief also emphasized that today, the country needs more people like Dr Singh.

"He was renowned as an economist around the world. Today, the country needs more people like him, and his absence will certainly be felt," he said.According to the Congress sources, the remains of the former Prime Minister will be brought to AICC headquarters in New Delhi tomorrow for people to pay their last respects. His last rites will be performed near Rajghat.

Manmohan Singh passed away at AIIMS, Delhi, on Thursday evening at the age of 92 due to age-related medical conditions.He had a sudden loss of consciousness at home after which he was rushed to the AIIMS Delhi.President Droupadi Murmu, Prime Minister Narendra Modi, Vice President Jagdeep Dhankhar, Leader of Opposition Rahul Gandhi, and leaders across the political spectrum condoled Manmohan Singh's death.

Manmohan Singh was born on September 26, 1932. Apart from being an economist, Manmohan Singh served as Reserve Bank of India governor from 1982-1985. He was the 13th PM of India with his tenure from 2004-2014 and was the longest-serving PM after Jawaharlal Nehru and Indira Gandhi.

Namo Bharat trains record five million commuters since launch of RRTS

Data reveals that the highest numbers of passengers have traveled from Ghaziabad and Meerut South stations on the corridor.

NEW DELHI. Since the launch of operations on the Delhi-Ghaziabad-Meerut RRTS corridor in October 2023, over five million commuters have travelled in the Namo Bharat trains, according to a statement released on Wednesday (December 25).

Data reveals that the highest numbers of passengers have traveled from Ghaziabad and Meerut South stations on the corridor.The 17 km priority section (Sahibabad-Duhai Depot) of the RRTS corridor was inaugurated on Oct 23, 2023, by Prime Minister Narendra Modi.On March 6, 2024, Namo Bharat services were extended to an additional 17 km section from Duhai to Modi Nagar North. Further expansion took place on August 18, with the addition of an eight km stretch from Modi Nagar North to Meerut South.Following the connection to Meerut, commuter interest in the Namo Bharat trains increased significantly. On August 19, during Raksha Bandhan, a record 34,000 commuters traveled on the trains. The total number of commuters has now surpassed five million.The operational section from Sahibabad to Meerut South spans 42 km and includes nine RRTS stations. Passengers can travel between Sahibabad and Meerut South in just 30 minutes.

Final trial runs underway on Delhi section of RRTS

Currently, Namo Bharat trains are undergoing final trial runs from Sahibabad to Delhi, with stations at Anand Vihar and New Ashok Nagar. Anand Vihar, an underground station, will be the first of its kind on the RRTS corridor.

Soon, the operational corridor will expand to 55 km as Namo Bharat trains begin service from Sahibabad to New Ashok Nagar.In addition, NCRTC has launched a loyalty points program, offering a 10% discount on fares for commuters who purchase QR code-based tickets through the RRTS Connect app.

Delhi HC seeks reply from Uber, Centre after plea alleges bias against disabled people

▸The petitioner's counsel alleged his client faced disrespectful and discriminatory behaviour while booking an auto ride on the app besides several other challenges while availing its company's services.

NEW DELHI. The Delhi High Court has sought the stand of Centre and Uber on a plea by a lawyer who suffers from visual disability alleging discrimination while availing services of the ride-hailing app.

On December 24, Justice Sanjeev Narula issued notice on the petition by advocate Rahul Bajaj and asked the Centre and Uber India Technology Private Limited to respond.

Bajaj's counsel alleged his client faced disrespectful and discriminatory behaviour while booking an auto ride on the app besides several other challenges while availing its company's services.He shared the incident where the auto driver not only refused to drop Bajaj at the desired destination for not wanting to assist him navigate the route, but was also disrespectful to him after reluctantly agreeing for the ride.

The petitioner argued the diver's conduct exemplified discrimination and said ride-hailing services such as Uber had failed to ensure their drivers were adequately trained and sensitised according to the Rights of Persons with Disabilities Act.

Though Uber claims of having a zero-tolerance policy against discrimination, it was ineffective in facilitating disability sensitisation, the petitioner said.Bajaj said despite his posting about such incidents on social media, he has continued to experience reluctance by Uber's auto drivers. The plea sought appropriate measures to address the situation. The matter would be heard on March 27.

Waqf Panel Dissatisfied With Karnataka, Madhya Pradesh, Rajasthan Responses

▸BJP member Jagdambika Pal, chairman of the Joint Committee on Waqf Amendment Bill, said the panel has given the representatives of the three states a fortnight to furnish their responses and would call them again to appear before it if required.

New Delhi.A parliamentary panel examining the Waqf Amendment Bill expressed dissatisfaction on Thursday over the responses given by Karnataka, Rajasthan and Madhya Pradesh about the status of Waqf properties in their respective states.

BJP member Jagdambika Pal, chairman of the Joint Committee on Waqf Amendment Bill, said the panel has given the representatives of the three states a fortnight to furnish their responses and would call them again to appear before it if required.The committee has sought details about the Waqf properties in states, including their registration with the government, listing of the properties by their character - waqf by user or waqf by deed, the income generated by such properties and whether their nature can be changed.

Mr Pal said the committee will also tour Kolkata, Patna and Lucknow between January 18 and 20 to interact with various stakeholders there.

He said some members have also expressed their desire to visit Jammu and Kashmir and a decision in this regard will be taken after consulting Lok Sabha Speaker Om Birla.

"The responses given by the delegations of the three states were not satisfactory, we have given them 15 days time to furnish the responses and will call them again if required," he said.Mr Pal said these states have not furnished the responses in the format specified by the Department of Minority Affairs.

Delhi's Food and Supply Minister Imran Hussain is scheduled to address the committee on Friday, followed by the recording of evidence by the representatives of the Delhi government.

The deposition of officials from the Congress-led Karnataka government comes in the wake of a row over claims by BJP leaders that over 1500 acres of land belonging to farmers in the state were being taken over by the Waqf board.Mr Pal had visited Karnataka and interacted with the farmers who had received notices from the state government regarding encroachment over properties belonging to the Waqf Board.The committee had also written to state governments seeking details of Waqf properties occupied by them in an unauthorised manner as per the Sachar panel report.The UPA government constituted the Sachar Committee in 2005 to study the social, economic and educational status of the Muslim community in India.

NEWS BOX

Baby Driver Teen Star Hudson Meek Dies After Falling From Moving Vehicle

World. Teenage actor Hudson Meek has died after falling from a moving vehicle in Alabama, authorities confirmed. Meek, 16, was injured on December 19 while on a street in Vestavia Hills, a suburb of Birmingham. He succumbed to his injuries two days later, according to the Jefferson County Coroner's Office.

The Vestavia Hills Police Department is currently investigating the incident, but no public statements have been made regarding the cause of the accident.

A post on Meek's Instagram account Saturday said, "Our hearts are broken to share that Hudson Meek went home to be with Jesus tonight. His 16 years on this earth were far too short, but he accomplished so much and significantly impacted everyone he met."Specific details regarding a Celebration of Hudson's Life to be held on December 28, as well as how to contribute to a scholarship in Hudson's memory at Vestavia Hills High School in lieu of flowers, will follow. Please pray for Hudson's family and friends as we all process this sudden and tragic loss," the post further said.

The accident occurred Thursday night in Vestavia Hills, Alabama, according to local news site AL.com. Meek "sustained blunt force injuries after falling to the road from a moving vehicle," Chief Deputy Coroner Bill Yates told AL.com. Meek was taken to a hospital and died Saturday night. Vestavia Hills police are investigating his death, as per Variety.Hudson Meek rose to fame with his portrayal as a young version of Ansel Elgort's main character Baby, a professional getaway driver with a passion for music. He also appeared in "MacGyver," "The School Duet," "Genius," "Found," "Legacies," "Union," "Momma Jenny & the Brooks Boys," "Providence," "Half Pint," "90 Minutes," "The List" and "The Santa Con."

Panama President Rules Out Talks With Trump Over Canal Threat

Panama City. Panamanian President Jose Raul Mulino on Thursday ruled out negotiations with US President-elect Donald Trump over control of the Panama Canal, denying that China was interfering in its operation.ulino also rejected the possibility of reducing tolls for US vessels in response to Trump's threat to demand control of the vital waterway connecting the Atlantic and Pacific oceans be returned to Washington.

"There's nothing to talk about," Mulino told a press conference."The canal is Panamanian and belongs to Panamanians. There's no possibility of opening any kind of conversation around this reality, which has cost the country blood, sweat and tears," he added.

The canal, inaugurated in 1914, was built by the United States but handed to Panama on December 31, 1999, under treaties signed some two decades earlier by then-US president Jimmy Carter and Panamanian nationalist leader Omar Torrijos.

Trump on Saturday slammed what he called "ridiculous" fees for US ships passing through the canal and hinted at China's growing influence.

"It was solely for Panama to manage, not China, or anyone else," Trump said in a post on his Truth Social platform. "We would and will NEVER let it fall into the wrong hands!If Panama could not ensure "the secure, efficient and reliable operation" of the channel, "then we will demand that the Panama Canal be returned to us, in full, and without question," he said.

- 'No Chinese interference' -

An estimated five percent of global maritime traffic passes through the Panama Canal, which allows ships traveling between Asia and the US East Coast to avoid the long, hazardous route around the southern tip of South America.

Mars or new world Elon Musk's bold plan to redefine humanity's future on red planet

World Elon Musk, the ever-visionary CEO of SpaceX and Tesla, is reaching for the stars—literally. On Friday, he hinted at a radical idea: renaming Mars to "New World" once humanity establishes a colony there. Musk took to X and reposted an image of the Martian landscape from Gale Crater by the Curiosity rover. He captioned it saying, "Mars will be called the "New World", just as America was in past centuries."

But for Musk, the name is only a small part of a grander vision that involves transforming the Red Planet into a thriving, self-sustaining hub for human civilization.Why Mars? Musk's bigger picture

Musk has long championed Mars as humanity's "backup plan." On X (formerly Twitter), he described it as "critical to the long-term survival of consciousness." To Musk, Earth's future is uncertain, and a thriving colony on Mars could ensure the continuity of human civilization in the face of catastrophic events.

"Earth is great, but it's fragile. We need a backup," Musk stated recently, underscoring his belief in Mars as humanity's next frontier.

The SpaceX game plan

SpaceX's Starship rocket is central to Musk's Mars ambitions. Capable of carrying up to 100 passengers, the Starship is designed to make interplanetary travel affordable and frequent. Musk revealed that five uncrewed missions are planned over the next two years to deliver vital resources—water, oxygen, and fuel—and test equipment.Starship will make life multi-planetary, preserving life as we know it from extinction events on Earth," Musk emphasized, with the first crewed mission potentially taking off in the early 2030s.Critics push backNot everyone shares Musk's enthusiasm. Astrophysicist Neil deGrasse Tyson has been a vocal skeptic. "What's the return on investment? Nothing," Tyson recently remarked, questioning the feasibility of colonizing Mars.

WHO Chief Escapes Unhurt As Israel Strikes Yemen Airport, UN Condemns Attack

WHO Director-General Tedros Adhanom Ghebreyesus narrowly escaped an aerial bombardment at Sanaa International Airport in Yemen on Thursday.

Sanaa. World Health Organization (WHO) Director-General Tedros Adhanom Ghebreyesus narrowly escaped an aerial bombardment at Sanaa International Airport in Yemen on Thursday, which resulted in the deaths of at least two people.Dr Tedros, along with his United Nations (UN) and WHO colleagues, was about to board a flight when the attack took place, injuring one of the plane's crew members.In a post on X, the WHO chief Ghebreyesus said, "Our mission to negotiate the release of @UN staff detainees and to assess the health and humanitarian situation in #Yemen concluded today. We continue to call for the detainees' immediate release. As we were about to board our flight from Sana'a, about two hours ago, the airport came under aerial bombardment. One of our plane's crew members was injured. At least two people were reported killed at the airport. The air traffic control tower, the departure lounge -- just a few meters from where we were -- and the runway were damaged. We will need to wait for the damage to the airport to be repaired before we can leave. My UN and @WHO colleagues and I are safe. Our heartfelt condolences to the families whose loved ones lost their lives in the attack."

The UN Secretary-General Antonio Guterres condemned the attack and called for the respect of international law, emphasizing that civilians and humanitarian workers must never be targeted.In a post on X, Guterres regretted the recent escalation between Yemen and Israel, and called the airstrikes on the Sanaa International Airport, the Red Sea ports and power stations in Yemen "alarming".

According to the UN Chief, the airstrikes reportedly resulted in numerous casualties including at least three killed and dozens more injured. He reiterated the call for all parties to cease military actions and exercise restraint.As per the Israel Defence Force (IDF), the Israeli Air Force conducted strikes on military targets belonging to Houthis on the western coast and inland Yemen. The attacks were carried upon the Houthi military infrastructure used for its military activities. The sites targeted included the Sana'a International Airport and the Hezyaz and Ras Kanatib power stations in addition to Al-Hudaydah, Salif and Ras Kanatib ports on the western coast.

South Korea's acting president Han Duck-soo faces impeachment vote

World South Korea's acting president faced an impeachment vote on Friday, as the country struggled to shake off political turmoil sparked by his predecessor's martial law declaration that shocked the world.Han Duck-soo took over as acting president from President Yoon Suk Yeol, who was suspended following a parliamentary vote over his move to impose martial law on December 3.But opposition MPs now want Han, who is also prime minister, removed from office too, arguing that he is refusing demands to complete Yoon's impeachment process and to bring him to justice."Today our Democratic Party impeaches Prime Minister Han Duck-soo in accordance with the people's order," said Democratic Party leader Lee Jae-myung."The 'acting authority' has transformed into 'insurrectionary authority'."In the impeachment motion put before parliament, the opposition said Han is "intentionally avoiding the special investigation to probe those involved in the insurrection and has clearly stated his intention to reject the appointments of three Constitutional Court judges".Such actions, the motion said, are "in violation of a public official's duty to uphold the law... and serve the public".If the opposition succeeds in its bid, South Korea will see its second impeachment of a head of state in less than two weeks, further destabilising its vibrant political scene.

It will also mark the first time South Korea has impeached an acting president.Finance Minister Choi Sang-mok would step in as acting president in Han's place.Holding an emergency press conference with cabinet members, Choi pleaded against the opposition's action."An impeachment motion against the acting authority is no different from an impeachment motion against the entire cabinet," Choi said."Our economy and people's livelihoods, which are walking on thin ice in a national emergency, cannot bear the expansion of political uncertainty surrounding the acting authority," he added.

True colors

At the heart of the current row is the composition of the Constitutional Court, which will decide whether to uphold parliament's decision to impeach Yoon.The court is currently short of three judges. While it can go ahead with its six members on the bench, a single dissenting vote would reinstate Yoon.he opposition wants Han to approve three more nominees to fill the nine-member bench, something that he has so far refused to do, essentially leaving both sides in deadlock.Han's refusal to formally appoint the three judges "revealed his true colours", said Democratic Party lawmaker Jo Seoung-lae.The refusal "is a direct challenge to the Constitution and the law", said Jo, adding the party would seek to impeach Han to "restore constitutional order and stabilise state affairs".Han has said that he would certify the judges' appointments only if his ruling People Power Party (PPP) and the opposition reach a compromise on the nominees."The consistent principle embedded in our constitution and laws is to refrain from exercising significant exclusive presidential powers, including the appointment of constitutional institutions.

Morocco migrant boat wreck on Dec 19 left 70 missing: Mali

WORLD. The sinking of a vessel carrying migrants in Moroccan waters on December 19 left 70 people missing, including 25 from Mali, that country's government said on Thursday.Around 80 migrants were on board the vessel heading for Spain, with "25 young Malians unfortunately identified among the victims", the government said in a statement.Eleven people were rescued, nine of whom were from Mali, it said in the statement, which cited embassies in the region, officials, victims' families and survivors.

Thousands of migrants attempt perilous sea crossings from African shores each year in hopes of reaching Europe, often in flimsy makeshift vessels.

More than 10,400 migrants have died trying to reach Spain since 2024, including a record number heading

for the Canary Islands, the Spanish migration NGO Caminando Fronteras said in a report on Thursday.

That was an average of about 30 a day, making it the deadliest year in the organisation's records.At their closest point, the Canaries lie 100 kilometres (62 miles) off the coast of North Africa. The shortest route is between the coastal town of Tarfaya in southern Morocco and the Canary island of Fuerteventura.

But to avoid controls, smugglers sometimes take longer, more dangerous journeys, navigating west into the open Atlantic before turning north to the Canaries.

The Atlantic route is particularly deadly, with many of the crowded, poorly equipped boats unable to cope with the strong ocean currents.Some boats depart African beaches as far as 1,000 kilometres from the Canaries.

Mali has been suffering a serious security crisis since 2012, facing attacks from jihadist groups linked to Al-Qaeda and the Islamic State organisation, as well as by separatist movements and criminal gangs.The International Organization for Migration, a UN agency, estimates that since 2014, more than 16,400 migrants have died trying to reach Europe from Africa, a figure that includes those headed to the Canary Islands.

Israel Strikes Houthi Military Targets In Yemen

Jerusalem. Israeli Air Force conducted strikes on military targets belonging to Houthis on the western coast and inland Yemen, the Israel Defence Force (IDF) said on Thursday.The IDF said that the plan of the airstrike was approved by the Prime Minister, Defence Minister and the Chief of the General Staff of Israel.The attacks were carried upon the Houthi military infrastructure used for its military activities. The sites targeted include the Al-Hudaydah, Salif and Ras Kanatib ports on the western coast."The Houthi terrorist regime has repeatedly attacked the State of Israel and its citizens, including in UAV and surface-to-surface missile attacks on Israeli territory. The targets that were struck by the IDF include military infrastructure used by the Houthi terrorist regime for its military activities in both the Sana'a International Airport and the Hezyaz and Ras Kanatib power stations. In addition, the IDF struck military infrastructure in the Al-Hudaydah, Salif and Ras Kanatib ports on the western coast," the IDF said in a post on X.The IDF further said that military targets were used by the Houthi terrorist regime to smuggle Iranian weapons into the region and for the entry of senior Iranian officials.

This is a further example of the Houthis' exploitation of civilian infrastructure for military purposes. The Houthi terrorist regime is a central part of the Iranian axis of terror, and their attacks on international shipping vessels and routes continue to destabilize the region and the wider world. The Houthi terrorist regime operates as an autonomous terrorist group while relying on Iranian cooperation and funding to carry out its attacks. The IDF will not hesitate to operate at any distance against any threat to the State of Israel and its citizens," the IDF concluded.This recent operation comes days after Israel had conducted a similar strike on December 19 on Houthi targets in Yemen.

The IDF had announced that Israeli fighter jets struck Houthi targets in Yemen after the rebel group carried out repeated missile and drone attacks on Israel, The Times of Israel reported.

Russia Warns Against "Hypotheses" In Azerbaijan Airlines Crash

Astana. Azerbaijani and US officials believe a Russian surface-to-air missile caused the deadly crash of an Azerbaijani passenger jet, media reports and a US official said Thursday, as the Kremlin cautioned against "hypotheses" over the disaster.The Azerbaijan Airlines jet crashed near the Kazakh city of Aktau, an oil and gas hub, on Wednesday after going off course for undetermined reasons.Thirty-eight of the 67 people on board died.The Embraer 190 aircraft was supposed to fly northwest from the Azerbaijani capital Baku to the city of Grozny in Chechnya, southern Russia, but instead diverted far off course across the Caspian Sea.n investigation is underway, with pro-government Azerbaijani website Caliber citing unnamed officials as saying they believed a Russian missile fired from a Pantsir-S air defence system downed the plane.The claim was also reported by The New York Times, broadcaster Euronews and the Turkish news agency Anadolu.

Some aviation and military experts said the plane might have been accidentally shot by Russian air defence systems because it was flying in an area where Ukrainian drone activity had been reported.A former expert at France's BEA air accident investigation agency said there appeared to be "a lot of shrapnel" damage on the wreckage.Speaking on condition of anonymity, he said the damage was "reminiscent" of Malaysia Airlines flight MH17, which was downed with a surface-to-air missile by Russia-backed rebels over eastern Ukraine in 2014.Kremlin spokesman Dmitry Peskov told reporters: "It would be wrong to make any hypotheses before the investigation's conclusions."

- Shrapnel strikes reported -

Euronews cited Azerbaijani government sources as saying that "shrapnel hit the passengers and cabin crew as it exploded next to the aircraft mid-flight".

A US official, speaking on condition of anonymity, also said early indications suggested a Russian anti-aircraft system struck the plane.Kazakhstan news agency Kazinform cited a regional prosecutor as saying that two black-box flight recorders had been recovered.Azerbaijan Airlines initially said the plane flew through a flock of birds, before withdrawing the statement.

Kazakh officials said 38 people had been killed and there were 29 survivors, including three children.

Jalil Aliyev, the father of flight attendant Hokume Aliyeva, told AFP that this was supposed to have been her last flight before starting a job as a lawyer for the airline.

"Why did her young life have to end so tragically?" the man said in a trembling voice before hanging up the phone.

Eleven of the injured are in intensive care, the Kazakh health ministry said.

- Day of mourning -

Azerbaijani President Ilham Aliyev declared Thursday a day of mourning and cancelled a planned visit to Russia for an informal summit of the Commonwealth of Independent States (CIS), a grouping of former Soviet nations.

"I extend my condolences to the families of those who lost their lives in the crash... and wish a speedy recovery to the injured," Aliyev said in a social media post Wednesday.

NEWS BOX

Sunil Gavaskar defends Virat Kohli's fine: Can't hang a man for picking a pocket

New Delhi Legendary Sunil Gavaskar reiterated his stance against Virat Kohli shouldering Sam Konstas on Day 1 of the Boxing Day Test, but said there were no favours done to the superstar cricketer in terms of the fine that was handed to him by the International Cricket Committee. Gavaskar quoted instances of players getting similar sanctions for physical contact on the field, stressing that protocols were followed in Kohli's case as well.Speculation was rife that Virat Kohli would be handed a one-match ban for shouldering 19-year-old Sam Konstas at the MCG in a heated on-field moment. However, Kohli escaped a suspension and was fined 20 percent of his match fee. Match referee Andy Pycroft charged him for Level 1 offence, the lowest level of punishment for physical contact on

the field.

A section of the Australian media, however, hit out against the governing body, accusing it of being lenient towards Virat Kohli. Former cricketers Ricky Ponting and Mark Waugh lashed out at the authorities for not handing Kohli a harsher punishment for the Boxing Day act."Yes, you would say that the punishment may be light, considering the experience that he has had. But, that's the maximum punishment that is decided by the ICC, He has not been done any favour," Sunil Gavaskar told Star Sports."If, for example, the fine was 10 percent, then you could have said 'ah, he has been done a favour'. But, the fine for a Level 1 offence is maximum a 20 percent. I am not 100 percent on that, but I am given to understand that there is one demerit point and a fine. That's the maximum allowed, that's what has been levied on him."No special favours have been done to him. You can't hang a man for picking someone's picket. That's what the Australian media is asking for."The Australian media think they got away because he is Kohli. But, that is not the thing," he added.Virat Kohli was handed a demerit point for the offence.

Physical contact on cricket field is complete no-no, says CA CEO

MELBOURNE. Cricket Australia CEO Nick Hockley on Friday said there is no place for physical contact on the cricket field, following the physical altercation between India superstar Virat Kohli and Australian debutant Sam Konstas.The brief showdown took place after the 10th over of the Australian innings on the opening day of the fourth Test when the players were crossing over.Kohli and Konstas bumped shoulders while moving across the pitch in the face off that was initiated by the travelling star. Following the incident, Kohli was charged with breaching Level 1 of the ICC Code of Conduct and accepted the sanctions proposed by match referee Andy Pycroft at the end of the day. He was also fined 20 percent of his match fee.

"Not a great look I mean you know physical contact on the cricket field is a complete no-no so it wasn't great," Hockley told SEN Radio."I think clearly Virat in accepting the charge has taken responsibility," he added.

Konstas downplayed the incident, explaining that Kohli had accidentally bumped into him, a response Hockley considered remarkably mature for a teenager."I actually thought Sam showed maturity beyond his years and was actually very kind of gracious to brush it off," Hockley said."What it does is it highlights just the intensity of the competition but also just how much is at stake in this series but yeah not a great look," he added.Kohli also received one demerit point from the ICC.When asked whether the penalty was sufficient, Hockley left it to the officials."I think that's for the for the officials. I've got a really experienced panel of officials here and the main thing is that kind of Virat has accepted the charge and taken responsibility."When questioned about the potential response had an Australian player been involved, Hockley replied.

Indian wrestling continues to grapple for survival

The sorry state of affairs in wrestling continues even though Aman Sehrawat, with an Olympic bronze, salvaged some pride. As 2024 nears end, a look at the issues ailing the sport and the way forward to reclaim the good old days.

CHENNAI. Earlier this month, a Greco-Roman wrestler from Railway Sports Promotion Board (RSPB), who was representing Rajasthan in the senior national championships in Bengaluru, got a few calls after he won the first bout. He was instructed to pull out of the tournament as the RSPB has not given him a no-objection certificate (NOC) to compete in the championships.

A few Railway wrestlers though represented their home states and even won medals but a majority of them were deprived of the nationals organised by the Wrestling Federation of India (WFI) for the second straight year.The same was the case last year as well. Repercussions for non-participation, however, could be more this time as in 2023 two nationals were organised — one by the WFI and other by the ad-hoc committee. The second one was hosted by the RSPB and hence their wrestlers got a tournament even if they were not allowed to compete in the WFI's event.Besides, winners of Railway nationals were considered for future events given the situation at that time. It may not be the case now and this can affect Railway, who employs the country's top wrestlers, badly."It's sad but wrestlers who didn't compete in Bengaluru nationals would not be considered for upcoming camps and tournaments," Sanjay Kumar Singh, WFI president, told this daily. The deadlock between the RSPB and WFI is an open secret and what makes it more intriguing is the fact that unlike Railways, the Services Sports Control Board (SSCB) competed at the championships. Both RSPB

and SSCB are members of the WFI. Interestingly, RSPB secretary Prem Chand Lochab is also the secretary-general of the WFI.

It all started last year in January when the country's top wrestlers — Olympic medallists Bajrang Punia and Sakshi Malik and multiple World Championships medallist Vinesh Phogat — staged a protest against former WFI president Brij Bhushan Sharan Singh accusing him of sexual harassment. A lot has happened since then with Brij Bhushan being sidelined, Sakshi announcing her retirement and Bajrang and Vinesh joining politics ahead of the Haryana assembly elections. Despite all these changes, the sorry state of affairs in wrestling continues and the Bengaluru tournament exemplified it."The protest caused irreparable damage to wrestling in the country. The biggest impact was reflected on the Indian wrestlers' show at the 2024 Paris Olympics. Had it not happened, Indian wrestlers would have won at least four medals but unfortunately only one medal could be earned," lamented Sanjay Singh.It's usual for national sports federations (NSFs) to predict medals before every Olympics but not all of them are always on the mark. However, the negative impact of the unrest was clearly visible as only one freestyle wrestler, Aman Sehrawat, managed to qualify for the Paris Games. Since the 2004 Olympics, at least three or more men wrestlers (freestyle and Greco-Roman) have qualified for the Olympics but the number took a nosedive ahead of the 2024 Olympics thus affecting India's medal chances at the quadrennial event.

Mark Waugh questions ICC for being 'lenient' with Virat Kohli in Konstas incident

New Delhi. Former Australia batter Mark Waugh has slammed the International Cricket Council (ICC), calling its 20 percent fine on Virat Kohli for shoulder barge against Sam Konstas on Day 1 too lenient. "It doesn't matter who you are; that sort of behaviour is unacceptable," Waugh said on Fox Cricket. "He's extremely lucky the penalty was so lenient ... it could easily have been deemed a Level 2 offence."The fine should be at least 75% of the match fee if you're going to impose a monetary penalty. Incidents like this could escalate, involving players or even the crowd, especially in hostile environments. Physical contact of this nature is simply not acceptable."

ICC match referee Andy Pycroft classified the incident as a Level 1 offence, resulting in a 20 percent fine on Kohli's match fee and the addition of a demerit point. Level 1 breaches carry a minimum penalty of an official reprimand and a maximum penalty of 50% of the player's match fee, along with one or two demerit points. On-field umpires Joel Wilson and Michael Gough, third umpire Sharfuddoula Ibne Shahid, and fourth umpire Shawn Craig brought the charge against Kohli.Kohli was found to have breached Article 2.12 of the ICC Code of Conduct for Players and Player Support Personnel, which pertains to "inappropriate physical contact with a Player, Player Support Personnel, Umpire, Match Referee, or any other person (including a spectator) during an International Match."The incident occurred at the end of the 10th over of Australia's innings on Day 1 of the Boxing Day Test in Melbourne when Kohli walked up to batter Sam Konstas and negligently bumped shoulders with him.

Kohli admitted to the offence and accepted the sanction proposed by Andy Pycroft of the Emirates ICC Elite Panel of Match Referees, eliminating the need for a formal hearing.

Legendary India cricketer Sunil Gavaskar, speaking on the same pre-match show, expressed hope that Kohli would not be remembered for this incident.

"That's just a slap on the wrist. These players are highly paid professionals, so any fines must serve as a deterrent. I understand the ICC match referee followed the rulebook and the playing conditions, but I hope Kohli, one of the greatest players in the world, is remembered for his incredible achievements with the bat, not for this," Gavaskar said.

Rohit Sharma's captaincy pathetic: Ex-selector tears into India skipper in MCG Test

New Delhi . Former India chief selector MSK Prasad has questioned Rohit Sharma's 'ordinary' run with the bat and his 'pathetic' captaincy in the ongoing Border Gavaskar Trophy against Australia. Prasad also drew a link between Rohit's individual batting performance and the team's performance. Rohit managed scores of 6, 3, and 10 in his first three innings batting in the middle order.Rohit's return to the top of the order in Melbourne brought no improvement, as he was dismissed for just 3. His captaincy has also come under scrutiny, with questions raised about his field placements and bowling rotations. Rohit Sharma missed the first Border-Gavaskar Trophy Test, which India

won by 295 runs in Perth, led by Jasprit Bumrah. Since Rohit returned to the side in Adelaide, things have not gone well for India.

As Australia continued to pile on the runs, with Steve Smith reaching his 11th Test century against India, former BCCI chairman of selectors MSK Prasad voiced his frustration during commentary. Prasad strongly criticised Rohit's captaincy, batting, and overall demeanour, describing him as seemingly clueless.You really raised the topic of Rohit Sharma's captaincy. Heading into this series, you know, we had our 3-match series against New Zealand. It was pathetic. It never happened in the history of Indian cricket that we lost back-to-back 3 games. Rohit got absolutely no runs in that series, so he comes into this series. He didn't play the first game. Bumrah led the side very well, so Rohit comes after the backdrop of continuous failures," MSK Prasad said while speaking on commentary on Day 2 of Boxing Day Test.

Nathan Lyon sledges KL Rahul after batter drops to No.3 for Rohit Sharma

New Delhi. Australia spinner Nathan Lyon sledged India batter KL Rahul during Day 2 of the Boxing Day Test match in Melbourne. When KL Rahul came out to bat at No.3, Lyon asked the batter - what did he do wrong to be demoted in the batting order?

IND vs AUS: Australia spinner Nathan Lyon sledged KL Rahul after the batter came out at No.3 during India's batting innings at the MCG. Lyon jokingly asked what did Rahul do wrong to be shifted down to No.3 in the batting order.

KL Rahul, who has done well as an opener in the tour of Australia, shifted one place down to make way for India captain Rohit Sharma. Rohit, who was batting at No.6, to accommodate Rahul in the opening spot decided to shift up to his natural position after failures in the Adelaide and Brisbane Test.However, the move did not work out for India as Rohit was dismissed after playing just 5 balls. Rohit failed to negotiate a harmless delivery from Pat Cummins and was dismissed after top edging the ball.

Facing a short-of-length delivery outside off, Rohit attempted an awkward pull shot. It was a half-hearted effort, resulting in a mistimed top-edge that ballooned towards mid-on. Scott Boland made no mistake, completing a straightforward catch to send Rohit back to the pavilion. This experiment of opening alongside Yashasvi Jaiswal, seemingly an effort to revitalise his approach, failed to bear fruit for Rohit as his series scores now read a disappointing 3, 6, 10, and 3.Rohit's struggles against Cummins in Test cricket have become a recurring theme, with the statistics painting a stark picture of his challenges. Rohit has faced 199 deliveries, scoring just 127 runs while being dismissed seven times by Cummins in 13 innings. "That's just a lazy, not switched on, not up for the moment type of shot," Ricky Ponting said on Seven Cricket. "He's been known as one of the best hookers and pullers of the ball since he's made his debut but that's just not there.KL Rahul on the other hand looked assured for the majority of his innings. Rahul was undone by an absolute ripper from Pat Cummins in the final ball of the second session on Day 2. Cummins got the better of Rahul with an outswinger, when the batter was looking steady at 24 runs off 41 balls.

After KL Rahul's dismissal, Virat Kohli and Yashasvi Jaiswal had taken the reins of the innings and had added 90 runs. Kohli was battin gat 35* while Jaiswal was closing in on his century.

Manchester United just have to survive: Ruben Amorim on Boxing Day loss vs Wolves

Manchester United must embrace survival mode to break their wretched run after losing for the fourth time in five Premier League games, according to manager Ruben Amorim.

New Delhi. Manchester United manager Ruben Amorim admitted his team must shift to "survival mode" after a 2-0 loss to Wolverhampton Wanderers compounded their Premier League woes. United suffered their fourth loss in five matches to languish in 14th place, just eight points clear of the relegation zone.

The Portuguese manager, who replaced Erik ten Hag six weeks ago, pointed to limited time to train with his players as a key reason for the team's struggles. Amorim has become the first United boss since Walter Crickmer in 1932 to lose five of his first 10 games across all competitions.

"I manage, but I didn't train [the players]," Amorim said. "They need time to adapt to the new style of play. Without results, it's even harder for them to believe in the process. Right now, we just have to survive and win time to work on the team. It's a long journey."Wolves took the lead through Matheus Cunha's 58th-minute corner, which curled over United goalkeeper André Onana and into the net-a strikingly similar mistake to one made during United's Carabao Cup exit against Tottenham.Wolves manager V-tor Pereira, who has now overseen back-to-back wins since succeeding Gary O'Neil, credited tactical planning for the goal. "We analysed their weaknesses," Pereira said. "Cunha is a special player who made the difference."United's task was made even harder when captain Bruno Fernandes received a second yellow card two minutes after halftime. Despite their numerical disadvantage, Amorim noted moments of promise but admitted the team lacked potency even before the red card.With 10 men, we were near the goal, which is a positive, but we lost," he said.

Marcus Rashford was left out for a fourth consecutive match, with Amorim reiterating that the forward is not in his plans. The England international has reportedly sought a "new challenge," and Amorim's post-match comments suggest little chance of reconciliation."It's always the same reason," Amorim said. "If he's not here, you can make your mind up."When asked about qualifying for European competitions, Amorim dismissed such aspirations, stressing the need to focus on rebuilding. "We have to work on a lot of things-on and off the pitch. Let's focus on each game and make use of every training session," he said.

Hina Khan

Makes A Comeback To Television With Grihalaxmi Amid Breast Cancer Battle

Popular TV actress Hina Khan, who is currently fighting breast cancer, is making a powerful return to the screen with "Grihalaxmi." Despite her ongoing battle, the actress has decided to keep moving forward. The upcoming gripping drama, centered around power and survival, also stars Chunky Pandey, Rahul Dev, and Dibyendu Bhattacharya. The makers of the show have unveiled its teaser."Grihalaxmi" tells a compelling story of resilience, survival, and personal transformation. The intense drama will stream on EPIC ON.

In July, Hina announced her return to work for her first assignment since her breast cancer diagnosis. In a heartfelt post, the 'Yeh Rishta Kya Kehlata Hai' actress wrote, "My first work assignment after my diagnosis. Walking the talk is challenging, especially when facing life's biggest challenges. So, give yourself a break on bad days; it's okay… you deserve it. However, don't forget to live your life on the good days, no matter how few they are. These days still hold importance. Accept the change, embrace the difference, and normalize it."

On June 28, Hina Khan confirmed that she had been diagnosed with stage three breast cancer. Taking to her Instagram, the actress shared a note that read, "Hello everyone, To address the recent rumor, I want to share some important news with all the Hinaholics and everyone who loves and cares for me. I have been diagnosed with stage three breast cancer. Despite this challenging diagnosis, I wish to reassure everyone that I am doing well. I am strong, determined, and fully committed to overcoming this disease. My treatment has already begun, and I am ready to do everything necessary to emerge from this even stronger."

Meanwhile, on the work front, Hina earned significant recognition for her portrayal in "Yeh Rishta Kya Kehlata Hai." She is also widely remembered for her negative role as Komolika in "Kasautii Zindagii Kay." She also appeared in the comedy-drama series "Namacool," directed by Ritam Shrivastava, as well as "Shinda Shinda No Papa."

Sanjeeda Shaikh

Says Animal Changed Her View Of Rashmika Mandanna: 'With Pushpa 2, My Respect…'

Pushpa 2: The Rule continues to wreak havoc at the box office! It has scripted created history as it has crossed the record of Prabhas starrer Baahubali 2: The Conclusion, to emerge as the highest-grossing Indian film of all time. While Allu Arjun's fans continue to gush over his box office standing and mega-stardom, it wouldn't be wrong to state that even Rashmika Mandanna hasn't gone unnoticed. Now, in an exclusive chat with News18 Showsha, Sanjeeda Shaikh too can't stop raving about Rashmika.She

exclaims, "The last film I watched was Pushpa 2. I loved it! I never thought that I'm competing with my contemporaries but I've this new-found love for Rashmika." But her 'admiration' for Rashmika began with Animal, which hit the screens last year. Sanjeeda says, "Earlier, I used to see her on social media a lot but after watching a couple of her performances, especially in Animal, my perspective changed."

Pointing out the sequence of Rashmika's confrontation scene with Ranbir Kapoor in the film, the Heeramandi and Kyaa Hoga Nimmo Kaa actor remarks, "I thought she was really good and graceful in Animal. That one scene she had with Ranbir in the film changed my idea of her and she came in the category of a very good performer. And then I watched her in Pushpa 2 and my respect for her increased even more."

Lauding Rashmika for managing to capture the audience's attention in an Allu Arjun film, Sanjeeda adds, "I like watching good performances. Pushpa 2 is an Allu Arjun film but for Rashmika to stand out and make her mark was laudable. She performed her scenes so effortlessly! That one scene where she answers back to everyone that yeh mera husband hai was so beautifully done. She really left an impact on me."

As for Sanjeeda, she too is infused with the spirit to take her career a notch higher in 2025. And she has no qualms about having 'smaller parts' anymore. "I'm okay with it. One matures with age. When you spend enough time in the industry, you understand how it works. I know what I can do and what I can't, as an actor. When I was doing TV, I only wanted to play lead characters. Once I saw progression in myself, I became confident. When you know that you've the ability to stand out and be noticed no matter what you do, your whole perspective changes," she says.

Gauahar Khan And Zaid Darbar Celebrate 4 Years Of Love

Gauahar Khan and Zaid Darbar, one of the most loved celebrity pairs, marked four years of their marriage on December 25. To make the occasion extra special, the Bigg Boss 7 winner took to her social media handle and treated her Instafam with a collage video featuring moments of their journey together. The clip depicted significant major milestones in their relationship, capturing adorable pictures from their wedding day to their exciting pregnancy journey.Sharing the post, Gauahar penned down a heartfelt note that reads, "No matter what the chronology, my memories of the last four years with you have only been, All Heart!!!! I love you, husband. Thank you for being my greatest source of joy, support, and peace! Allahumma Baarik Fee Happy anniversary, Jaanu! #25thdecember."

Zaid, on the other hand, posted a few moments from their fourth wedding anniversary celebrations. In a video, the couple fed cake to each other. The highlight of the clip was a sweet lip kiss between them. As it moves forward, we see Zaid playing with his son's toy.Sharing the video, Zaid wrote, "My world #happyanniversary Jaanu."

As soon as the posts were shared online, the comment section was flooded with reactions from fans and celebs alike. Zaid's brother Awez Darbar wrote, "Happy happy Anniversary aap dono ko dekh kar mera bhi mann ho raha hai.. Ab main bhi karlu shaadi." Actor Sandeep Goyat wrote, "Happy anniversary Stay happy and blessed." TV actor Gautam Rode wrote, "Happy anniversary both of you."Gauahar got married to Zaid, the son of renowned music composer Ismail Darbar, on December 25, 2020. The duo announced the pregnancy in December 2022 and welcomed their first child, a son named Zehaan in May 2023.Meanwhile, on the work front, Gauahar is currently starring in the show Fauji 2, which airs on DD National. Backed by Sandeep Singh, the show is a sequel to the iconic 1989 series Fauji, which featured Shah Rukh Khan in his debut role.

Apart from this, she is seen in Ravi Dubey and Sargun Mehta's show Lovely Lolla alongside Isha Malviya, Dolly Ahluwalia and Nikhil Khurana.

Ananya Panday Devours A Burger In Kho Gaye Hum Kahan BTS; Siddhant, Adarsh Goof Around

Kho Gaye Hum Kahan, the coming-of-age drama starring Ananya Panday, Siddhant Chaturvedi, and Adarsh Gourav, has officially completed one year since its release in 2023. To mark the special milestone, Adarsh took to Instagram to share a series of behind-the-scenes moments, offering fans a glimpse into the camaraderie and fun shared by the cast.The BTS photos captured the trio in various candid and goofy moments. In one picture, Adarsh and Siddhant are seated on a sofa with Ananya perched playfully on their legs. Another photo features Ananya enjoying a burger with her eyes closed, embracing her inner foodie. Adarsh even shared a snapshot of himself sitting in a tub of water, along with other cheerful moments of the cast bonding on set.

Reflecting on the film's anniversary, Adarsh wrote a heartfelt caption, celebrating the memories and friendships the film brought him. "1 year to the film that's given me so many core memories, good friends, and an experience of a lifetime," he wrote. He also expressed gratitude to the film's team, including director Arjun Varain Singh, producers Zoya Akhtar and Excel Movies, and the casting team, for believing in him to portray a gym enthusiast. "Grateful to @arjunvarain.singh and @zoieakhtar @excelmovies @nandinishrikentcasting @karan_mally for trusting me to play a gym bro when I looked nothing like one when I started out," he added.

Adarsh also thanked his fitness trainers for helping him undergo a significant transformation for the role and shared how much he missed working with his co-stars, Ananya Panday and Siddhant Chaturvedi, calling the film an "extremely special" project.

Siddhant Chaturvedi responded to the post with a red heart emoji, while fans flooded the comments with love for the film. Comments included, "Forever my favorite film," and "This was a cool movie… will get rich by time." Others expressed their plans to rewatch the film, with one fan calling it their New Year's ritual.Kho Gaye Hum Kahan was a poignant coming-of-age drama that delved into the complexities of friendship, self-discovery, and navigating adulthood in the digital age.